শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 254 | गुवाहाटी | सोमवार, 10 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप के समापन समारोह में... पेज 3
प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस का किया शुभारंभ पेज 4
संस्कृति व राष्ट्रीयता से परिपूर्ण शिक्षा ही सार्थक : योगी पेज 5
पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ एक दिन के अनशन पर बैठने ... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अल्फाइयों से हाथ मिलाना चाहता है खालिस्तानी पन्नू, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़। वारिस पंजाब दे के प्रमुख और भगोड़े खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल के 8 साथियों को असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखने के बाद हाल ही में एक नई खुफिया सूचना से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। भारत में प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने 4 अप्रैल को यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) को समर्थन की पेशकश की है। अल्फा-आई 1979 से एक संप्रभु असम की स्थापना के लिए एक हथियारबंद आंतकी मूवमेंट का नेतृत्व कर रहा है। एसएफजे के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अल्फा-आई के नेता परेश बरुआ को लिखे एक खुले पत्र में असम की *आजादी के जनमत संग्रह* के लिए कानूनी सहायता और जरूरी समर्थन देने की इच्छा जताई थी। एसएफजे को लिखे पत्र में पन्नू ने यह भी कहा है कि डिब्रूगढ़ जेल में खालिस्तान समर्थक कैदियों की यातना दुर्भाग्यपूर्ण है। जाहिर है कि एसएफजे अपनी तरह के भारत विरोधी संगठनों को एक मंच पर लामबंद करना चाहता है। वो भारत के टुकड़े करने का मंसूबा पाले हुए है, जो कभी पूरा नहीं हो सकता। एसएफजे के मंसूबे इतने घातक हैं कि इसने ऐतिहासिक करतारपुर कॉरिडोर को *खालिस्तान का पुल* का नाम दिया है। सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का घटना 2007 में अमेरिका में एक स्व-घोषित मानवाधिकार वकालत समूह के तौर पर हुआ। जो सिखों के लिए एक अलग

देश खालिस्तान बनाने की मांग करता है। एसएफजे का प्रधान कार्यालय अमेरिका में है। इसके कार्यालय ब्रिटेन, कनाडा और पाकिस्तान में भी इसके ऑफिस हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू, पंजाब विश्वविद्यालय (भारत) से लॉ ग्रेजुएट है। वह इस समय अमेरिका में एसएफजे का कानूनी सलाहकार है। समूह ने अपना ऑनलाइन अभियान *रेफरेंडम 2020* शुरू किया था। सिखों के बीच उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, कीनिया, मध्य पूर्व और पंजाब के प्रमुख शहरों में सिख देश बनाने के लिए नवंबर 2020 में आयोजित होने वाले गैर-बाध्यकारी जनमत संग्रह की आवाज देने के बाद यह सुर्खियों में आया।

जहरीला मशरूम खाने से तीन मरे

गोलाघाट (असम)। असम के गोलाघाट जिले में जहरीला मशरूम खाने से एक दो साल के बच्चे समेत कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह घटना जिले के मेरापानी इलाके में हुई, जहां पांच परिवारों के सदस्यों ने 2 अप्रैल को मशरूम का सेवन किया। उन्होंने कहा कि मशरूम खाने के बाद एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। हेमंत बर्मन (2) की कल रात मौत हो गई, जब उनकी मां तरली बर्मन (23) और पिता प्रफुल्ल बर्मन (24) की क्रमशः गुरुवार और शुक्रवार को मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि इन सभी की जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जेएमसीएच) में मौत हो गई। मेरापानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उपाधीक्षक डॉ चंद्र श्याम ने कहा कि पांच परिवारों के कुल 13 लोगों ने जहरीला मशरूम खाने के बाद स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं की शिकायत की। श्याम ने कहा कि बीमार हुए लोगों की हालत स्थिर है।

राहुल के खिलाफ मानहानि का मामला दायर करेंगे हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अडाणी समूह से जुड़े एक ट्वीट को लेकर मानहानि का मामला दायर करेंगे। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मानहानि का मामला 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुवाहाटी दौरे के बाद दायर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कुछ भी ट्वीट किया है, वह अपमानजनक है। प्रधानमंत्री के राज्य से रवाना होने के बाद हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मानहानि का मामला गुवाहाटी में दायर किया जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल के वर्षों में पार्टी छोड़ने वाले कुछ नेताओं पर तंज कसते हुए शनिवार को कहा था कि अडाणी मामले पर सच्चाई छिपाने के लिए रोजाना ध्यान भटकाया जा रहा है। उन्होंने ट्विटर पर अडाणी का हवाला देते हुए गुलाम नबी आजाद,ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण कुमार रेड्डी और अनिल के. एंटनी के नाम लिखते हुए कहा था कि सच्चाई छुपाते हैं, इसलिए रोज भटकाते हैं! सवाल वही है कि अडाणी की कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपए की बेनामी रकम किसकी है? कांग्रेस छोड़ने के बाद, आजाद ने अपनी पार्टी बनाई, जबकि बाकी भाजपा में शामिल हो गए। सिंधिया अब केंद्रीय मंत्री हैं और शर्मा असम के मुख्यमंत्री हैं। गांधी के ट्वीट का हवाला देते हुए, शर्मा ने पहले ट्वीट किया था कि यह हमारी शालीनता थी कि हमने आपसे कभी नहीं पूछा कि आपने बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड घोटालों से अर्जित अपराध की आय को कहां छुपाया है? और आपने कैसे इतनी बार ओत्तावियो क्वात्रोची को भारतीय न्याय के शिकंजे से बचने दिया? कोई नहीं, हम अदालत में मिलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुवाहाटी आएंगे।

पता दो बिस्किट भेज देंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा की राहुल गांधी को *कोर्ट में देखने* की धमकी पर कांग्रेस ने जवाब दिया है। पार्टी नेता सुप्रिया श्रीनेत ने शर्मा को एक ट्वीट में *अपनी खोखली धमकियां* अपने तक ही रखने की सलाह दी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के उन नेताओं के नाम अडानी के साथ जोड़कर ट्वीट किया था, जिन्होंने बगावत कर भाजपा जॉइन कर ली। कांग्रेस नेता के इस ट्वीट पर बवाल मची है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी के पांच नामों वाले ट्वीट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक -शेष पृष्ठ दो पर

परेश बरुवा कभी अप्रासंगिक नहीं रहे : अनूप चेतिया

शोणितपुर (हि.स.)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) के पूर्व सदस्य अनूप चेतिया ने कहा कि अल्फा स्वाधीन (स्वा.) के प्रमुख परेश बरुवा कभी अप्रासंगिक नहीं रहे। यही कारण है कि आज भी अल्फा (स्वा.) में नए सदस्य शामिल हो रहे हैं। जब तक संघर्ष है, संगठन चलता रहेगा। आज के समय में किसी संगठन को आगे ले जाना उतना ही आसान है, जितना कि जीवित रहना। अल्फा के पूर्व सदस्य अनूप चेतिया ने कहा कि परेश बरुवा ने यह कभी नहीं कहा कि संप्रभु के बिना कोई बातचीत नहीं होगी। चेतिया ने कहा कि जिस तरह से -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम 14 को चांगसारी एम्स और तीन मेडिकल कालेजों का करेंगे उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को एक दिवसीय दौरे पर असम आएंगे। इस दौरान राजधानी गुवाहाटी में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री के दौरे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को पूर्वाह्न 11.30 बजे गुवाहाटी हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। यहां से आईआईटी गुवाहाटी और फिर चांगसारी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जाएंगे। यहां प्रधानमंत्री चांगसारी एम्स के साथही तीनों मेडिकल कॉलेजों-नगांव, कोकराझाड़ और नलबाड़ी का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुनिया की लगभग हर चीज सिर्फ ठोकर लगने से ही टूट जाती है, सिर्फ एक कामयाबी ही है, जो ठोकर खाने के बाद ही मिलती है।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

बाघ के आंकड़े उत्साहजनक : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक के बांदीपुर और मुदुमलाई बाघ अभयारण्य का दौरा किया। अपने यात्रा की समाप्ति पर उन्होंने ट्वीट कर कहा कि बाघ गणना के आंकड़े उत्साहजनक हैं। साथ ही यह प्रवृत्ति बाग के साथ-साथ अन्य जानवरों की रक्षा के लिए भी अधिक करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाघ गणना के उत्साहजनक आंकड़ों को देखते हुए वे सभी हितधारकों और पर्यावरण प्रेमियों को बधाई देते हैं। यह -शेष पृष्ठ दो पर

निकोबार में भूकंप

नई दिल्ली। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार रविवार को निकोबार द्वीपसमूह पर एक के बाद एक तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर पहली बार आए भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई यह दोपहर 2 बजकर 59 मिनट पर आया। वहीं भूकंप के दूसरे झटके की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 मापी गई है। यह शाम के चार बजकर एक मिनट पर महसूस किया गया। निकोबार द्वीप समूह पर भूकंप का तीसरा झटका शाम के 5.47 बजे महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.6 मापी गई।

निहंगों में खूनी संघर्ष, एक का कटा हाथ

चंडीगढ़। पंजाब के चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर दो निहंगों के बीच रविवार को हिंसक झड़प हो गई है। इस दौरान एक निहंग सिख ने तलवार से दूसरे निहंग सिख पर हमला कर दिया। इस हमले में एक निहंग बुरी तरह से घायल हुआ है। निहंग की बाई कलाई पर गहरा घाव लगा है, जिसके बाद उसे चंडीगढ़ पीजीआई में इलाज के लिए भेजा गया है। बता दें कि दोनों निहंगों के बीच लड़ाई उस समय हुई जब सजा पूरी कर चुके -शेष पृष्ठ दो पर

किसानों को छोड़ धार्मिक पर्यटन पर शिंदे-फडणवीस : विपक्ष

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सत्तारूढ़ दल के अन्य नेताओं पर अपने संवैधानिक कर्तव्य को भूलकर अयोध्या के दौरे पर जाने का आरोप लगाया, खासकर ऐसे समय में जब राज्य में किसान खराब मौसम के कारण फसलों के नुकसान से जूझ रहे थे। एमवीए के सहयोगियों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि भगवान राम महाराष्ट्र के लोगों को अधर में छोड़ने के लिए मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को माफ नहीं करेंगे। शिंदे राम मंदिर में भगवान राम के दर्शन करने के लिए एक दिवसीय यात्रा पर रविवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या पहुंचे हैं। पिछले साल जून में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद यह उनकी पहली अयोध्या यात्रा है। उनके साथ हजारों समर्थक और डिप्टी सीएम फडणवीस भी थे। शिंदे सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

फर्जी और झूठी खबरों पर लगाम कसना जरूरी : रिजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने रविवार को कहा कि फर्जी और झूठी खबरों की पहचान से संबंधित नियमों में संशोधन परामर्श प्रक्रिया के तहत है लेकिन इन्हें लागू करने से पहले काफी विचार-विमर्श की जरूरत है। कानूनी सहायता कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि हम पूरी चुनाव प्रक्रिया में कुछ खास संशोधन करने पर विचार कर रहे हैं। मैं कोई वादा नहीं कर सकता क्योंकि यह परामर्श प्रक्रिया है जो जारी है। इसलिए फर्जी खबरें, झूठी खबरें और तथ्यों के साथ छेड़छाड़...ये -शेष पृष्ठ दो पर

स्टीव जॉब्स, जुकरबर्ग, ओबामा और विराट की सूची में लवलीना भी

नैनीताल (हि.स.)। महिला विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय मुक्केबाज लवलीना बरगोहाईं ने अपने स्वर्ण पदक जीतने वाले *गोल्डन पंच* का श्रेय बाबा नीब करौरी को दिया है। इस प्रकार भारतीय मुक्केबाज लवलीना भी स्टीव जॉब्स, मार्क जुकरबर्ग, ओबामा और विराट कोहली जैसे उन विशेष शख्सियतों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने अपने बुरे वक्त में बाबा नीब करौरी को याद किया और उन्हें बाबा की कृपा से बड़ी सफलता मिली। बाबा नीब करौरी के दर्शनों के लिए नैनीताल पहुंचीं लवलीना ने खुद बताया किया कि महिला विश्व चैंपियनशिप के दौरान उन्होंने बाबा नीब करौरी से अपनी जीत की मन्नत मांगी थी और स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनके कैंची धाम आने का वादा किया था। इसलिए ही वह यहां आई हैं। लवलीना आज 9 अप्रैल को कैंची धाम बाबा नीब करौरी के दर्शन करने पहुंची हैं। कैंची धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच उन्होंने आम श्रद्धालु की तरह बाबा नीब करौरी की बैठी मुद्रा में कंबल औढ़े जीवंत सी नजर आने वाली मूर्ति और समाधि के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि लवलीना ने महिला विश्व चैंपियनशिप के 70-75 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय हैं। लवलीना ने ऑस्ट्रेलिया की कैटलिन पार्कर को जजों की समीक्षा में 4-3 से पराजित किया। इससे पहले वह विश्व चैंपियनशिप में 2018 और 2019 में कांस्य पदक ही जीत पाई थीं। जबकि पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों में 66 से 70 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में ही हारकर बाहर हो गई थीं। जबकि इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। यानी वह इन दिनों बुरे दौर से गुजर रही थीं। लवलीना की कड़ी मेहनत और इस सफलता के पीछे नैनीताल के अभिषेक साह का भी योगदान रहा है। अभिषेक लवलीना को गुवाहाटी में इंटरमीडिएट ट्रेंनिग के दौरान कोचिंग दे चुके हैं। उन्होंने पहले ही विश्वास जताया था कि वह देश के लिए महिला विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीत सकती हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय कोच और पूर्व में साई सेंटर गुवाहाटी में असिस्टेंट कोच -शेष पृष्ठ दो पर

सीआरपीएफ परीक्षा सिर्फ हिंदी-अंग्रेजी में है घोर भेदभाव : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की भर्ती परीक्षा सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी में कराए जाने के फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। सीएम एमके स्टालिन ने इस फैसले को *घोर भेदभाव* करने वाला बताया है। उन्होंने पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि वह सीआरपीएफ की भर्ती परीक्षा में तमिल और अन्य राज्य भाषाओं को शामिल करने के लिए हस्तक्षेप करें। एमके स्टालिन ने अमित शाह को ट्वीट कर कहा कि सीआरपीएफ की भर्ती परीक्षा केवल अंग्रेजी और हिंदी में कराना *एकतरफा और घोर भेदभाव* करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह फैसला तमिलनाडु के उम्मीदवारों को परीक्षा देने से रोक सकता है, उम्मीदवार अपनी स्थानीय भाषा में परीक्षा देने में असमर्थ हैं। स्टालिन ने कहा कि इस फैसले से उम्मीदवारों के संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। मैं माननीय अमित शाह से अपील करता हूं कि वह सीआरपीएफ के इस फैसले में हस्तक्षेप करें और अधिसूचना को संशोधित कराएं। सीएम स्टालिन ने कहा कि परीक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

करीमगंज में लाखों का याबा टैबलेट्स जब्त

करीमगंज (असम) (हिंस)। करीमगंज जिला के बदरपुर पुलिस ने आज भारी मात्रा में लाखों रुपए का नशीला याबा टैबलेट्स जब्त किया है। बदरपुर में कल रेलवे पुलिस ने जहां भारी मात्रा में गांजा बरामद किया था, वहीं आज (रविवार) की तड़के बदरपुर पुलिस ने अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में नशीला याबा टैबलेट्स जब्त किया है। याबा गोलियां बदरपुर के शातिर ड्रग्स तस्कर दिलावर हुसैन (कुटी) के पास से भारी मात्रा में जब्त की गईं। इस बीच पुलिस की लापरवाही का फायदा उठाते हुए तस्कर मौके से भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने कुटी के बैग की तलाशी ली तो उसमें से कुल 110 पैकेट्स याबा टैबलेट्स बरामद किया। पुलिस ने मीडिया को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शहरी परिवहन के लिए व्यापक योजना की जरूरत : संसदीय समिति

नई दिल्ली। देश के ज्यादतर शहर सड़कों पर जाम और ट्रैफिक से संबंधित तमाम अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, लिहाजा शहरी परिवहन के लिए व्यापक योजना बनाने की जरूरत है। एकीकृत शहरी परिवहन योजना से ही एक प्रभावी, सुविधाजनक और तीव्र आगाममन का ढांचा तैयार हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ संसद की एक स्थायी समिति ने इस पर चिंता भी जताई है कि जरूरत और व्यवहार्यता को लेकर पूरा अध्ययन किए बिना शहरों के लिए मेट्रो परियोजनाओं की घोषणा करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती जा रही है। इस प्रवृत्ति के तहत न तो यह देखा जाता है संबंधित शहर में आबादी का घनत्व क्या है, वह कितना बड़ा या छोटा है अथवा मेट्रो की वहां कितनी जरूरत है। इसका नतीजा यह होता है कि न तो घोषणा पर सही तरह अमल हो पाता है और न संसाधनों का समुचित इस्तेमाल हो पाता है। इसके चलते वे तमाम कीमती संसाधन व्यर्थ हो जाते हैं, जिनका कहीं और उचित तरीके से उपयोग हो सकता था। संसदीय समिति के ये निष्कर्ष इसलिए और अधिक अहम हैं, क्योंकि शहरों में परिवहन का

ढांचा सुधारना दशकों से एक बड़ी चुनौती रहा है। अपर्याप्त बसें, सार्वजनिक परिवहन की बेतरतीब स्थिति, यात्रियों की सुविधाओं और जरूरतों की अनदेखी ने शहरों में आवागमन को टैंपो-टैक्सी के हवाले कर दिया है। देश में कुल वाहनों के बेड़े में बसों की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम बनी हुई है। परिवहन के लिए अधिक सुविधाजनक और पर्यावरण से लेकर लागत तक हर लिहाज से अधिक फायदेमंद मानी जाने वाली बसों की संख्या बढ़ाने की तमाम घोषणाएं पूरी नहीं हुईं। इस पृष्ठभूमि में समिति ने शहरी कार्य मंत्रालय से कहा है कि अर्बन ट्रांसपोर्ट प्लानिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग योजना की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। समिति ने मंत्रालय से सिफारिश की है कि वह 31 मार्च को समाप्त हुई इस योजना की समीक्षा करे और उसे विस्तार देने पर विचार करे। सार्वजनिक बस परिवहन को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट भाषण में 18 हजार करोड़ रुपए की एक नई योजना की घोषणा की थी। यह कहा गया था कि योजना के तहत पीपीपी माडल के नए तौर-तरीकों को लागू करने की कोशिश की जाएगी ताकि 20000 से अधिक बसों के लिए फाइनेंस, अधिग्रहण, संचालन और रखरखाव में निजी क्षेत्र को अवसर मिल सके। यह योजना अभी तक परवान नहीं चढ़ सकी। हालांकि संसदीय समिति ने कम से कम अपनी दो रिपोर्टों में इस योजना की प्रगति के बारे में न केवल सवाल किया, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू करने की सिफारिश भी की। शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार प्रस्तावित योजना का ड्राफ्ट कैबिनेट नोट मंजूरी के लिए मई, 2022 में वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया था और इसे कभी भी कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। वित्त मंत्रालय ने ड्राफ्ट नोट पर अपनी सहमति दिसंबर में दे दी है। कैबिनेट को इस पर फैसला करना है कि इस योजना के तहत केवल इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी या डीजल और इलेक्ट्रिक, दोनों।

आदिवासी समाज के जीवन से सीखना चाहिए : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री *द एलीफेंट व्हिस्पर्स* के प्रमुख किरदार बोमन और बेली जोड़े से मिले। बाद में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें आदिवासी समाज के जीवन और परंपरा से कुछ ना कुछ जरूर सीखना चाहिए।प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस मुलाकात की तस्वीरें साझा की गई हैं। प्रधानमंत्री ने रविवार को अवैध शिकार और वन्य जीव व्यापार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कर्नाटक में *इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस* की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का दौरा किया। यहां उन्होंने महावतों के साथ बातचीत की। बोमन और बेली की द एलीफेंट व्हिस्पर्स को 95वें अकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार मिला है। 41 मिनट की यह लघु डॉक्यूमेंट्री एक अनाथ हाथी रघु और उसके देखभाल करने वाले बोमन और बेली नाम के महावत युगल के बीच के संबंधों की पड़ताल करती है। वे उसे शिकारियों से बचाने और पालने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि द एलीफेंट व्हिस्पर्स को मिला ऑस्कर नेचर और क्रिएचर के बीच अद्भुत संबंधों की हमारी विरासत को दर्शाता है। मिशन लाइफ लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट के विजन को समझने में भी आदिवासी समाज की जीवन शैली से बहुत मदद मिलती है। उनका आग्रह है कि हमारे आदिवासी समाज के जीवन और परंपरा से कुछ न कुछ जरूर हम अपने देश अपने समाज के लिए लेकर के जाएं।

कोरोना का घटा आंकड़ा, ठीक होने वालों की दर 98.74 फीसदी

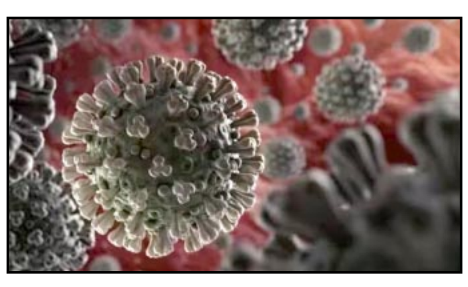

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 5,357 नए मामले सामने आए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 32,814 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह 8 बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में संक्रमण से 11 और मरीजों के दम तोड़ने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5,30,965 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, मरने वालों में गुजरात के तीन, हिमाचल प्रदेश के दो और बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा तथा उत्तर प्रदेश के एक-एक मरीज शामिल हैं। इसके अलावा, केरल ने संक्रमण से मौत के मामलों का पुनर्मिलान करने के बाद मृतकों की सूची में एक और मामला जोड़ा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,47,56,616 हो गई है। वेबसाइट के अनुसार, भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल संक्रमितों का 0.07 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से ठीक होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है।

अमूल के विरोध में उतरा होटल एसोसिएशन

बेंगलुरू। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। चुनावों के बीच अमूल के प्रोडक्ट्स को लेकर राज्य में नया विवाद पैदा हो गया है। अमूल ने कर्नाटक के बाजारों में दूध और दही जैसे प्रोडक्ट्स बेचने का फैसला किया है, जिसका ब्रुहत बेंगलुरु होटल एसोसिएशन ने विरोध किया है। साथ ही विपक्ष ने भी इस विवाद को राजनीति में बदल दिया है। ब्रुहत बेंगलुरु होटल एसोसिएशन ने शहर के होटलों से अमूल के प्रोडेक्टस इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। एसोसिएशन ने कहा है कि सभी होटल स्थानीय ब्रांड नंदिनी के प्रोडेक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। एसोसिएशन के अध्यक्ष पी सीराव ने सभी होटल मालिकों से कहा है कि वह कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के डेयरी ब्रांड नंदिनी का इस्तेमाल करें और डेयरी किसानों को अपना समर्थन दें। अंग्रेजी वेबसाइट इंडियान एक्सप्रेस से बातचीत में पीसी पाव ने कहा कि हम अमूल के खिलाफ नहीं है, लेकिन कर्नाटक में अब उनके दूध-दही जैसे प्रोडेक्ट्स बेचने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। इससे हमारे नंदिनी ब्रांड को नुकसान हो सकता है। नंदिनी के दूध और दही प्रोडक्टस का ही इस्तेमाल होना चाहिए। क्योंकि राज्य के डेयरी किसानों विशेषकर महिलाओं के हितों की रक्षा करना एसोसिएशन की सामाजिक जिम्मेदारी है। एसोसिएशन ने अब अमूल के प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाने का भी फैसला किया है। इसको लेकर एसोसिएशन जल्द ही मालिकों के साथ बैठक करेगा। बताया जा रहा है कि राज्य में नंदिनी के दूध की कीमत 39 रुपए है, जबकि अमूल के दूध की कीमत 72 रुपए प्रति लीटर है। इस मामले पर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। जेडीएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि अमूल के प्रोडक्ट्स के जरिए अब नंदिनी ब्रांड को नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। सिद्धारमैया ने कहा कि पहले ही आप कर्नाटक के लोगों से बैंक, बंदरगाह और हवाई अड्डों को चुरा चुके हैं। अब आप नंदिनी ब्रांड को चुराने की कोशिश कर रहे हैं? युवाओं को एक साल में दो करोड़ नौकरी देने के बजाय आपने नौकरियां छीन लीं। विवाद को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि अमूल के प्रोडक्ट्स पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। नंदिनी के प्रोडक्ट्स दूसरे राज्यों में भी बिकते हैं। हम राज्य में अमूल की एंट्री को नहीं रोकेंगे।

पूसीरे की माल अनलोडिंग में 6.71 प्रतिशत वृद्धि दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) माल अनलोडिंग में लगातार वृद्धि दर्ज कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 14680 मालवाही रेक अनलोड किए गए थे। यह वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 6.71 प्रतिशत अधिक है। मार्च, 2023 के दौरान 1352 मालवाही रेक अनलोड किए गए थे। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि पूसीरे ने इस महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, फल-सब्जी, ऑटो, टैंक, कंटेनर और अन्य वस्तुओं का परिवहन किया और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया। मार्च, 2023 के दौरान, असम में मालगाड़ियों के 734 रेक अनलोड किए गए थे, जिनमें से 341 आवश्यक वस्तुओं से लदे हुए थे।

युवाओं को मिलेंगे उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अच्छी शिक्षा ही बेहतर भविष्य की नींव होती है। राजीव गांधी वेलफेयर सोसायटी द्वारा शुरू *एक पहल इंडिया* कार्यक्रम प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि निशुल्क कोचिंग के लिए राज्य सरकार के साथ संस्थाओं की भागीदारी से युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। युवाओं के मार्ग प्रशस्त करने के लिए राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्णय ले रही है। गहलोत रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस से राजस्थान विश्वविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस प्री-एंट्री ट्रेनिंग सेंटर (एपीटीसी) सेंटर में राजीव गांधी वेलफेयर सोसायटी द्वारा निःशुल्क सैटेलाइट कक्षाओं के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश का भविष्य युवाओं पर है। इसलिए युवाओं के सर्वांगीण विकास में राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में 30 हजार युवाओं को निःशुल्क कोचिंग, राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस में 500 विद्यार्थियों को विदेश में निःशुल्क उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जब वे विदेश से पढ़कर आएंगे और नौकरी प्राप्त करेंगे तो प्रदेश का श्रेष्ठ मानव संसाधन साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में अब पहले जैसी स्थिति नहीं रही। अब शिक्षा सहित हर क्षेत्र में चहुमुंखी विकास हो रहा है। वर्ष 1998 में जब पहली बार मुख्यमंत्री बना, उस समय मात्र 6 विश्वविद्यालय थे। अब 91 हो चुके हैं। इस कार्यकाल में ही 303 महाविद्यालय शुरू किए गए हैं। इनमें करीब 130 कन्या महाविद्यालय हैं। महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी विद्यालयों को लेकर भी प्रदेशभर में उत्साह है। इस बजट में एक-एक हजार ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विद्यालय खोलने की घोषणा की गई है। हर ब्लॉक में डिजिटल लाइब्रेरी तैयार की जा रही है। ग्राम पंचायत स्तर पर कक्षा 12वीं तक के विद्यालय शुरू करने का बड़ा निर्णय लिया है। इससे गांवों के विद्यार्थियों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। खिलाड़ियों को आउट आफ टर्न नियुक्तियों और स्टार्टअप्स को योजनाओं से प्रोत्साहित कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि प्रथम चरण में रक्षाबंधन पर्व से 40 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के तहत महिलाओं और किशोरियों को प्रतिमाह निःशुल्क 12 सेनेटरी नैपकिन वितरित कर रहे हैं। महिलाएं संकोच नहीं करें। गहलोत ने राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए युवाओं से आह्वान किया। वंचित वर्ग को योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभ पहुंचाने में सहयोग करें। सोसायटी के फाउंडर श्री देव अमित ने बताया कि हमारी पहल में सैटेलाइट के जरिए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। इसमें आईएएस, आरएएस, प्रोफेसर सहित विषय विशेषज्ञ कक्षा लेंगे। समस्त राज्यवित्त पोषित विश्वविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में लगभग 40 लाख छात्रों को लाभान्वित किया जाएगा। निःशुल्क पुस्तकों का वितरण भी करेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

पता दो बिस्किट ...

ट्वीट में कहा कि यह हमारी शालीनता थी की हमने आपसे बोफोर्स और नेशनल हेराल्ड पर नहीं पूछा कि आपने घोटालों से अपराध की आय कहां छुपाया है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कोई नहीं हम आपसे कोर्ट में मिलेंगे। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट में कहा कि हिमंत *लुइज बर्जर* शर्मा अपनी खोखली धमकियां अपने पास रखिएज् और अपना पता भेज दीजिए हम आपका पसंदीदा बिस्किट कुरियर कर देते हैं। उन्होंने इस तरह का जवाब हिमंत शर्मा के ही एक बयान पर दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा जॉइन करने से पहले राहुल गांधी के साथ आखिरी मुलाकात को याद किया था। हिमंत शर्मा 2015 में राहुल गांधी से आखिरी बार मिलने पहुंचे थे, जहां पार्टी के और भी कई नेता मौजूद थे। शर्मा ने दावा किया था कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उसी थाली में बिस्किट खाया, जहां से राहुल गांधी का कुत्ता पिडी भी बिस्किट खा रहा था। राहुल गांधी नेताओं की बात सुने बिना अपने कुत्ते के साथ खेल रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक विस्फोटक ट्वीट किया था। उन्होंने एक ग्राफिक्स साझा की जिसमें पांच अक्षरों वाले अडाणी के नाम के साथ गुलाम, सिंधिया, किरण, हिमंत और अनिल लिखा। मसलन, गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरण रेड्डी, हिमंत विश्व शर्मा और अनिल एंटनी कांग्रेस छोड़ चुके हैं। इनमें सिंधिया केंद्र में एविएशन मिनिस्टर हैं और हिमंत शर्मा असम के सीएम और भाजपा के उत्तर पूर्व में ब्रांड नेता बने हुए हैं।

परेश बरुवा कभी...

केंद्र सरकार ने एनएससीएन आईएनए के साथ चर्चा की है, उसी तरह एक मध्यस्थ को शामिल करके राज्य के हित में परेश बरुवा के साथ वार्ता की जानी चाहिए। यह वार्ता मीडिया या टेलीफोन के माध्यम से नहीं हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह मध्यस्थ के रूप में नहीं रहेंगे। क्योंकि, चूंकि वह एक समय संगठन में थे, इसलिए असम सरकार को मध्यस्थ के रूप में एक अनुभवी व्यक्ति के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पूर्व अल्फा सदस्यों का सम्मेलन शनिवार से शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में आयोजित किया जा रहा है। विधायक पृथ्वीराज राभा ने आज (रविवार) सम्मेलन के दूसरे दिन सांस्कृतिक शोभायात्रा का शुभारंभ किया। यहीं पर अल्फा के वरिष्ठ सदस्य अनूप चेतिया ने खालिस्तानी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को धमकी देने का मुद्दे बात करते हुए कहा कि इस तरह से धमकाया नहीं जाना चाहिए और यह सिखों की गलतफहमी थी। अल्फा के सम्मेलन में पूर्व सदस्यों और केंद्र सरकार के साथ जारी शांति वार्ता को लेकर चर्चा की जा रही है।

पीएम 14 को चांगसारी ...

मुख्यमंत्री ने बताया कि एम्स का 85 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है। एम्स के निर्माण पर 1,123 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हर साल 100 छात्र चिकित्सा विषय का अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री आयुष्मान असम योजना के तहत एक करोड़ 10 लाख लोगों के लिए कार्ड जारी करेंगे। उस दिन प्रधानमंत्री प्रतीकात्मक रूप में कार्ड जारी करेंगे। आईआईटी गुवाहाटी और असम सरकार के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार मॉडल नामक संस्थान का उद्घाटन एम्स से ही किया जाएगा। प्रधानमंत्री दोपहर 1.45 बजे गौहाटी हाई कोर्ट के समापन समारोह में भी शामिल होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री कोइनाधारा जाएंगे। प्रधानमंत्री शाम 4.45 बजे सोरूसजाई पहुंचेंगे। सोरूसजाई पहुंचने के बाद 11 हजार बिहुवा और बिहुवतियां (बिहू नृत्य कलाकार) प्रधानमंत्री के सामने बिहू नृत्य प्रस्तुत करेंगी। 15 मिनट तक बिहू प्रदर्शित किया जाएगा और इसके माध्यम से एक विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रधानमंत्री सोरूसजाई से नामरूप की मेथेनॉल परियोजना का भी उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना में असम सरकार का 51 प्रतिशत और ओआईएल का 49 प्रतिशत निवेश होगा। प्रधानमंत्री 100 करोड़ रुपए की लागत से रंगघर के सौंदर्यीकरण योजना का भी शुभारंभ करेंगे। दोनों कार्यक्रमों के बाद प्रधानमंत्री ब्रह्मपुत्र पर पलाशबाड़ी-शुआलकुची को जोड़ने वाले फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की आधारशिला रखेंगे।

निहंगों में खूनी ...

सिखों की रिहाई को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा का प्रदर्शन चल रहा था। संगठन के जिन सदस्यों की सजा पूरी हो गई है उसकी रिहाई की मांग की जा रही थी। इस दौरान दो निहंगों में कहासुनी हुई और बात इतनी बढ़ी की एक निहंग ने दूसरे पर हमला कर दिया। बता दें कि इस हिंसक झड़प में कई अन्य लोगों के घायल होने की खबर भी है। जानकारी के मुताबिक जिस समय से हमला हुआ उस समय प्रदर्शन में कई निहंग उपस्थित थे। झड़प होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने दोनों को शांत करने की कोशिश की। हालांकि दोनों पर अन्य निहंगों द्वारा समझाए जाने का कोई फर्क नहीं पड़ा। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मामले में अब तक किसी तरह का मामला दर्ज नहीं किया है। पुलिस को जांच में पता चला है कि हमला करने वाला शख्स मेला सिंह है। पुलिस ये भी पता करने में जुटी है कि दोनों के बीच किस मामले को लेकर बहस हुई है। पुलिस का कहना है कि अभी तक पीड़ित का बयान दर्ज नहीं हुआ है। उसके द्वारा बयान दिए जाने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

किसानों को छोड़ ...

पर निशाना साधते हुए राकांपा प्रवक्ता महेश तापसे ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण महाराष्ट्र के कई हिस्सों में कृषि उपज को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अंगूर, काजू, संतरा, केले, आम जैसे फलों को नुकसान पहुंचा है और इससे किसान परेशान हैं तापसे ने कहा कि महाराष्ट्र के किसान तबाह हो गए हैं और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, अन्य मंत्री, विधायक और उनकी पार्टियों के कार्यकर्ता अयोध्या गए हैं। उन्होंने परेशान किसानों को पीछे छोड़ दिया है उनका कोई सहारा नहीं है। राकांपा नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे भगवान राम का उदाहरण देते हैं लेकिन वे प्रकृति के प्रकोप से प्रभावित लोगों के साथ खड़े होने के अपने कर्तव्य को भूलकर विशुद्ध रूप से राजनीतिक कारणों से अयोध्या गए हैं। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंधे ने कहा कि भगवान राम मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अयोध्या दौरे का *आयोजन* करने के लिए कभी माफ नहीं करेंगे, ऐसे में जब राज्य में किसान बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण गंभीर स्थिति में हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के किसानों को अधर में छोड़ दिया है और उसके नेता *धार्मिक पर्यटन* पर हैं।

फर्जी और झूठी ...

सभी महत्वपूर्ण बातें हैं जिन पर काफी चर्चा की जरूरत है। हम वह कर रहे हैं। इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गुरुवार को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश एवं डिजिटल मीडिया नैतिक संहिता) संशोधन नियमावली 2023 अधिसूचित की है। भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्ष में एकता संबंधी नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के आह्वान पर केंद्रीय मंत्री रिजीजू ने कहा कि यह बस सत्तारूढ़ दल की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि भाजपा बहुत मजबूत है। जब उनसे पूछा गया कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव कब होंगे, रिजीजू ने कहा कि यहां तारीखों को लेकर मैं कुछ नहीं बता सकता। क्योंकि मैं कानून एवं न्याय मंत्री हूं। इसलिए मैं यहां कोई घोषणा नहीं कर सकता। चुनाव की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

बाघ के आंकड़े ...

प्रवृत्ति बाघ के साथ-साथ अन्य जानवरों की रक्षा के लिए भी अधिक प्रयास करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हैं। यही हमारी संस्कृति भी हमें सिखाती है। उन्होंने कहा कि बांदीपुर और मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के एक यादगार दौरे का समापन हुआ। इस अवसर पर वे सभी वन अधिकारियों, गार्डों, टाइगर रिजर्व फ्रंटलाइन कर्मचारियों और बाघ संरक्षण में काम करने वाले सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करते हैं।

स्टीव जॉब्स, जुकरबर्ग, ...

रहे अभिषेक ने बताया कि 2014 से 2019 के बीच पांच वर्ष लवलीना को उन्होंने इंटरमीडिएट यानी माध्यमिक स्तर की कोचिंग दी है। उनमें काफी क्षमताएं हैं। वह शिवा थापा और मैरीकॉम के क्षेत्र से आती हैं। उल्लेखनीय है कि अभिषेक नगर के तल्लीताल के निवासी हैं। उनके पिता दीप लाल साह जिला न्यायालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वह देश के लिए खेलते हुए जर्मनी भी गए। उनकी यूपी पुलिस में नौकरी भी लग गई थी, लेकिन वह नौकरी छोड़ साई यानी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया से जुड़े। वर्तमान में वह साईं के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रोहतक में बॉक्सिंग कोच है। उन्होंने अपना बॉक्सिंग कैरियर 1996 में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून से शुरू किया था। यहां से निकलने वाले अभिषेक पहले अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे। वह ऑल इंडिया इंटर युनिवर्सिटी के गोल्ड मेडलिस्ट भी रह चुके है। उन्होंने 3 बार एलाइट नेशनल चैंपियनशिप में भी पदक जीते है। वह 2008 में नेशनल कैम्प के कोर ग्रुप में भी भागीदारी कर चुके हैं। कैंची धाम में श्रद्धालुओं के भारी संख्या में उमड़ने से हालात डरावने नजर आ रहे हैं। यहां खासकर सुबह के समय मंदिर के गेट खुलने से पहले ही श्रद्धालु भारी संख्या में संकरे पुल पर एकत्र हो रहे हैं। इससे कभी कोई भगदड़ मचने जैसी स्थिति से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा पुल के पास श्रद्धालु नीचे उत्तरवाहिनी शिप्रा नदी में उतरकर नदी में नहा भी रहे हैं। यह प्रवृत्ति बढ़ने पर आगे जानलेवा भी साबित हो सकती है। इन अव्यवस्थाओं को रोकने के लिए कैंची धाम में अभी पर्याप्त पुलिस व प्रशासनिक व्यवस्थाओं की कमी भी बुरी तरह से खल रही है। इन स्थितियों को सुधारने की आवश्यकता है।

सीआरपीएफ परीक्षा सिर्फ ...

आयोजित करने वाला यह फैसला तमिल उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी लेने से रोकने की तरह है। राज्य सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सीआरपीएफ में 9 हजार 212 पद खाली हैं, इनमें से 579 पदों को तमिलनाडु में भरा जाना है। सीआरपीएप की परीक्षा 12 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। बड़ी बात यह है कि 100 में से 25 नंबर सिर्फ उन उम्मीदवारों को मिलेंगे, जिनको हिंदी की बुनियादी समझ है। यानी इस फैसले का सबसे ज्यादा लाभ हिंदी भाषा के जानकार उम्मीदवारों को मिलेगा। विवाद का सबसे बड़े कारणों में से एक ये कारण भी है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब हिंदी और तमिल भाषा को लेकर सीएम स्टालिन और अमित शाह के बीच विवाद हुआ हो। इससे पहले पिछले साल सितंबर में भी सीएम स्टालिन ने अमित शाह के एक बयान पर आपत्ति जताई थी। गुजरात के सूरत में हिंदी दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा था कि हिंदी भाषा किसी की प्रतियोगी नहीं, बल्कि स्थानीय भाषाओं की सहयोगी है। अमित शाह के इस बयान पर स्टालिन ने कहा था कि आप देश को इंडिया की जगह हिंडिया न बनाएं।

स्वर्वेद भाष्य

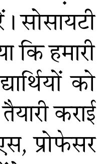

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

मन माया से अलग है, भेदी सन्त हमार।
चेतन उलट विराज में, शब्द अखण्ड अपार॥ 25॥

शब्दार्थ : (भेदी) अनुभव, योग, भेद, साधन-रहस्य को जानने वाला मर्मी (विराज) अमृतपुरी (अपार) जिसका पार नहीं।

भाष्य : मन-मण्डल से मेरे भेदिक संत अलग हैं। वे जड़ जगत से उलट कर, ऊर्ध्वमुख हो कर चेतन-महामंडल में अखण्ड सब्दानंद का आस्वादन करते हैं। जिस आनंद की कोई सीमा नहीं है। परमप्रभु अखण्ड, अव्यक्त, अनुभवगम्य एवं असीम है। सद्गुरु-भेद द्वारा अनुभव चेतन विज्ञान से सारशब्द परमरुपुष की प्राप्ति होती है।

माया प्रभु की शक्ति है, जन प्रभु का है दास।
शक्ति भक्त एक संग रहे, रक्षक है प्रभु पास॥ 26॥

शब्दार्थ : (माया) प्रकृति (प्रभु) परब्रह्म (शक्ति) प्रभु के आधार पर चलने वाली शक्ति (जन) भक्त।

भाष्य : माया प्रभु की शक्ति है और भक्त प्रभु का दास है। शक्ति और भक्त एक साथ रहते हैं और दोनों की रक्षा करने वाला परमप्रभु पास हैं। जीव के सर्वरक्षक महाप्रभु है।

अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप के समापन समारोह में राज्यपाल ने लिया हिस्सा

राज्य में स्क्वैश को लोकप्रिय बनाने के लिए असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की सराहना की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज यहां शहर के आरजी बरुवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, उलुबारी में तीसरी अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप, 2023 के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि खेल व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देते हैं। यह व्यक्ति को अनुशासित भी बनाता है, जातियों के भेद को मिटाता है, टीम भावना का निर्माण करता है और व्यक्तियों में एकता की भावना को बढ़ाता है। कटारिया ने कहा कि स्क्वैश असम में लोकप्रिय हो गया, क्योंकि 2016 में गुवाहाटी में 12वें दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन किया गया था। खेलों को फैलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा चार अत्याधुनिक विश्व स्तरीय स्क्वैश कोर्ट बनाए गए थे। तब से एसोसिएशन कोचों और खिलाड़ियों के लिए नियमित प्रशिक्षण

आयोजित कर रहा है। राज्यपाल ने स्क्वैश के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करने वाली दीपिका पल्लीकल कार्तिक, जोशना चिनप्पा, सौरभ घोषाल जैसे खिलाड़ियों की भी सराहना की। कटारिया ने असम में स्क्वैश के खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन का गठन वर्ष 2010 में किया गया था और तब से यह असम में स्क्वैश को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और इसके लिए यह जूनियर, सीनियर, महिला, पुरुष सभी स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि तीसरी अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत के 24 राज्यों के 272 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। राज्यपाल ने कहा कि यह असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस तरह की चैंपियनशिप स्क्वैश के विकास के लिए एक जबरदस्त बूस्टर होगी, खासकर पूर्वोत्तर और असम में।

रोटरी का व्यवसायिक सम्मान समारोह संपन्न

गुवाहाटी। गत 8 अप्रैल को रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट द्वारा पान बाजार स्थित होटल पराग कॉन्टिनेंटल के हॉल में समाज के बीच विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए चार अतिविशिष्ट व्यक्तियों को वोकेशनल एक्ससेलेन्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सुनंदा दास को बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए चित्राली फुकन को व्यवसायिक शिक्षा, उद्यमी क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए पल्लवी नियोग बोरा को युवा एवं महिला सशक्तिकरण के लिए और भृगु गोस्वामी को विकलांग बच्चों के जीवन में परिवर्तन और खाश बदलाब के लिए प्रदान किया। सभी व्यक्तियों को गमोछा, प्रसस्ति पत्र रोटरी फोर वे टेस्ट, गिफ्ट हैम्पर और स्वीट्स पैकेट से किया गया। इससे पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री श्याम कानू महंता क्लब प्रेसिडेंट प्रेम कान्त चौधरी, असिस्टेंट गवर्नर बिभूती दत्ता, क्लब सचिव डॉ. जीता गोस्वामी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अपने अध्यक्षीय स्वागत

संबोधन में वोकेशनल एक्ससेलेन्स अवार्ड के महत्व को बताया तथा सभी सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दी। वोकेशनल चैयरपर्सन जीनामनी सर्मा बोरठाकुर ने उद्देश्य की व्याख्या की। असिस्टेंट गवर्नर बिभूती दत्ता ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का शुभकामना संदेश सुनाया और विजेताओं को बधाई दी। मुख्य अतिथि ने असम के बदलते हुए परिस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्य करने के लिए रोटरी क्लब को सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दिया। उन्होंने स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने में अहम भूमिका निभा कर समाज को नयी पहचान बनाने पर बल दिया। सभी विजेताओं ने अपनी क्रिया कलाप के बारे में बताया। आज इस विशेष कार्यक्रम में क्लब ने रोटेरियन डॉ. प्रोफेसर बिभाष चंद्र दास पुरकायस्थ जिनको आदर से भीष्म पितामह भी कहते हैं। पिछले इकतालीस बर्षो से रोटरी की अनवरत सेवा के लिए क्लब ने लाईफ टाइम अवार्ड के साथ चादर, दोपट्टा गमोछा प्रसस्ति पत्र से सम्मानित किया। आज क्लब बुलेटिन सराईघाट का भी विमोचन किया। डॉ. पुरकायस्थ ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान रोटरी के लिये है। इस अबसर होटल व्यवसाय के प्रमुख अरुण सर्मा जी को भी क्लब को समय समय पर सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इसके साथ ही रोंगाली बिहू गीत संगीत के साथ मौसमी सर्मा, जीता गोस्वामी और जयब्रत बैनर्जी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन दीपज्योति दास ने किया।

राजस्थान की धरती का भी मान रखूंगा : राज्यपाल कटारिया

गुवहाटी/होजाई (विभास)। मैं अपने कार्यों से निश्चित रूप से आप लोगों का सर गर्व से ऊंचा रखूंगा। मैं जिस धरती से आया हूं उस राजस्थान की धरती का मान भी रखूंगा। यह बातें असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन और पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के नवनिर्वाचित प्रांतीय पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात नागरिक अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि मैं मारवाड़ी समाज के पूर्वजों को नमन करता हूं जिन्होंने जिस समय यातायात का कोई भी साधन उपलब्ध नही था तब वह असम में आकर स्वयं भी खड़े हो गए तथा असम में उद्योग, व्यापार एवं सामाजिक गतिविधियों के द्वारा खड़ा कर दिया। हम जिस धरती से आए हैं उस धरती ने हमें पुण्य करना सिखाया है। जिस धरती पर हम कर्म कर रहे हैं उस धरती की संस्कृति, नीति नियम के साथ दूध में शक्कर की तरह मारवाड़ी अपने आप मिल जाते हैं। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवम पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के उन सभी पूर्व अध्यक्षो को भी में वंदन

करता हूं कि जिन्होने असम में सामाजिक गतिविधियां की शुरुआत कर मारवाड़ी समाज को एक सराहनीय दिशा प्रदान की है। इससे पहले मंच पर सम्मानीय अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर हरलालका, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के नव निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, निर्वाचित मंडल के उपाध्यक्ष सुशील गोयल मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष राम भट्टर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शपथ ग्रहण सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टर के अलावा नवनिर्वाचित प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराना, सम्मेलन के नव-निर्वाचित प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया मंच पर उपस्थित थे। सम्मेलन एवं युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष के स्वागत संबोधन के पश्चात सम्मेलन व युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण की कड़ी में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर हरलालका ने प्रांतीय पदाधिकारियों को कार्यकारिणी सदस्य के पद की शपथ दिलाई। मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण बजाज ने, मंडलीय उपाध्यक्ष को गुवाहाटी शाखा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष सिकरीया और कार्यक्रम संयोजक को राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टर, मंडल समन्वयक को उपाध्यक्ष प्रभात निमोदिया ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर आयोजित नागरिक अभिनंदन सत्र में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का गुवाहाटी गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका और मारवाड़ी हॉस्पिटल के अध्यक्ष रमेश गोयंका ने फुलाम गमछा, जापी और प्रशस्ति-पत्र देकर उनका अभिनंदन किया। राज्य की प्रथम महिला अनीता कटारिया का सरला काबरा, शारदा केडिया, मंच की प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया ने फुलाम गमछा से अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश जोशी का भी नागरिक अभिनंदन किया गया। इसके अलावा प्रवासी राजस्थानी प्रकोष्ठ के संयोजक राजू अग्रवाल का भी अभिनंदन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, उप समिति संयोजक एवं समिति सलाहकार और समन्वयक को कीट प्रदान कर लाल दुपट्टे से उनका अभिनंदन किया गया। युवा मंच की विभिन्न शाखाओं ने नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान का अभिनंदन किया। दूसरी ओर सम्मेलन के विभिन्न शाखाओं के उपस्थित प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश काबरा का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन नवनिर्वाचित प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक तथा मंच प्रांतीय प्रशिक्षण अकादमी के चेयरमैन युवा मंच राहुल अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण आतिथ्य शाखा की और से गुवाहाटी ग्रेटर के अध्यक्ष राम भट्टर, एवम सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष सुशील गोयल ने किया। इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के जनसंपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल ने दी।

नौ दिवसीय कार्यशाला में शिवेष पोद्दार ने बताए कई गुर

गुवाहाटी विभास)। वाक द टॉक द्वारा आयोजित नौ दिवसीय कार्यशाला में गुवाहाटी शहर के जाने-माने उभरते हुए मोटिवेशनल स्पीकर शिवेष पोद्दार ने युवाओं को कई गुर बताए। फैंसी बाजार स्थित जालान भवन में आयोजित कार्यशाला में साईनरजी एजुकेशन के मुख्य गौतम अग्रवाल ने भूरी-भूरी प्रशंसा की और कहा कि हमारे समाज के बच्चों को और अभिभावकों को इस तरह की कार्यशाला में भाग लेना चाहिए। क्योंकि बच्चे ही बच्चे के बात अच्छी तरह से समझ सकते हैं। इस मौके पर मनोज जालान ने कहा कि आज के समय में वाक चातुरता, नुक्कड़ नाटक जो यहां पर शिवेष द्वारा सिखाया गया है वह काबिले तारीफ है। शिवेष पोद्दार को भविष्य में ऐसी कार्यशाला और करते रहना चाहिए। युवा वक्ता शिवेष पोद्दार ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यशाला में 45 बच्चों ने भाग लिया और हरेक बच्चों व्यक्तिगत तौर पर उसकी निगरानी में तथा हरेक बच्चा आगे चलकर बेहतर करेगा। वह बिना रुके बिना हिचके बोल पाएंगे क्योंकि बच्चे-बच्चे की बात सुनते हैं। कार्यशाला में लायंस डिस्ट्रिक्ट 322 जी के वीडीजी (द्वितीय) पंकज पोद्दार, लायंस अनमोल अध्यक्ष रितु पोद्दार सहित अन्य लोग मौजूद थे। सभी बच्चों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

रामअवतार माहेश्वरी की जयंती पर स्मारिका का विमोचन

बरपेटारोड (विभास)। बरपेटा रोड ही नहीं असम के जाने माने शिक्षाविद स्वर्गीय रामअवतार माहेश्वरी की 75 वीं जन्मजयंती पर उनकी स्मृति में एक स्मारिका का विमोचन किया गया। स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में स्मारिका विमोचन के वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूर्व सभापति साहित्य सभा बरपेटा जिला के मुनीन्द्र नारायण गोस्वामी, पूर्वमुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के मिडिया सलाहकार रिशीकेष गोस्वामी, प्रांजित कुमार दास, गोहाटी कॉमर्स कॉलेज के अवकाशप्राप्त प्रधानाचार्य घनश्याम नाथ, अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी ओंकारमल केडिया, बरपेटा रोड पौरसभा के पौरपति राजेश सरकार, उपपौरपति श्रुती साहा, बीएच कॉलेज के प्रधानाचार्य भुषन पाठक, पूर्व प्रधानाचार्य रोमेंद्र कुमार दास, द्रोणाचार्य कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रदिप देवनाथ, बरपेटा रोड साहित्य सभा के सभापति हितेश दास, प्रशासनिक अधिकारी गयाप्रसाद अग्रवाला, श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के सभापति राधाकिशन चौधरी एंव भारी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिती दर्ज की गई। स्मारिका विमोचन कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर संजीव शर्मा द्वारा किया गया। पौरसभा के सभापति राजेश सरकार ने 5 नम्बर वार्ड में एक पथ का नामकरण स्वर्गीय राम अवतार माहेश्वरी के नाम पर करने की घोषणा की। स्मारिका में माननीय मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा सहित असम की विभीन्न गणमान्य विभुतियों द्वारा स्वर्गीय राम अवतार माहेश्वरी हेतु उद्गार व्यक्त किए गए। स्मारिका के संपादन में प्रोफेसर कविता गग्गड़ की अहम भुमिका दर्ज की गई। सभा के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव श्री हरिकिशन माहेश्वरी द्वारा ज्ञापित किया गया।

बाथरूम में मृत मिली महिला

गुवाहाटी। असम के दुलियाजान में न्यू डिरियल टी एस्टेट में अपने ही आवास के बाथरूम में एक महिला कथित तौर पर मृत पाई गई। मृतक की पहचान बसंती ग्वाला के रूप में हुई है, जिसने तीन महीने पहले ही राजीव ग्वाला से शादी की थी। रविवार तड़के बसंती को पुलिस ने शौचालय में मृत पाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है और राजीव ग्वाला और उसके पिता को पूछताछ के लिए ले गई है। इस घटना से इलाके के स्थानीय लोगों में कथित तौर पर हिंसा भड़क गई और कुछ उत्तेजित लोगों ने ग्वाला के आवास पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस जल्द ही मौके पर पहुंची और स्थिति को बेअसर कर दिया। इस घटना ने एक बार फिर देश और प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा के मुद्दे को उजागर किया है।

हरि कृपा गीता ग्रुप का हरि नाम पर परिचर्चा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। हरि कृपा गीता ग्रुप (ईस्कान) के सौजन्य से छत्रीबाड़ी स्थित माहेश्वरी भवन में सनातन नव वर्ष के उपलक्ष में हरीनाम पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में सर्व जिवेश्वरी माताजी एवं नीता शर्मा, मयूरी ओझा तथा सुमति विशाखा देवी दासी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर सुमति विशाखा दासी ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि सनातन नव वर्ष प्राचीन काल से चली आ रही एक धार्मिक व सामाजिक परंपरा है। जनवरी वाला नववर्ष पाश्चात्य संस्कृति की देन है। नव वर्ष चैत्र महीने में प्रारंभ होता है। चैत्र महीना सब महीनों का प्रमुख महीना है। सुमति विशाखा दासी ने आगे कहा कि वाणी में ऐसी शक्ति है, जो किसी को एक क्षण में बर्बाद कर देती है और किसी को एक क्षण में आबाद कर देती है। हरे कृष्ण की वाणी से हम इस शरीर को दिव्य बना सकते हैं। इस अवसर पर हरीकृपा गीता ग्रुप की सदस्योंओ ने इंटरनेट --मिशन सर्वनाश नामक एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करके यह समझाने की कोशिश की कि इंटरनेट में विद्यमान फेसबुक, व्हाट्सएप आदि मनुष्य के जीवन में एक ओर जहां सारी सुविधाएं प्रदान करता है। वहीं दूसरी ओर यह हमारी भावी पीढ़ी को बर्बाद भी करता है। सुविधा का उपयोग अच्छे कार्य के लिए ही करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में भगवान कृष्ण की भक्ति का उदाहरण देते हुए भी एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। जिसमें सभी दर्शकों को भक्ति से भावविभोर कर दिया। ग्रुप की सदस्य माता ने कृष्ण नृत्य भी प्रस्तुत कर हरे कृष्णा की ध्वनि से सभागार को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम में महिला मंगल, चेतना लेडीज क्लब, फिक्की लेडीज क्लब, कल्याण आश्रम महिला समिति, वन बंधु परिषद महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा व प्रगति शाखा, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग, जेसीआई गुवाहाटी के प्रतिनिधि महिलाएं भी उपस्थित थी। जिन्हें मंच पर बुलाकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को भगवत गीता की एक-एक प्रति एवं अन्य धार्मिक साहित्य की प्रतियां उपहार स्वरूप भेंट की गई। अंत में ईस्कान के एक भक्त मंडल ने हरे कृष्ण धुन गाकर सभी को भक्ति के रस में डुबो कर नृत्य करने को मजबूर कर दिया।

डॉ. सुमित अग्रवाल की उपलब्धियों से होजाईवासियों में खुशी की लहर

होजाई (विभास)। होजाई एक ओर जहां आर्थिक और समाजीक और राजनीतिक रूप से आगे बढता जा रहा है वही होजाई शहर में जन्में डॉ. सुमित अग्रवाल सुपुत्र महावीर राधा देवी सरावगी का पुत्र होने के साथ साथ होजाई वासियों के लिये गौरव कि बात है होजाई कि धरती पर जन्में डॉ. सुमित अग्रवाल ने जर्मनी की तरफ से भारत में आयोजित जी 20 सम्मेलन के ईटानगर एवं डिब्रूगढ़ में आयोजित समारोह में एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। डॉ. सुमित अग्रवाल जर्मनी से भाग लेने के लिए जी-20 सम्मेलन पर परिपत्र जैव-अर्थव्यवस्था (अनुसंधान नवाचार और पहल सभा) पर 24-25 मार्च

2023 में डिब्रूगढ़/इटानगर में आयोजित समारोह में पेश किया। ज्ञात हो कि डॉ. सुमित अग्रवाल वर्तमान में एक परियोजना प्रबंधक और वैज्ञानिक ब्राउनश्विक है, जो एक राष्ट्रीय मैट्रोलोजी संस्थान जर्मनी के संघीय गणराज्य का विभाग है। एक और होजाई के युवा और युवतियां जहा शिक्षा के नाम पर अपने समाज और माता पिता का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं होजाईवासियों को डॉ. सुमित अग्रवाल की उपलब्धियों पर नाज करते देखा जा रहा है एवं विभिन्न समजिक संस्थाओं द्वारा उनकी इस उपलब्धियों के लिए स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

सीआरपीएफ के 75वें बटालियन, रानी कामरूप ने मनाया शौर्य दिवस

गुवाहाटी। सीआरपीएफ 75 बटालियन, केरिपु बल, रानी, कामरुप (असम) में शौर्य दिवस दिनांक 09/04/2023 को 475वीं वाहिनी, रानी, क्रामरुप (असम) में शौर्य दिवस बटालियन के अधिकारीयों एवं जवानों द्वारा अपार हर्पोल्लास से मनाया गया। 9 अप्रैल 965 के दिन रन ऑफ कच्छ (गुजराज) में स्थित केरिपु बल द्वारा सुरक्षा की जा रही सरदार और टॉक पोस्ट पर पाकिस्तानी सेना की एक विग्रेड द्वारा किए गए अचानक हमले को केरिपु बल के जवानों द्वारा बहादुरी एवं साहस के साथ्र विफल करने की याद में मनाया जाता है। शौर्य दिवस के अवसर पर 575वीं बटालियन के कमांडेंट, राजीव कुमार झा द्वारा क्वार्टर गार्ड पर ध्वजारोहण किया गया, तत्पश्चात सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री राजीव कुमार झा ने जवानों को बताया कि रन ऑफ कच्छ के सरदार व टॉक पोस्ट की सुरक्षा हेतु तैनात एक छोटी सी टुकड़ी द्वारा किस प्रकार 9 अप्रैल 965 के दिन अदम्य साहस व

पराक्रम का परिचय देते हुए 42 घंटे तक पाकिस्तानी सेना की विग्रेड का वीरता से मुकाबला करते हुए उन्हें युद्ध क्षेत्र से भागने को विवश किया जो सैन्य इतिहास में एक अनूठी वीर गाथा है। सैनिक सम्मेलन में वीरता पदक प्राप्त अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवानों के पराक्रम की गाथा बताते हुए उन्हें सम्मानित किया गया । तत्पश्चात राष्ट्रीय एकता व अखण्डता विषय पर आधारित निबंध लेखन व पेटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। दोपहर में यूनिट में खेलकूद का आयोजन किया गया। शाम को एक शाम वीरों के नाम पर बटालियन के जवानों द्वारा एक शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में 75वीं बटालियन के कमांडेंट द्वारा निबंध लेखन, पेटिंग तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त केरिपु बल के शहीदों के प्रति सम्मान के स्वरुप 75वीं बटालियन के क्षेत्राधिकारी में आने वाले शहीद केरिपु बल के कार्मिकों के गृह निवास में उनकी प्रतिमा/फलक पर बटालियन के प्रतिनिधि द्वारा माल्यार्पण किया गया तथा शहीदों के परिवार को सम्मानित किया गया व उनकी समस्याओं, परेशानियों को सुना गया। इस अवसर पर यूनिट के सभी मेसों में बड़े खाने का आयोजन किया गया जिसमें कार्मिकों के परिवारजन भी विशेष रुप से आमंत्रित थे। इस दिवस पर आयोजित समस्त कार्यक्रमों में श्री केएल धीमान (द्वितीय कमान अधिकारी), रवि कुमार श्रीवास्तव (उप कमांडेंट), श्री अब्दुल रहीम (उपकमांडेंट), डॉ. दीसी बुरले (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) के अतिरिक्त यूनिट के तमाम अधीनस्थ अधिकारीगण तथा जवान उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस का किया शुभारंभ

नई दिल्ली,(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बाघों की स्टेटस रिपोर्ट जारी की और घोषणा की कि देश में इस समय 3167 बाघ हैं। इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) इन प्रजातियों को शरण देने वाले आसपास के देशों की सदस्यता के साथ दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्लियों, अर्थात- बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता के संरक्षण और रक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने जुलाई 2019 में वैश्विक नेताओं के एलायंस का आह्वान किया था ताकि एशिया में अवैध शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार पर सख्ती से अंकुश लगाया जा सके। प्रधानमंत्री के संदेश को आगे बढ़ाते हुए एलायंस की शुरूआत की जा रही है। प्रधानमंत्री ने 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव' कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मोदी ने 'बाघ संरक्षण के लिए अमृतकाल का विजन', टाइगर रिजर्व के प्रबंधन प्रभावी मूल्यांकन के 5वें चक्र की सारांश रिपोर्ट का विमोचन किया। बाघों की संख्या की घोषणा

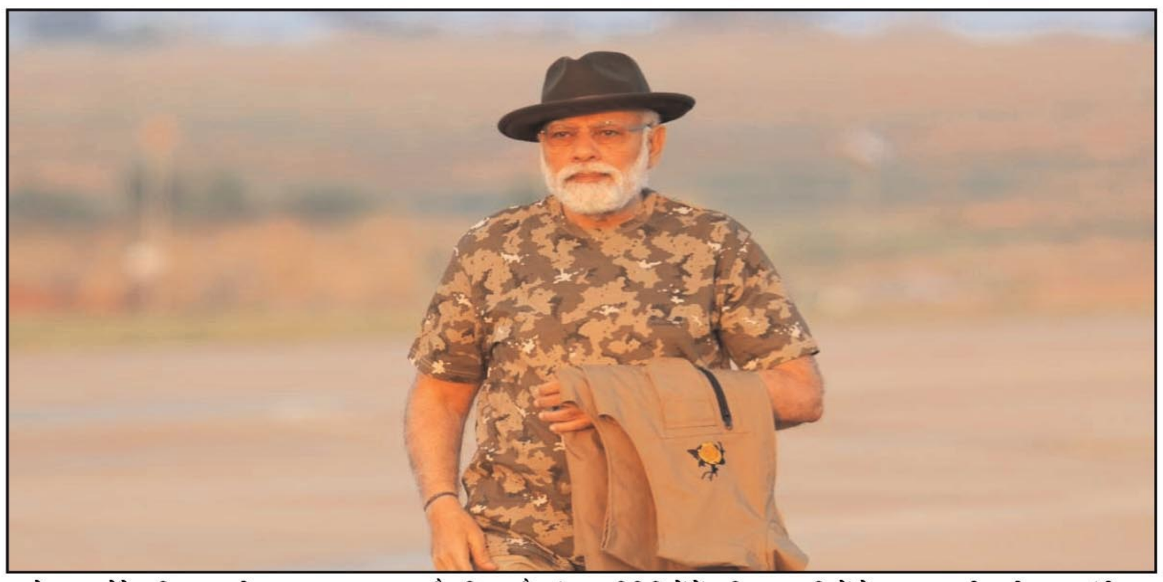

करते हुए उन्होंने अखिल भारतीय बाघ अनुमान (5वां चक्र) की सारांश रिपोर्ट जारी की। प्रधानमंत्री ने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सुबह बांदीपुर टाइगर रिजर्व का दौरा किया और संरक्षण गतिविधियों में शामिल फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ और स्वयं सहायता समूहों के साथ बातचीत की। मोदी ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू एलीफेंट कैंप का भी दौरा किया और एलीफेंट कैंप के महावतों और कावड़ियों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री बाघ अभयारण्यों के फील्ड निदेशकों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने हाल ही में संपन्न प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन अभ्यास के 5वें चक्र में सर्वोच्च स्कोर किया है।

विदेश मंत्री जयशंकर की युगांडा और मोजाम्बिक की आधिकारिक यात्रा आज से

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 10-15 अप्रैल तक युगांडा और मोजाम्बिक की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार विदेश मंत्री की युगांडा और मोजाम्बिक यात्रा से दोनों देशों के साथ भारत के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के और मजबूत होने की उम्मीद है। विदेश मंत्री 10-12 अप्रैल तक युगांडा का दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान, उनके युगांडा के विदेश मंत्री जनरल जेजे ओडोंगो के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करने, देश के नेतृत्व से मुलाकात करने और अन्य मंत्रियों से मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्री जिंजा में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के ट्रांजिट कैंपस का भी उद्घाटन करेंगे। भारत के बाहर एनएफएसयू के अब तक के पहले परिसर की स्थापना के लिए यात्रा के दौरान भारत सरकार और युगांडा सरकार के

बीच एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है। विदेश मंत्री युगांडा में एक सौर ऊर्जा संचालित जल आपूर्ति परियोजना के भूमि पूजन समारोह में भाग लेंगे। वह युगांडा के व्यापार और व्यवसाय समुदाय को संबोधित करेंगे और भारतीय डायस्पोरा के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री 13-15 अप्रैल तक मोजाम्बिक का दौरा करेंगे। यह भारत के किसी विदेश मंत्री की मोजाम्बिक की पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और मोजाम्बिक की विदेश मंत्री वेरोनिका मैकामो के साथ संयुक्त आयोग की बैठक के पांचवें सत्र की सह अध्यक्षता करेंगे। उनके कई अन्य मंत्रियों और मोजाम्बिक की विधानसभा के प्रतिनिधियों से भी मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्री मोजाम्बिक में भारतीय प्रवासियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव आज नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव का करेंगे उद्घाटन

लखनऊ,(हि.स.)। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव सोमवार (10 अप्रैल) को लखनऊ में नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे। उत्तर प्रदेश वन विभाग की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने दी है। प्रवक्ता के मुताबिक नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव में उत्तर

प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.अरुण कुमार सक्सेना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री केपी मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण विभाग की सचिव लीना नन्दन और उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह भी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम को केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और उत्तर प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। इसमें जलवायु परिवर्तन के विषय पर चर्चा होगी।

दिल्ली में माफिया अतीक के बेटे की मदद करने वाले हुए बेनकाब

अजय कुमार

नई दिल्ली । माफिया डॉन अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को दिल्ली में मदद करने वाले तीन लोगों की पहचान हो गई है। पुलिस ने बताया कि हत्याकांड के बाद फरार असद छुपने के लिए दिल्ली पहुंचा था। इन लोगों में शामिल एक व्यक्ति ने असद को पैसे मुहैया कराए थे। दरअसल, पुलिस को पता चला है कि दिल्ली में असद का पुराना ड्राइवर रहता है। उमेश पाल की हत्या करने के बाद असद अहमद छुपने के लिए दिल्ली पहुंचा था। ड्राइवर सहित तीन लोगों की असद से मुलाकात हुई थी। फिर असद ने ड्राइवर को मेरठ पैसे लेने के लिए भेजा था। यहां आकर ड्राइवर ने मेरठ से पैसे लिए थे और वापस दिल्ली जाकर असद को दिए थे। जानकारी लगने के बाद अब पुलिस ने असद की तलाश शुरू कर दी है। उसके संभावित ठिकानों का पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है

कि उमेश पाल हत्याकांड को आज 45 दिन पूरे हो चुके हैं। लेकिन, मुख्य आरोपी अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और पांचों शूटर फरार हैं। असद ने भी उमेश पर गोलियां बरसाईं थीं। उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। शूटरों को ढूंढने के लिए पुलिस ने नए सिरे से कवायद शुरू की है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता की तलाश में पुलिस की 3 टीमें और अतीक के बेटे असद की तलाश में 9 टीमें लगाई गई हैं, लेकिन पुलिस को अभी तक इन्हें पकड़ने में सफलता हाथ नहीं लगी है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद फरार पांचों शूटरों को पनाह देने वालों में उमर और अली के पुराने मददगार भी रडार पर हैं। पुलिस को शक है कि असद अपने ऐसे मददगार के पास, जिसका पहले कोई रिकॉर्ड नहीं रहा है। यूपी पुलिस की टीमों ने एक बार फिर कॉल डिटेल और सर्विलांस में मिले डाटा और वॉट्सऐप चैट को खंगालना शुरू किया।

यूजीसी से बिना मान्यता प्राप्त कई संस्थान दे रहे यूजी-पीजी डिग्री, प्रवेश न लें विद्यार्थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं और अब छात्रों को कॉलेजों में दाखिले का इंतजार है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा देखने में आया है कि अपने मनपसंद कोर्स की चाह में कई छात्र गैर मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला ले लेते हैं। यूजीसी की मानें तो यह गैर मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान पूरी तरह से अमान्य हैं। बीते 2 वर्षों में यूजीसी अभी तक लगभग 27 ऐसे उच्च शिक्षण संस्थानों की लिस्ट छात्रों के लिए जारी कर चुका है। प्रथम साल की दाखिला प्रक्रिया नजदीक आने के साथ ही देशभर के छात्रों को ऐसे शिक्षण संस्थानों के प्रति सचेत रहने को कहा गया है, जिनकी डिग्री को आवश्यक मान्यता हासिल नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मान्यता के बिना डिग्री प्रदान करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों की डिग्री आगे की पढ़ाई या फिर नौकरी के लिए मान्य नहीं होगी। हाल ही में ऐसे 2 गैर मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों का पता चला है। यूजीसी द्वारा इनके संबंध में बाकायदा पब्लिक नोटिस जारी किया गया है। यूजीसी द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक ओपन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी फॉर ऑल्टरनेटिव मेडिसिंस और नेशनल बोर्ड ऑफ ऑल्टरनेटिव मेडिसिंस विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक्ट-1956 के खिलाफ कोर्स चला रहे हैं। ऐसे में देशभर के छात्रों से अपील की गई है कि वे इन संस्थानों में दाखिला न लें। यूजीसी ने दिल्ली के एक उच्च शिक्षण संस्थान ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एंड फिजिकल हेल्थ साइंस को लेकर भी एक ऐसा नोटिस जारी किया था। यूजीसी ने अपने नोटिस में छात्रों से स्वयंभू संस्थानों में दाखिला न लेने की सलाह दी है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी यूजीसी ने इस प्रकार के विषयों को संज्ञान में लिया है। बीते वर्ष ही यूजीसी ने लगभग 24 ऐसे उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान करते हुए उनके द्वारा दी जा रही डिग्री को अमान्य एवं फर्जी घोषित किया है। साथ ही इस विषय में देशभर के छात्रों को भी सूचित किया गया था। यूजीसी का कहना है कि गलत जानकारी देकर गुमराह करने वाले ऐसे शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने से बचना चाहिए। यूजीसी और एआईसीटीई ने कहा कि भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए पाकिस्तान न जाएं। पाकिस्तान जाकर तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा या अन्य किसी भी प्रकार का कोर्स करने वाला भारतीय छात्र भारत में नौकरी अथवा आगे की पढ़ाई के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला नहीं ले सकेगा।

राहुल गांधी की कोलार में जनसभा अब 16 अप्रैल को होगी

10 अप्रैल को राहुल की होने वाली सभा टाल दी गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में कोलार में 10 अप्रैल को राहुल गांधी की सभी होने वाली थी, जो टाल दी गई है। अब राहुल गांधी की सभा 16 अप्रैल को कोलार में होगी। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा कि गांधी की 10 अप्रैल को उसी स्थान से लोगों को संबोधित करने की योजना थी, जहां 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिए भाषण के कारण अदालत द्वारा आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें संसद के निचले सदन से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। हालांकि, विधानसभा चुनाव संबंधी काम और उम्मीदवारों के चयन के कारण पार्टी नेताओं ने उनसे इस कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए टालने का अनुरोध किया। शिवकुमार ने कहा कि हमने राहुल गांधी से

जनसभा एक सप्ताह तक टालने का अनुरोध किया था और उन्होंने अपनी सहमति दे दी। गांधी और सभी नेता कोलार में जय भारत कार्यक्रम के लिए 16 अप्रैल को आएंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा सदस्यता से अयोग्यता के बाद कोलार में गांधी की यह पहली जनसभा होगी। उन्होंने कहा कि गांधी की लोकसभा सदस्यता से अयोग्यता लोकतंत्र का अपमान है। शिवकुमार ने कहा कि 7 लाख से अधिक मत हासिल कर जीत दर्ज करने वाले राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करना पूरे लोकतंत्र का अपमान है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार पहले गांधी का कार्यक्रम पांच अप्रैल को आयोजित करने की योजना थी, जिसे बदलकर 6 अप्रैल कर दिया गया था, फिर इसे 9 अप्रैल को करने की योजना बनायी गयी, लेकिन उस दिन मैसूरु में प्रधानमंत्री का प्रोजेक्ट टाइगर कार्यक्रम है। एक बार फिर इसे 10 अप्रैल को आयोजित करने की योजना बनायी और अब फिर से इसे 16 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया है।

सरकार कोरोना संक्रमण में हालिया बढ़ोत्तरी से निपटने के लिए तैयार: स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया

- तीन राज्यों में मास्क पहनना अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए कई राज्यों ने फिर से मास्क पहनना जरूरी कर दिया है। कई राज्यों ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस सप्ताह की शुरूआत में एक समीक्षा बैठक की थी और राज्यों को बढ़ते कोविड मामलों के मद्देनजर सतर्क रहने को कहा था और स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा करने की सलाह दी थी। कोविड महामारी की संभावित चौथी लहर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सतर्क रहने की जरूरत है। सोमवार और मंगलवार को सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों की आपातकालीन तैयारियों का आंकलन करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की योजना बनाई गई है। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार संक्रमणों में हालिया बढ़ोत्तरी से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अन्य महत्वपूर्ण देखभाल की व्यवस्था की गई है, उन्होंने कहा कि तैयारियों की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। मंत्री मंडाविया ने कहा कि पिछला कोविड म्यूटेशन ओमिक्रॉन का बीएफ.7 सब-वैरिएंट था और अब एक्सबीबी1.16 सब-वैरिएंट संक्रमण में वृद्धि का कारण बन रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के अनुभव में सब-वैरिएंट बहुत खतरनाक नहीं हैं। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एहतियातन कदम उठाते हुए अब सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से कोविड के मद्देनजर उपयुक्त व्यवहार अपनाने का आग्रह किया है। सरकार ने जिला प्रशासन और पंचायतों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मास्क को राज्य के सभी हिस्सों में लागू किया जाए। केरल में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों व बीमारीग्रस्त को मास्क अनिवार्य केरल सरकार ने भी गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए मास्क अनिवार्य कर दिया है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने राज्य में कोविड-19 की स्थिति का उच्च स्तरीय मूल्यांकन करने के बाद कहा कि कोविड से संबंधित मौतें ज्यादातर 60 साल से ऊपर के लोगों और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे मधुमेह से पीड़ित लोगों में होती हैं। इसके साथ ही जॉर्ज ने स्वास्थ्य विभाग को ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। पुदुचेरी में बिना मास्क सार्वजनिक पुदुचेरी प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। एक बयान में कहा गया है कि अस्पतालों, होटलों, रेस्तरां, शराब की दुकानों, आतिथ्य व मनोरंजन क्षेत्रों, सरकारी कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनना है।

अडाणी समूह के अमन कुमार सिंह का एनडीटीवी के निदेशक मंडल से इस्तीफा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। अडाणी समूह के कॉरपोरेट ब्रांड संरक्षक अमन कुमार सिंह ने नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। एनडीटीवी ने पिछले सप्ताह शेयर बाजार को सूचित किया है-'अमन कुमार सिंह ने अपनी व्यस्तताओं के चलते कंपनी के गैर कार्यकारी निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 01 अप्रैल, 2023 से प्रभावी हो गया है।' अमन कुमार सिंह भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के पूर्व अधिकारी हैं। वो छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव रह चुके

हैं। उन्होंने सरकारी नौकरी से इस्तीफा देकर पिछले साल नवंबर में अडाणी समूह ज्वाइन किया था। सिंह को एनडीटीवी के निदेशक मंडल में शामिल किया गया था। छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा ने पिछले साल फरवरी में अमन कुमार सिंह और उनकी पत्नी यास्मीन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा दर्ज किया था।

अकाली नेता इंदर इकबाल सिंह भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली,(हि.स.)। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व विधायक इंदर इकबाल सिंह अटवाल ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, भाजपा महासचिव तरुण चुग और भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा की उपस्थिति में वह पार्टी में शामिल हुए। उनके साथ सरदार जगजीत सिंह अटवाल और अन्य

नेता भी पार्टी में शामिल हुए। पंजाब के जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव से पहले यह अकाली दल को बड़ा झटका माना जा रहा है। इंदर इकबाल सिंह अटवाल पंजाब विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह अटवाल के पुत्र हैं।

शत-प्रतिशत टीकाकरण नहीं होने से तेजी से बढ़ रहा कोरोंना

नई दिल्ली(ईएमएस)। तीन साल तक कोविड-19 के डर और दहशत में जीने के बाद जब दुनिया सामान्य स्थिति की ओर वापस लौट रही थी तो भारत में एक बार फिर संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है जो यह दर्शाता है कि महामारी अभी भी नियंत्रण में नहीं है। देश में शनिवार 8 अप्रैल को कोविड-19 के 6,155 नए मामले दर्ज किए गए और सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 30,000 से अधिक हो गई। जबकि रविवार को पांच हजार से अधिक नए मामले आ गए। दैनिक पॉजिटिविटी रेट का राष्ट्रीय औसत पांच प्रतिशत को पार कर 5.63 प्रतिशत पर पहुंच गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 3.47 प्रतिशत रहा। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नौ और लोगों की कोरोना से मौत के साथ ही मरने वालों की कुल संख्या

5,30,954 हो गई। वहीं ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी पाने वालों की संख्या 4.41 करोड़ पर पहुंच गई। भले ही देश में टीकाकरण दर के आंकड़े बहुत उत्साहजनक हैं, फिर भी बहुत सारे कारक अभी भी लोगों को खुद को टीका लगाने से रोकने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। टीकाकरण के साइड इफेक्ट को लेकर चल रही ढेर सारी अफवाहों के कारण लोग टीका लगवाने से डर रहे हैं। सीके बिड़ला अस्पताल, गुरुग्राम में आंतरिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र गुप्ता ने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीकों के खिलाफ बहुत सारे नकारात्मक प्रचार हैं, जिसके कारण लोगों ने दूसरा शॉट या बूस्टर खुराक नहीं लिया। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। अब तक कुल 220.66 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 95.21 करोड़ लोग सेकेंड डोज और 22.87 करोड़ लोग प्रिकॉशन या बूस्टर डोज भी लगवा चुके हैं। मंत्रायल के 8 अप्रैल 2023 के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में टीके की 1,963 खुराकें लगाई गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण की दर और भी कम है। रोहतक के गढ़ी बोहर गांव के रहने वाले प्रवेश नांदल (38) ने मीडिया को बताया कि उनके गांव के अधिकांश लोगों ने टीके नहीं लगवाए हैं, लेकिन उन्होंने किसी तरह दोनों खुराक के लिए सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा, लगवाने के बाद भी कई लोगों की मौत होने के बाद अधिकांश ग्रामीणों ने इसे लेने से परहेज किया।

लड़ाकू विमान सुखोई-30 का बेड़ा अपग्रेड करने में रूस-यूक्रेन युद्ध का असर दिखा

- रूस से कलपुर्जों और प्रणालियों की आपूर्ति होने में हो रही है देरी- वायु सेना के 150 विमानों को 'सुपर सुखोई' में किया जाना है अपग्रेड

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने 07 अप्रैल को मरम्मत और ओवरहालिंग करने के बाद 100वां सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान भले ही वायु सेना को सौंप दिया है, लेकिन इस बेड़े को अपग्रेड करने में रूस-यूक्रेन युद्ध का असर साफ दिख रहा है। सुखोई के अपग्रेडेशन प्रोग्राम के तहत रूस से कलपुर्जों और प्रणालियों की आपूर्ति युद्ध की वजह से समय पर नहीं हो पा रही है। अब इसके बाद वायु सेना के ऑपरेशनल 260 विमानों में से 150 को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में भी अपग्रेड किया जाना है। एचएएल ने 07 अप्रैल को 100वें सुखोई विमान का सिग्नल आउट सर्टिफिकेट (एसओसी) वायु सेना के असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (इंजी ए) एयर वाइस मार्शल सरीन को सौंपा। सुखोई को अपग्रेड करने का कार्य वायु सेना ने खुद अपने महाराष्ट्र के नासिक जिले के ओझर में स्थित 11 बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी) में शुरू किया था। बीआरडी ने पहला सुखोई फाइटर जेट मरम्मत और ओवरहालिंग करके अक्टूबर, 2018 में वायु सेना की ऑपरेशनल स्क्वाड्रन को सौंपा था। वायु सेना के पास इस समय 260 सुखोई-30 लड़ाकू विमान ऑपरेशनल हैं, जिन्हें एचएएल अपने नासिक डिवीजन में इनकी मरम्मत और ओवरहालिंग करके अपग्रेड कर रहा है। अब इसके बाद 150 सुखोई फाइटर जेट को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में अपग्रेड करने की योजना है, जिसके बाद भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। इसके लिए वायु सेना को 4 बिलियन डॉलर की जरूरत है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अपग्रेड प्रोग्राम के लिए पहले से ही प्रस्ताव दे रखा है, जिसे जल्द ही सरकार से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। एचएएल नोडल एजेंसी के रूप में लगभग 150 लड़ाकू विमानों को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में अपग्रेड करेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और भारतीय वायु सेना मिलकर 'सुपर सुखोई' के लिए उपकरण और प्रणालियों को अंतिम रूप दे देंगे, जिसके बाद 150 विमानों को अपग्रेड किया जाएगा। 'सुपर सुखोई' कार्यक्रम की मंजूरी रूस से मिल चुकी है, क्योंकि सुखोई-30 एमकेआई भारत और रूस के संयुक्त उत्पाद हैं। सुखोई को अपग्रेड करने के लिए कई घटक और पुर्जे रूस से आने हैं। 'सुपर सुखोई' में एक आधुनिक कॉकपिट शामिल होगा। अपग्रेड के प्रमुख हिस्से में एवियोनिक्स और सेंसर भी शामिल हैं, जिससे 150 लड़ाकू विमानों को तकनीकी तौर पर पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल बनाया जाना है। एचएएल प्रस्तावित 'सुपर सुखोई' कार्यक्रम में उत्तम एमके3 एईएसए फायर कंट्रोल राडार विकसित करेगा। एचएएल 2024 के बाद से सुपर सुखोई कार्यक्रम में शामिल किए जाने वाले कई घटकों का परीक्षण शुरू कर देगा। सुपर सुखोई कार्यक्रम पूर्ण पैमाने पर 2027-28 से शुरू हो सकता है। सुखोई-30 एमकेआई को भविष्य के हवाई युद्ध में प्रासंगिक बनाये रखने के लिए अपग्रेड करना इसलिए जरूरी हो गया है, क्योंकि इसका सॉफ्टवेयर बहुत तेजी से खराब हो रहा है। रूसी सुखोई कंपनी के साथ संयुक्त रूप से विकसित किये जाने वाला 'सुपर सुखोई' बहु-भूमिका वाला होगा, जो पड़ोसी देशों और पूरे हिंद महासागर क्षेत्र के आसमान पर हावी हो सकते हैं। इस विमान के पंख कार्बन फाइबर से बने होंगे। आधुनिकीकरण कार्यक्रम में कॉकपिट और सभी प्रणालियों में सुधार किया जाएगा। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि पायलटों के लिए पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान में शिफ्ट होना आसान हो जाएगा।

फैशन में किसी से पीछे नहीं है पूर्वांचल : रवि किशन

गोरखपुर, (हि.स.)। मोहद्दीपुर स्थित एक होटल में रविवार को देश की अग्रणी टेक्सटाइल कम्पनियों के आधुनिक परिधानों व वस्त्रों का डिस्प्ले महाकुंभ का आयोजन हुआ। पोददार टेक्सटाइल्स के तत्वावधान में आयोजित इस महाकुम्भ में बिहार के व्यापारियों ने भी सहाभागिता की। महाकुंभ का उद्घाटन अभिनेता व सदर सांसद रवि किशन ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने कहा कि फैशन में पूर्वांचल आगे निकल चुका है।

गोरखपुर एक बड़े केंद्र के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। वस्त्रों के इस महाकुम्भ में रेमंड्स के साथ अग्रणी टेक्सटाइल कम्पनी के शूटिंग-शर्टिंग व लक्ष्मीपति साड़ी, अभिवादन, कयान, सत्यवचन, गणेश कृपा, अनुश्री, कलाश्री साड़ी के आधुनिक परिधानों के नवीनतम रेन्ज का डिस्प्ले प्रदर्शनी लगाई गई है। महाकुम्भ के आयोजक व पोद्दार टेक्सटाइल के निदेशक महेश पोद्दार ने बताया कि पूर्वांचल में आधुनिक व नवीनतम फैशन के परिधानों की बढ़ती मांग को देखते हुए वस्त्रों के महाकुम्भ का आयोजन हुआ है। गोरखपुर, बस्ती मण्डल सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ बिहार के गोपालगंज, छपरा, सिवान, चंपारण व पश्चिमी पंचारण जिलों के भी व्यापारी शामिल हुए। इस दौरान सुरेंद्र पोद्दार, अभिषेक पोद्दार, अंकुर पोद्दार, विवेक नारनोलिया, शलभ जैन, नवीन पालड़ीवाल, पीयूष जैन आदि मौजूद रहे।

संस्कृति व राष्ट्रीयता से परिपूर्ण शिक्षा ही सार्थक : योगी

- दिल्ली पब्लिक स्कूल की गोरखपुर शाखा का मुख्यमंत्री योगी ने उद्घाटन किया

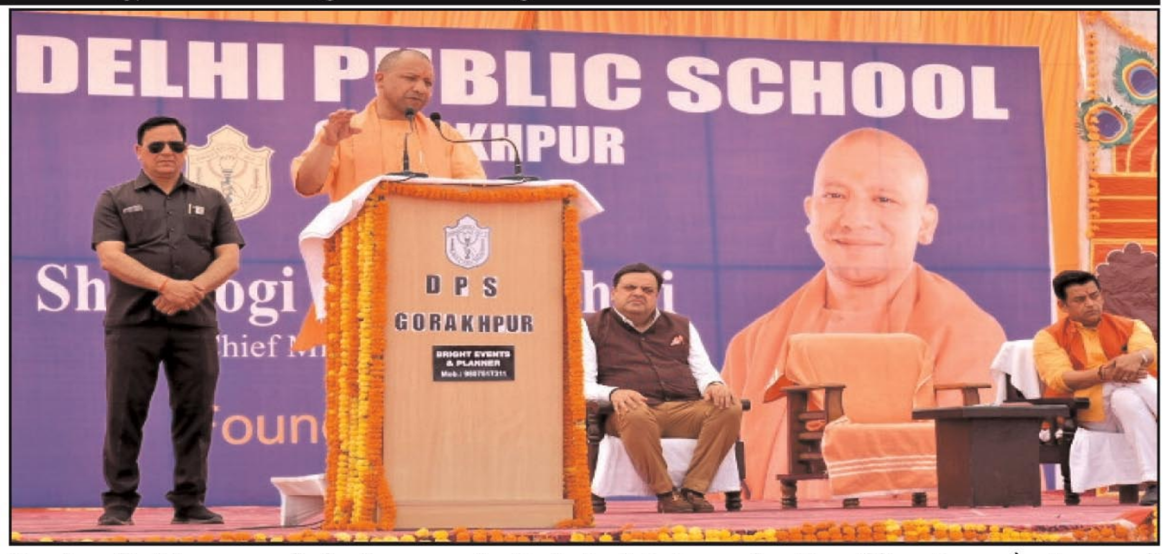

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण, संस्कृति, संस्कार, परंपरा और राष्ट्रीयता से परिपूर्ण शिक्षा ही सार्थक होती है। समग्र व्यक्तित्व विकास के साथ विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं की जानकारी देना भी शिक्षण संस्थाओं की जिम्मेदारी है। उनके सहयोग से युवा छात्र अपने भावी जीवन लक्ष्यों को हासिल कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी रविवार को मानीराम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) गोरखपुर के स्थापना समारोह "अभ्युदय" को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना से जब पूरी दुनिया पस्त थी तब भारत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर आया। यह नीति शिक्षा संस्थाओं के लिए अनेक संभावनाओं के द्वार खोलती है। भारतीय मनीषा ने सदैव इस बात पर जोर दिया है कि ज्ञान को कहीं से भी अंगीकार किया जा सकता है। शिक्षा के केंद्र सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त वाले होने चाहिए। 20 युवाओं के समूह से अपनी मुलाकात का एक संस्मरण सुनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षण के दौरान ही विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जानी चाहिए। इससे वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का सही प्रयोग करें, उसका दास न बनें। टेक्नोलॉजी को लोक और राष्ट्र कल्याण का माध्यम बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीपीएस के प्रो वाइस चेयरमैन विशाल सिंह ने कुशीनगर, महराजगंज और सिद्धार्थनगर में डीपीएस शाखा खोलने की इच्छा जताई है। ये तीनों सीमावर्ती जिले हैं और वहां अच्छे संस्थानों के आगे आने पर सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

शिक्षा में निवेश को धरातल पर उतारना पवित्र कार्य - मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही सीमाई बिहार और नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, व्यापार का बड़ा केंद्र है। ऐसे में डीपीएस ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निवेश को धरातल पर उतारने का पवित्र कार्य किया है। यह विद्यालय जहां है, वहां आसपास कई संस्थान खुल चुके हैं। यहां से गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी की दूरी सिर्फ एक घण्टे की है। कुशीनगर तक एक बाईपास भी बनाया जा रहा है, जिससे बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली की दूरी मात्र आधे घण्टे में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसी क्षेत्र में हम "नया गोरखपुर" का प्रोजेक्ट भी ला रहे हैं।

इंसेफेलाइटिस की वैक्सीन आने में लग गए थे 101 साल - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 1977-78 में पूर्वी उत्तर प्रदेश में दस्तक देने वाली बीमारी इंसेफेलाइटिस का वैक्सीन भारत आने में 101 साल लग गए थे जबकि कोरोना महामारी के नौवें माह में ही भारत ने पीएम मोदी के नेतृत्व में दो स्वदेशी वैक्सीन बना लिए। इंसेफेलाइटिस का वैक्सीन जापान में 1905 में ही बन गया था लेकिन 2006 में यह भारत तब लाया गया जब इंसेफेलाइटिस को लेकर उन्होंने सड़क से संसद तक जोरदार संघर्ष किया। समारोह को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। स्वागत संबोधन डीपीएस के प्रो वाइस चेयरमैन विशाल सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की। संबोधन से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यालय परिसर, भवन का अवलोकन किया और स्टाफ से भी मुलाकात की।

2047 तक नहीं है पीएम और सीएम की कोई वैकेंसी : केशव प्रसाद मौर्य

बोले, निकाय चुनाव जीतकर भाजपा बनाने जा रही ट्रिपल इंजन की सरकार

झांसी, (हि.स.)। 24 घंटों में जिले में तीसरे प्रभावी मतदाता सामाजिक सम्मेलन में शिरकत करने व विकास कार्यों की समीक्षा करने रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वीरांगना भूमि झांसी पहुंचे। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि हम 2047 में स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएंगे। 2047 तक फिलहाल देश में पीएम व सीएम के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। देश में मोदी व प्रदेश में योगी की डबल इंजन की सरकार चल रही है। निकाय चुनाव जीतने के बाद भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी। रविवार को विकास भवन में विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं की समीक्षा करने के बाद प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव ने पत्रकारों को बताया कि लुप्त हो रही 75 नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा। इससे जल संकट दूर होगा। नरेंद्र मोदी दुनिया के ऐसे नेता है जिनके नेतृत्व में हर घर नल हर घर जल योजना चालू कर इतिहास रचा गया है। साथ ही कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। देश-विदेश में बेक्सिनेशन किया वह कार्य आज भी किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि पूरे देश में रामचरित मानस का सम्मान किया जाता है। धार्मिक ग्रंथों पर धमार्चार्यों को विचार करना चाहिए। इस पर किसी राजनेतिक लोगों को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। अखिलेश यादव के भाजपा द्वारा उनकी सोशल मीडिया पर छवि धूमिल किए जाने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रहार हो रहा है। देश में अपराध में कमी आई है। सपा गुंडों, अपराधियों माफियाओं का साथ छोड़ दें तो उनकी छवि 20- 25 वर्ष में सुधर जायेगी। एनसीआरटी की किताबों से मुगलों का पाठ्यक्रम हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसको तो पहले ही हटा देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा में भाजपा 80 की 80 सीट जीतेगी, साथ ही निकाय चुनाव में झांसी समेत समस्त सीट जीतने जा रही है। इससे भाजपा की डबल इंजन की जगह ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है। इससे विकास की गति और बढ़ जाएगी। इसके बाद वह 2 बजे से दीनदयाल सभागार में आयोजित होने जा रहे प्रभावी मतदाता सम्मेलन में निकल पड़े। उनके साथ सांसद अनुराग शर्मा, चारों विधायक, जिलाध्यक्ष जमुना कुशवाहा समेत जिलाधिकारी व प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा।

बुंदेलखंड के किसानों की आय दोगुनी कर रही मोदी -योगी सरकार -आर के सिंह पटेल

चित्रकूट, (हि.स.)। एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन नई दिल्ली से सम्बद्ध चित्रकूट खाद-बीज एवं कीटनाशक व्यापारी संघ द्वारा मुख्यालय स्थित टाउन हाल में आयोजित व्यापारी सम्मेलन का उद्घाटन बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने किया।इस मौके पर सांसद ने कहा कि मोदी-योगी सरकार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देकर बुंदेलखंड के किसानों की आय दोगुनी करने को संकल्पित है। उन्होंने कहा कि खाद,बीज और कीटनाशक के व्यापारी सरकार की मंशा के अनुरूप प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में किसानों का सहयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि योगी सरकार में किसी भी खाद,बीज एवं कीटनाशक व्यापारी का शोषण और उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा। रविवार को मुख्यालय स्थित टाउन हाल में आयोजित खाद,बीज एवं कीटनाशक व्यापारी संघ के आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती को सर्वाधिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कम लागत में बेहतर उत्पादन वाली विष मुक्त खेती के लिए प्राकृतिक खेती एक अच्छा माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के साथ जैविक खेती को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। आने वाले समय में किसानों को अपने जैविक उत्पाद बेचने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के सभी 18 मंडलों में लैब स्थापित किया जा रहा है। जहां किसानों के जैविक उत्पादों को प्रमाणित किया जाएगा और गुणवत्ता पूर्ण बीज मिलेंगे।जैविक और प्राकृतिक खेती से न सिर्फ किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी बल्कि लोगों को भी रसायन मुक्त भोजन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस पद्धति को अपनाकर किसान कम लागत में अच्छा उत्पादन ले सकेंगे।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बुंदेलखंड के पूरे क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का कार्यक्रम बनाया है, जिससे किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने में सहायता मिलेगी, बल्कि तमाम प्रकार के रोगों से मुक्ति भी मिलेगी और गौ माता की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। वहीं कार्यक्रम में मौजूद रहे खाद-बीज एवं कीटनाशक व्यापारी संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय रघुवंशी,उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अतुल त्रिपाठी एवं मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह राजपूत ने व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि चित्रकूट समेत प्रदेश के सभी जिलों में खाद रैक प्वाइंट की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा कीटनाशक का सैंपल फेल होने पर व्यापारी की बजाय कंपनियों के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान किये जाने की मांग की। जिस पर सांसद ने सम्बंधित समस्याओं का शासन स्तर से निराकरण कराने का भरोसा दिलाया। वहीं कार्यक्रम के अंत में संघ की ओर से मुख्य अतिथि रहे सांसद आर के सिंह पटेल एवं विशिष्ट अतिथि रहे नगर पालिका चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता एवं वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज अग्रवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

एकनाथ शिंदे ने किया रामलला का दर्शन, संतों का लिया आशीर्वाद

अयोध्या, (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार एकनाथ शिंदे रामनगरी अयोध्या पहुंचे। वहां पर पहले से मौजूद शिवसैनिकों ने उनका भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में पहुंचे शिवसैनिकों ने उनके अयोध्या की धरती पर उतरते ही जय श्रीराम के नारे लगाए। रविवार को राम कथा पार्क स्थित हेलीपैड पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपने समर्थकों के साथ रोड शो करते हुए श्रीराम जन्मभूमि में भगवान श्रीराम लला का दर्शन करने पहुंचे। रामजन्मभूमि में उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के साथ आरती पूजन किया। इस दौरान उनके साथ महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित मंत्रिमंडल के कई मंत्री शामिल रहे।

रामचन्द्र दास परमहंस की समाधी पर किया नमन - मुख्यमंत्री शिंदे ने हेलिकॉप्टर से उतरने के बाद सरयू तट पर स्थित राम मंदिर आंदोलन के श्लाका पुरूष महंत रामचन्द्र दास परमहंस की समाधी को नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उसके बाद शिव सैनिकों के साथ राम मंदिर पूजन के लिये निकले।

दो स्पेशल ट्रेन से पहुंचे तकरीबन चार हजार शिव सैनिक - शनिवार को स्पेशल ट्रेन से तकरीबन चार हजार शिव सैनिक अयोध्या पहुंचे। पहली ट्रेन 11: 30 बजे और उसके एक घंटे बाद अयोध्या धाम स्टेशन पहुंची। स्टेशन पर उतरते ही शिवसैनिकों के जय श्रीराम के जयकारे से अयोध्या गुंजायमान हो गई। ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे शिवसैनिकों में साफ अपने नेता के स्वागत का भाव नजर आ रहा था। रविवार को जैसे ही शिंदे का हेलीकाप्टर अयोध्या पहुंचा शिवसैनिकों ने जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए।

शिवसैनिकों व पदाधिकारी के साथ किया रोड शो - मुख्यमंत्री शिंदे रामकथा पार्क से खुली जिप्सी में लोगों का अभिवादन करते हुए रामलला का दर्शन करने पहुंचे। उन्हें देखने के लिए हर वर्ग के लोग पहुंचे। शिवसैनिकों और भारी सुरक्षा के बीच चल रहे शिंदे को देखने के लिए लोग अपनी छत पर आ गए। हर कोई यह नजारा मोबाइल में कैद करता दिखा।

जिप्सी के साथ निकला 20 गाड़ियों का काफिला - मुख्यमंत्री शिंदे के रोड शो के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम रहे। शिंदे समेत महाराष्ट्र के तमाम मंत्रियों व शिवसेना के पदाधिकारियों की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन ने भी अफसरों की फौज उतार दी। शिंदे के जिप्सी के आगे पीछे मिलाकर 20 गाड़ियों का काफिला चल रहा था। मुख्यमंत्री शिंदे के कार्यक्रम को लेकर रामनगरी सुरक्षा के पुख्ता प्रतिबंध किया गया। सामान्य गाड़ियों को प्रतिबंधित किया गया था। केवल शिव सैनिकों की गाड़ियों को ही राम नगरी में प्रवेश दिया गया।

लक्ष्मण किला के मैदान में संतो का लेंगे आशीर्वाद - मुख्यमंत्री शिंदे लक्ष्मण किला के मैदान में संतों का आशीर्वाद लेंगे। इसके लिये भव्य तैयारी की गयी है। राम नगरी के सभी प्रमुख संत महंतों को आमंत्रित किया गया है।

राजद युवाओं को साथ लेकर चलने वाली पार्टी : रंजन यादव

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय जनता दल युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि 2023-25 के कमिटी की पहली सूची जारी की गयी है। लोकसभा-विधानसभा चुनाव को लेकर राजद अपनी तैयारियों में जुट गया है। युवा संगठन की रीढ़ होते हैं। हमारी पार्टी युवाओं को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। पार्टी के शीर्ष नेताओं की उम्मीद पर हम खड़ा उतरेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए युवा मोर्चा ने नयी कमिटी की पहली सूची जारी की है। रंजन ने कहा कि मेहनत करने वाले लोगों को नयी कमिटी में जिम्मेदारी दी गयी है। रंजन यादव रविवार को प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि युवा राजद उपाध्यक्ष के लिए तीन लोगों को नयी कमिटी में जगह दी गयी है। इनमें रांची से सुनील कुमार, रांची से सौकत अंसारी और चतरा से विनोद भोक्ता हैं। जिला अध्यक्ष में साहेबगंज मो. सद्दाम हुसैन, देवघर नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह, गोड्डा मो अंजर अहमद, हजारीबाग में मो. अय्यान रजा खान, गिरिडीह में रवि कुमार, बोकारो में संतोष कुमार गिरी, रांची से जफर अंसारी, रांची से महानगर अध्यक्ष दिलीप सिंह, पलामू से केदार यादव, गढ़वा से विनीत कुमार हैं। युवा प्रदेश सचिव में पलामू से संतोष कुमार, रांची से फरहान खान, रांची से अजय कुमार, चतरा से नीतीश कुमार, पलामू से कमल कांत, पलामू से धर्मेंद्र कुमार, रांची से अरसद अंसारी, रांची से प्रशांत कुमार, रांची से राज कुमार, लातेहार से संजय कुमार यादव, देवघर से नूनू झा और हजारीबाग से रघुनाथ कुमार राणा युवा प्रदेश अध्यक्ष हैं। युवा प्रदेश महासचिव में रांची से मोईन अंसारी, रांची से उर्मिला सोरेंग, रांची से ममता कुजूर, रांची से विक्की यादव, बोकारो से जितेंद्र नारायण यादव, रांची से राम सिंह, चतरा से दीपक यादव, रांची से अभिषेक सिंह यादव, कोडरमा से प्रदीप यादव, हंटरगंज चतरा से संतोष कुमार, गढ़वा से मुनेश्वर सिंह, देवघर से पंकज सिंह, देवघर से काजल कुमार यादव, रांची से मंतोष यादव, रांची से क्षितिज कुमार मिश्रा और रांची गायत्री देवी को मिली है जिम्मेवारी।

झारखंड की हेमन्त सरकार को बदलने का आ गया समय : लक्ष्मीकांत बाजपेयी

रांची, (हि.स.)। भाजपा के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, यहां पर किसी की आवाज को नहीं दबाया जा सकता है। यदि कांग्रेस के लोग यह कह रहे हैं कि उनके नेता को लोकसभा में नहीं बोलने दिया गया तो यह पूरी तरह से गलत है। कांग्रेस खुद लोकतंत्र की हत्या करने वाली पार्टी है। भाजपा नेता व झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी रविवार को रांची हवाई अड्डे पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले स्थानीय हवाई अड्डे पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में बाजपेयी ने कहा कि झारखंड की हेमन्त सरकार को बदलने का समय आ गया है और संवैधानिक तरीके से वर्तमान सरकार को भाजपा के कार्यकर्ता हटाने का काम करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग हर जगह यह शिकायत दर्ज करा रहे हैं कि उनके नेता राहुल गांधी की सदस्यता भारतीय जनता पार्टी के कारण चली गई है, जबकि पूरा मामला कोर्ट में है और जो भी निर्णय लिया गया है, वह न्यायालय ने लिया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि कांग्रेस के लोग भाजपा पर आरोप लगाते हैं तो वह पूरी तरह से निराधार है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कई तरह की समस्या है, जैसे भ्रष्टाचार, महंगाई महिलाओं की सुरक्षा। इन सभी समस्याओं के निदान के लिए वह जनता के बीच जाएंगे और लोगों को जागरूक करेंगे।

पलामू में कोयला से भरी मालगाड़ी दो हिस्से में बंटी, 35 मिनट आवागमन बाधित रहा

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जिले के मोहम्मदगंज-सतबहिनी रेल स्टेशन के बीच रविवार को अप मालगाड़ी (संख्या 60050) कादल गांव के पास डगरा नामक स्थान पर दो हिस्से में बंट गई। खंभा संख्या 341/ 35 से लेकर खंभा संख्या 341/ 37 के बीच अलग हुए दोनों हिस्से खड़े रहे। मालगाड़ी के दोनों हिस्सों को जोड़ने में करीब 35 मिनट लगा, लेकिन इस बीच कादल गांव में समपार फाटक से आवागमन बाधित रहा। मालगाड़ी के करीब 59 डिब्बों में कोयला भरा था। अंकोरहा स्टेशन स्थित एनटीपीसी में बिजली बनाने के लिये झारखंड के कोयला खदान से आपूर्ति की गई थी। ओवरलोड कोयला भरी मालगाड़ी मोहम्मदगंज-सतबहिनी रेल स्टेशन के बीच दो हिस्से में बंट गई। गार्ड सूर्यमणि, रेल फाटक कर्मी सत्यनारायण कुमार और ग्रामीण रामदेव महतो के संयुक्त प्रयास से अलग हुए डिब्बों को जोड़ने में करीब 35 मिनट लगा। इस बीच कादल गांव में रेल पटरी पर बने समपार फाटक से आवागमन बाधित रहा। साथ ही अप रेल पटरी पर परिचालन पूरी तरह ठप रहा। इधर, चालक शिवनाथ कुमार ने बताया रेल खंड के छिपादोहर और कादल गांव के समीप रेल पटरी पर चढ़ान के कारण ओवरलोड कोयला से भरी मालगाड़ी का दो हिस्से में बंट जाना आम हैं। चालक, गार्ड, रेल फाटक कर्मी और कादल गांव के ग्रामीणों की सूझ-बूझ से बड़ी रेल दुर्घटना होने से बच गयी।

बिहार सरकार की संवेदनहीनता से लैप्स हो गए 1.72 लाख आवास : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार सरकार पूरी तरह से संवेदनहीन हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उदासीनता के कारण एक लाख 72 हजार आवास मार्च में लैप्स हो गए, इनमें एक लाख 60 हजार आवास आम गरीबों को और 12 हजार भूमिहीन को मिलने थे। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को बेगूसराय में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। प्रेस्वार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा कि जदयू और राजद कहती है कि गरीबों की सरकार है। फिर एक लाख 72 हजार लोगों को आवास मिलने से वंचित क्यों रखा गया। बिहार को यूपीए सरकार ने मात्र 38 लाख आवास दिया था, जबकि मोदी सरकार 56 लाख आवास दे चुकी है। सरकार की संवेदनहीनता के कारण सभी लोगों को आवास नहीं मिल रहा है। मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर है, लाचार होकर कदम उठाना पड़ेगा। मनरेगा में यूपीए की सरकार ने 9649 करोड़ दिया था, हम 31 हजार करोड़ से अधिक दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार अगर पैसा देना बंद कर दे तो बिहार की बत्ती जलनी मुश्किल हो जाएगी। बिहार सरकार की संवेदनहीनता के कारण केंद्र सरकार की ओर से बेगूसराय को दिया गया इलेक्ट्रॉनिक कलस्टर वापस लौट गया। हवाई अड्डा के लिए डीएम से कागजात सहित पूरा विवरण मांगा गया है। संबंधित मंत्रालय से बात हो गई है, मंत्रालय को कागज मिलते ही बेगूसराय में हवाई सेवा शुरू होने की दिशा में काम होने लगेगा। उन्होंने कहा कि सिमरिया के विकास के लिए तीन-चार साल से हम सवाल उठा रहे हैं। अभी भारत सरकार द्वारा नमामि गंगे के तहत 13 करोड़ का आवंटन मिलते ही काम हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विकास करने के बदले प्रधानमंत्री बनने की कोशिश में मस्त हैं। रोज इफ्तार पार्टी कर रहे हैं, बिहार जल रहा है। केवल हिंदुओं को केस में फंसाया जा रहा है, दंगाई को छोड़ा जा रहा है, यह नहीं चलेगी। दंगा झेलने वालों को राहत देने के बदले तुष्टीकरण की पराकाष्ठा चल रही है। धर्म के आधार पर इसलिए आजादी नहीं मिला था। टोपीधारी मुख्यमंत्री को बताना होगा कि क्या हिंदू अब पूछ कर दुर्गा, रामनवमी और हनुमान जयंती का जुलूस निकालें की किस सड़क से जाएं।

आर्थिक विकास के लिए बने राष्ट्रीय श्रम नीति : बीएमएस

पटना, (हि.स.)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन के तीसरे एवं अंतिम दिन रविवार को दो प्रस्ताव पारित किए गए। इस प्रस्ताव में आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय श्रम नीति बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। पटना के केशव सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में आयोजित अधिवेशन में क्षेत्रीय संगठन मंत्री राज बिहारी शर्मा ने आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय श्रम नीति से संबंधित प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का दो प्रमुख आधार है- पूंजी और श्रम। आर्थिक विकास में पूंजी और श्रम की अहम भूमिका होती है, लेकिन आर्थिक विकास से अर्जित लाभ पर पूंजी का एकतरफा अधिकार रहता है और श्रम उपेक्षित रह जाती है। समृद्ध और खुशहाल श्रम की आवश्यकता की वकालत करते हुए शर्मा ने आर्थिक विकास के लिए राष्ट्रीय श्रम नीति बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रस्ताव का अनुमोदन दिल्ली प्रदेश के महामंत्री डॉ. दीपेंद्र चाहर ने किया। बीएमएस विदर्भ प्रांत के अध्यक्ष शिल्पा पांडेय ने न्यूनतम मजदूरी के स्थान पर जीविका मजदूरी देने का प्रस्ताव रखा।

पूर्व मंत्री गायत्री देवी का निधन, नवादा में होगा अंतिम संस्कार, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

नवादा, (हि.स.)। जिले की चर्चित राजनीतिक हस्ती व पूर्व मंत्री और करीब तीन दशक तक गोविंदपुर और नवादा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली गायत्री देवी का रविवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने पटना के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ रविवार को नवादा के मंगर बीघा खुरी नदी घाट पर किया जाएगा । उनके ज्येष्ठ पुत्र व पूर्व विधायक कौशल यादव गायत्री के शव के साथ नवादा पहुंच रहे हैं। पूर्व मंत्री गायत्री देवी पिछले कई दिनों से पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती थीं। उनकी आयु करीब 89 वर्ष की थी। जानकारी के अनुसार उनके ज्येष्ठ पुत्र व विधायक कौशल यादव अन्य परिजनों के साथ गायत्री का पार्थिव शरीर लेकर नवादा के लिए रवाना हो गये हैं। नवादा जिले के मंगर बीघा खुरी नदी घाट पर उनका पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा । जिलाधिकारी उदिता सिंह के निर्देश पर नवादा सदर के वीडीयो अंजनी कुमार की देखरेख में अंतिम संस्कार की मंगर बीघा घाट पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि गायत्री देवी जदयू नेता और पूर्व विधायक कौशल यादव की मां और पूर्व विधायक पूर्णिमा यादव की सास मां थीं। गायत्री देवी के पति युगल किशोर यादव भी बिहार सरकार में मंत्री रहे थे, जिनकी मौत एक सड़क दुर्घटना में हो गई थी। गायत्री लगभग तीन दशक से ज्यादा समय तक वे नवादा की राजनीति का केंद्र बनीं रही थीं। 27 वर्ष तक विधायक के दौरान वे बिहार सरकार में मंत्री और कांग्रेस की जिलाध्यक्ष भी रहीं। गायत्री देवी का राजनीतिक सफर वर्ष 1970 से शुरू हुआ। वर्ष 1969 में इनके पति युगल किशोर सिंह यादव लोकतांत्रिक कांग्रेस के टिकट पर गोविंदपुर विधानसभा से एमएलए बने थे। उस वक्त दरोगा राय मंत्रिमंडल में मंत्री भी बने थे। बाद में असमय उनका निधन हो गया था। पति की मौत के बाद उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए वे विधानसभा का चुनाव लड़ीं और वर्ष 1970 में पहली बार गोविंदपुर विधानसभा से निर्दलीय चुनाव जीती। उसके बाद वर्ष 1972 -77 तक कांग्रेस के टिकट पर नवादा की विधायक रहीं। फिर वर्ष 1980, 85, 90 यानी लगातार 15 साल तक गोविंदपुर से कांग्रेस की विधायक रहीं। उन्हें वर्ष 1995 में प्रोफेसर केवी यादव से हार का सामना करना पड़ा । इसके बाद वे वर्ष 2000 के चुनाव में राजद के टिकट पर गोविंदपुर विधानसभा से ही चुनाव जीतीं।

संपादकीय

अनुच्छेद 19 की सुप्रीम समीक्षा

जब से भारत का संविधान बना और लागू किया गया है, अभिव्यक्ति की आज़ादी और अनुच्छेद 19 के तहत स्वतंत्र मीडिया की चर्चा, किसी न किसी संदर्भ में, होती रही है। भारत में मीडिया पूर्णतः स्वतंत्र है, लिहाजा लोकतंत्र जिन्दा है। लेकिन उस पर 'तर्कसंगत प्रतिबंध' लगाए जाते रहे हैं। कारण राष्ट्रीय सुरक्षा या संवेदनशील नीतियों के उल्लंघन का बताया जाता रहा है। सरकार 'तार्किक पाबंदियों' की व्याख्या नहीं करती, लिहाजा अनुच्छेद 19 बौना और अप्रभावी साबित होता रहा है। संविधान ने भी ऐसे मानक तय नहीं किए हैं, जिनके आधार पर प्रतिबंधों की तार्किकता को परखा जा सके। अदालतों ने भी सटीक व्याख्या नहीं की है, नतीजतन पत्रकारों पर प्रहार जारी रहे हैं और मीडिया की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार बेमानी साबित होने लगता है। ऐसे निराशाजनक और अनिश्चित माहौल में सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 19 की स्पष्ट व्याख्या की है और मीडिया को सुरक्षित रखने की महत्त्वपूर्ण कोशिश की है।

> सुप्रीम अदालत ने इस फैसले के जरिए एक न्यूनतम मानदंड भी स्थापित किया, जिसके आधार पर न्यायपालिका अपने निर्णय सुना सकती है। यह फैसला मीडिया की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को लेकर एक उदाहरण बन गया। चैनल 'मीडिया वन' के अस्तित्व का सवाल था और आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा के लगाए गए थे, लिहाजा चैनल ने पहले तो केरल उच्च न्यायालय में इस पाबंदी को चुनौती दी। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन कैसे किया गया, भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया था, क्योंकि सूचना-प्रसारण मंत्रालय का जवाब सीलबंद लिफाफे में बंद था। ऐसी स्थिति में गोपनीयता का तर्क भी दिया जाता है और अपीलकत्र्ता खुलकर अपना बचाव नहीं कर सकता, नतीजतन उच्च न्यायालय ने भी स्वीकार किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा की संभावनाएं और गुंज़ाइश भी सीमित हैं।

मामला मलयालम न्यूज़ चैनल का था। भारत सरकार के सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने चैनल के लाइसेंस का नवीकरण खारिज कर दिया था। चैनल पर राष्ट्रीय सुरक्षा के उल्लंघन का गंभीर आरोप चस्पा किया गया था। 'माध्यमम ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड बनाम भारत सरकार' मामले में शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया और अनुच्छेद 19 के तहत मीडिया की स्वतंत्रता की गारंटी प्रतिपादित की। सुप्रीम अदालत ने इस फैसले के जरिए एक न्यूनतम मानदंड भी स्थापित किया, जिसके आधार पर न्यायपालिका अपने निर्णय सुना सकती है। यह फैसला मीडिया की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को लेकर एक उदाहरण बन गया। चैनल 'मीडिया वन' के अस्तित्व का सवाल था और आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा के लगाए गए थे, लिहाजा चैनल ने पहले तो केरल उच्च न्यायालय में इस पाबंदी को चुनौती दी। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन कैसे किया गया, भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया था, क्योंकि सूचना-प्रसारण मंत्रालय का जवाब सीलबंद लिफाफे में बंद था। ऐसी स्थिति में गोपनीयता का तर्क भी दिया जाता है और अपीलकत्र्ता खुलकर अपना बचाव नहीं कर सकता, नतीजतन उच्च न्यायालय ने भी स्वीकार किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा की संभावनाएं और गुंज़ाइश भी सीमित हैं। उसके बाद मामला सर्वोच्च अदालत में आया था। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में न्यायिक पीठ ने प्रक्रिया और ठोस आधार पर 'मीडिया वन' के पक्ष में फैसला सुनाया। सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि न्यायिक पीठ ने 'तर्कसंगत प्रतिबंध' के मानक भी तय कर दिए और आदेश दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी 'सीलबंद लिफाफे' का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। यह समतल क्षेत्र के खेल की भावनाओं के खिलाफ है। सरकार को अब समानता के चार-पदीय मानकों का बचाव करना ही होगा। जानबूझ कर और मनमाफिक तरीके से अधिकारों को उलटा-पलटा नहीं जा सकता। 'मीडिया वन' के खिलाफ भारत सरकार का निर्णय समानता के मानकों का उल्लंघन करता है। 'गुप्तचर ब्यूरो' की दलील थी कि 'मीडिया वन' सत्ता-विरोधी है, क्योंकि उसने सेना और न्यायपालिका की आलोचना की है। सर्वोच्च अदालत ने सीलबंद लिफाफे को खोला और सरकार के निर्णय का आधार सार्वजनिक हो गया। न्यायिक पीठ ने इन आधारों और दलीलों को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत का मानना था कि भारत सरकार ने 'तार्किक प्रतिबंध' का नियम 'घुड़सवार तरीके' से लिया और एक टीवी चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया। यह अनुच्छेद 19 की सरासर गलत और मनमानी व्याख्या है। राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी ऐसे प्रतिबंध मीडिया पर नहीं लगाए जा सकते। अदालत ने यह भी माना कि देश में ऐसी कई सरकारें हैं, जो पत्रकारिता पर ढक्कन लगाने के मद्देनजर 'तार्किक प्रतिबंध' का इस्तेमाल कर रही हैं, क्योंकि पत्रकार सरकारों के 'नेरेटिव' पर सवाल करते हैं। मीडिया के संवैधानिक अधिकार के पक्ष में सर्वोच्च अदालत का यह फैसला महत्त्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक माना जा सकता है।

कुछ अलग

बहस के आंगन में

राजनीति की अपनी बोलियां और टप्पे हैं, जिन्हें सुन कर हम अंदाजा लगा सकते हैं कि विधानसभा सत्र की बहस में भी नाचते वक्त कभी आंगन टेढ़ा लगता है, तो यह पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों का कदमताल है। हिमाचल के खुलते और बंद होते दरवाजों की नीयत पर शक करें या उन रोशनदानों के लिए जगह पैदा करें, जो भविष्य की रोशनी को खींच लें। सुक्खू सरकार ने जिस दरिया को पार करके अपनी सत्ता का नगर बसाया है, वहां विपक्ष में भाजपा अपना स्थान पुष्ट करना चाहती है और इसी द्वंद्व के मोर्चे पर वाकआउट जैसे नजारे उभरते रहे। कहीं बादलों ने डिनोटिफाइड संस्थानों की पृष्ठभूमि को छुपा लिया, तो विपक्ष मांझी की तरह नगर को छोडक़र फिर नदिया में अपनी नाव चलाने लगा। विधानसभा में आती आवाजें बार-बार बाहर निकल कर हांक लगातीं, तो महिलाओं के हक में कांग्रेस की गारंटियों पर चीखते विपक्ष के लिए पंद्रह सौ रुपए की अदायगी जीने मरने का सवाल बन जाता है। भाजपा का चुनावी मलाल, सत्ता पर चढ़े गुलाल से मुकाबला करते हुए तमाम गारंटियों का हिसाब लेना चाहता है, तो सादगी भरे आश्वासन से मुख्यमंत्री बता देते हैं कि सरकार पूरे पांच साल की करवटों में गारंटियों में भरी उम्मीदों को बांटेगी। भाजपा बार-बार अपनी पूर्ववर्ती सत्ता के मैदान पर छोड़ आई गेंद उठा कर सत्ता पक्ष की तरफ उछालती रही। यह वही गेंद है जो जनमंच के आयोजनों के वक्त अधिकारियों की तरफ उछाली जाती थी। अब अगर सुक्खू सरकार ऐसे शिकायती मंच पर शिरकतनहीं करना चाहती, तो विपक्ष को तर्क रखने का इतना अधिकार तो था कि वह सदन के वेल तक आ कर अपनी शिकायत का तापमान बढ़ा दे। विपक्ष ने सत्तापक्ष के विधायकों को बीच में यह भी सिखा दिया कि सत्र में टाइम टेबल से आने की जरूरत क्या है। एक बार मौका यह भी आया कि योजनावकाश के बाद कुछ देरी से आए सत्ता के नुमाइंदों को विपक्ष ने 'सरकार गुम है' का अलाप सुना दिया। विधानसभा का बजट सत्र सरकार के नए आरोहण का गुलदस्ता पेश कर रहा था, तो विपक्ष के माप तोल बढ़ा रहा था। सरकार नीतियों को बदलने के तरानों में ऐसा कुछ नहीं सुन सकती, जो पिछली सरकार की वकालत करे। इसलिए हिमाचल का बजट 3064 करोड़ बढ़ा दिया जाता है। आउटसोर्स भर्ती को ताले में बंद करके नई परिपाटी में नौकरी बुलंद होगी। सरकार प्रदेश के नक्षत्र बदल कर वाटर सेस लगाना चाहती है, तो समर्थन में विपक्ष भी एक स्वर कह उठता है, 'हिमाचली हक-ऐत्थे रख'। मसले बहुतेरे हैं, तो नए विकल्पों पर सुक्खू सरकार ने एसएमसी शिक्षकों को भी राहत का पैगाम दे दिया। खींचतान के लिए पूर्व सरकार का भुगतान सुक्खू सरकार के बजट का इम्तिहान लेने लगा तो पता चला हिमकेयर के 61 करोड़ भी देने पड़ेंगे। विपक्ष एक ओर सदन में सरकार पर गुमराह करने का आरोप लगाते दिखा तो दूसरी ओर सत्ता पक्ष दस साल में हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की कला पर वक्तव्य देते दिखा। सदन के रौंगटे कोई भी वाकआउट खड़े नहीं कर सकता, लेकिन छोटा सा सवाल भी गहने उतार सकता है। इसलिए अर्थव्यवस्था के नाम पर ऋण लेने पर खूब बाल नोचे गए, लेकिन हिसाब-किताब बता गया कि आगे भी गाड़ी उधार के पेट्रोल पर ही चलेगी। सरकार ओपीएस देने की मुद्रा में बजट सत्र को आश्वासनों से लबालब कर गई, लेकिन कहीं सत्य यह भी निकला कि एनपीएस के कुल 9243 करोड़ पर केंद्र कुंडली मार कर बैठ गया है। विधानसभा सत्र में अफसोस के कई जाम छलकते रहे, जब विपक्ष की आशंकाओं में वर्तमान सरकार के प्रति असंतोष, अविश्वास और अवज्ञा के हुंकारे भरे गए। चुराह के विधायक हंसराज को अफसोस यही था कि कहीं गलती हुई वरना पुराने रहट पर भाजपा ही सत्ता का पानी भरती।

संविधान के मौलिक कत्र्तव्यों में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारत के हर नागरिक का मूल कत्र्तव्य माना गया

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बर्दाश्त नहीं

प्रताप सिंह पटियाल

> आजादी के बाद किशन लाल की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने लंदन ओलंपिक में 12 अगस्त 1948 को इंग्लैंड की टीम को रहाकर 'गोल्ड मेडल' जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था। मल्लिका ए बर्तानियां 'एलिजाबेथ' उस मैच को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थी। जब हॉकी टीम ने आज़ाद भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर हिंदोस्तान पर दो सौ वर्षों तक हुक्रमानी करने वाले ब्रिटेन की रधती पर रितंगा फरहाकर अंग्रेजों को आईना दिखाया था। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने 25 जून 1983 को 'लार्डस' के मैदान में कैरबियाई टीम को शिकस्त देकर विश्व कप जीतकर उसी ब्रिटेन की रधती पर रितंगा फरहाया था। भारत को क्रिकेट का विश्व विजेता बनाने वाले कपिल देव को भारतीय सेना ने 'पंजाब रेजिमेंट' में मानद कर्नल की उपाधि दी है।

भारत का स्वाभिमान राष्ट्रीय ध्वज शान ए तिरंगा अंतर्राष्ट्रीय पटल पर हिंदोस्तान की राष्ट्रीय पहचान को जाहिर करता है। संविधान के मौलिक कत्र्तव्यों में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारत के हर नागरिक का मूल कत्र्तव्य माना गया है। अंग्रेजों से आजादी के लिए देश के सैंकड़ों इंकलाबी युवा तख्ता-ए-दार पर झूल गए। लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानियां के झंडे यूनियन जैक का सूर्यास्त हुआ तथा आजादी के प्रतीक तिरंगे का उदय हुआ। कत्र्तव्य पथ पर जश्न-ए-जम्हुरियत की शुरुआत हो या लाल किले की प्राचीर से जश्न-ए-आजादी का आगाज दोनों कार्यक्रमों का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वजारोहण से ही होता है। वर्तमान में कुछ देशों में भारत विरोधी मनोग्रंथी में डूब चुके तत्वों द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके हिंदोस्तान की संप्रभुता को चुनौती देने की हिमाकत हो रही है। स्मरण रहे देश के सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान देने का हलफ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के समक्ष ही लेते हैं। अतः राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से करोड़ों देशवासियों के साथ खिलाडिय़ों व सैनिकों की भावनाएं सबसे ज्यादा आहत होती हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को वैश्विक स्तर पर गौरव प्रदान करने में सबसे बड़ा योगदान हमारे खिलाडियों व सैनिकों का होता है। इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय खेल मैदानों से लेकर देश की सरहदों तक तिरंगा पूरी शान व शिद्दत से लहराता है। आजादी के बाद किशन लाल की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने लंदन ओलंपिक में 12 अगस्त 1948 को इंग्लैंड की टीम को हराकर 'गोल्ड मेडल' जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था। मल्लिका ए बर्तानियां 'एलिजाबेथ' उस मैच को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थी। जब हॉकी टीम ने आज़ाद भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर हिंदोस्तान पर दो सौ वर्षों तक हुक्मरानी करने वाले ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराकर अंग्रेजों को आईना दिखाया था। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने 25 जून 1983 को 'लार्डस' के मैदान में कैरिबियाई टीम को शिकस्त देकर विश्व कप जीतकर उसी ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराया था। भारत को क्रिकेट का विश्व विजेता बनाने वाले कपिल देव को भारतीय सेना ने 'पंजाब रेजिमेंट' में मानद कर्नल की उपाधि दी है। 2007 में टी ट्वेंटी तथा 2011 में वन डे क्रिकेट विश्व कप जीतकर तिरंगा फहराने वाले

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सेना ने 'पैरा कमांडो' में मानद कर्नल का ओहदा प्रदान किया है। तात्पर्य यह है कि भारत को विश्व विजेता बनाकर तिरंगा फहराने वाले खिलाड़ियों को भारतीय सेना अपने विशेष अंदाज से सम्मानित करती है। 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर चीन की धरती पर तिरंगा फहराने वाले अभिनव बिंद्रा 'सिख रेजिमेंट' के मानद कर्नल है। 2021 टोक्यो ओलंपिक में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगे को वैश्विक खेल पटल पर गौरव प्रदान करने वाले नीरज चोपड़ा 'राजपूताना राइफल' में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। विंग कमांडर 'राकेश शर्मा' ने सन्‌1984 में अंतरिक्ष में तिरंगा फहरा कर भारत का मान बढ़ाया था। 27 अक्तूबर 1947 को भारतीय सेना ने श्रीनगर में तिरंगा लहराकर पाक हुक्मरानों को एहसास करया था कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है। पाक सेना की मंसूबाबंदी को नेस्तानाबूद करके भारतीय सेना ने आठ सितंबर 1965 को लाहौर में तिरंगा फहरा दिया था। हमारे 'राष्ट्रीय गान' में जिस 'सिंध' का जिक्र होता है, कर्नल 'भवानी सिंह' '10 पैरा कमांडो' ने 7 दिसंबर 1971 को उसी सिंध की धरती पर तिरंगा फहराकर पाकिस्तान को भारत की सैन्य हैसियत से रूबरू करवा दिया था। हिमाचल के शूरवीर मेजर 'गुरदेव सिंह जसवाल' 'वीर चक्र' ने 10 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के अंदर घुसकर पाक सेना की किलेबंदी को ध्वस्त करके शकरगढ़ में तिरंगा फहरा कर अपना बलिदान दिया था। कारगिल जंग के नायक कै. बिक्रम बत्रा ने युद्ध के दौरान कहा था कि 'जीत के बाद तिरंगा फहराकर आऊंगा या फिर उसी तिरंगे में लिपटकर आऊंगा लेकिन आऊंगा जरूर'। मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले बिक्रम बत्रा की यह जुनूनी तहरीर सात जुलाई 1999 को सच साबित हुई थी। काबिलेगौर रहे कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को डिजाइन करने वाले 'पिंगली वैंकेया' भी ब्रिटिश भारतीय सेना में सैनिक थे। आजादी से पूर्व सैनिकों को ब्रिटिश साम्राज्य के झंडे 'यूनियन जैक' को सलामी देनी पड़ती थी। उस वक्त पिंगली वैंकेया के जहन में भारत की आजादी के सूचक अपने राष्ट्रीय ध्वज की अहमियत का एहसास हुआ था। 'एंग्लो बोअर' युद्ध (1899-1902) के दौरान पिंगली वैंकेया दक्षिणी अफ्रीका में तैनात थे। उस समय पींगली वैंकेया की मुलाकात दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी से हुई थी। पिंगली वैंकेया के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति मोहिब्बे वतन के जज्बातों से गांधी जी काफी प्रभावित हुए थे। आजादी के बाद भारतीय संविधान सभा ने 22 जुलाई 1947 को तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया था। सन्‌2009 में भारत सरकार ने पींगली वैंकेया पर डाक टिकट जारी किया था। तिरंगे की शान के लिए सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान पूरी अकीदत से करना होगा, मगर विडंबना है कि ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में भारतीय दूतावासों पर लगे तिरंगे का अपमान हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार हर देश को अपने सहयोगी देशों के संबंधित प्रतीक चिन्हों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभानी होती है। भारत के प्रति हिकारत भरी इस कारकर्दगी पर इन देशों की हुकूमत के लब-ए-इजहार पर खामोशी की रजामंदी का आलम कई सवाल खड़े करता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे पर इन मुल्कों को अपना नुक्ता-ए-नजऱ साफ करना होगा। राष्ट्र की अस्मिता के लिए फिदा-ए-वतन होने वाले सैनिकों का अरमान यही होता है कि राष्ट्रीय ध्वज का इकबाल हमेशा बुलंद रहे। अतः हिंदोस्तान के गौरव शान-ए-तिरंगा के अपमान का दुस्साहस बर्दाश्त नहीं होगा। इन घटनाक्रमों पर भारत सरकार विदेशी राजनयिकों को तलब करके अपने एहतेजाज का इजहार करती है। मगर विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान में मुश्तमिल दोषियों पर सख्त कार्रवाई को अमल में लाना होगा जो भविष्य में नजीर बने।

क्लासिक बनाम पॉपुलर और तानसेन का वो सबक

> इंसान के पास अरग एक्सप्रेशन है, वो चीज़ों को ऑब्सज़र्व करता है, तो उसे पूरा हक है कि वो अपने हिस्से का सच, अपनी देखी दुनिया, अपनी भाषा में दुनिया को बताए। और जब वो ऐसा करता है तो उन लाखों करोड़ों लोगों की भी बात करता है जो उसकी ही दुनिया के हैं। अब उसकी दुनिया के लोग उसकी भाषा से, उसके मुद्दों से, उसकी संवेदनाओं से रलिट कर रहे हैं तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। इसलिए बजाए ये शिकायत करने के कि फलां बहुत हल्का लिख रहा है, वो तो जानबूझकर पॉपुरल र इटिंग करता है आपको तो इस बात की तसल्ली होनी चाहिए आज के ज़माने में वो शख्स किसी रतह से लोगों को किताबों से जोड़ तो पा रहा है। इन जुड़ने वालों में बहुत सारे फर्स्ट टाइम र 'रड भी हैं जिन्होंने इससे पहले कोई साहित्यिक किताब पढ़ी भी नहीं यही फर्स्ट टाइम रीरड कल को ग्रो भी करेगा। वो जैसी चीज़ों से आकर्षित होकर किताबों की रतफ आया है कल को वो उससे भी बेहरत पढ़ना चाहेगा। वक्त के साथ उसकी भी बौद्धिक प्यास बढ़ेगी इसमें तो कोई शिकायत होनी ही नहीं चाहिए। मरग शिकायत तो रह दिन सुनने को मिलती है। इसलिए शिकायत करने वालों को ये खुद से पूछना है कि उनकी शिकायत लोकप्रिय लेखकों के औसत लिखने से है या इस औसत लिखने से मिली उनकी शोरहत से। दूसरा कड़वा सच ये है कि आप जीवन में बौद्धिकता के किसी भी पायदान पर क्यों न खड़े हों।

सोशल मीडिया पर साहित्य को लेकर पॉपुलर बनाम क्लासिक की चर्चाएं अक्सर सुनता रहता हूं। इन चर्चाओं में क्लासिक के पक्षधर लोग साहित्य में पॉपुलर लोगों की अक्सर टांग खिंचाई करते ही दिखते हैं। वो बताते हैं कि कैसे जो क्लासिक चीज़ है वही याद रखी जाएगी और किसी तरह पॉपुलर चीज़ें लिखने वाले दोयम दर्जे का काम कर रहे हैं। वहीं पॉपुलर माने जाने वाले लोगों को अक्सर लगता है कि इस तरह की चर्चाएं करने वाले जलनखोर लोग हैं। जो सिर्फ उनकी लोकप्रियता से चिढ़ते हैं और उसी चिढ़ की वजह से बार-बार ये मुद्दा छेड़ते हैं। मगर मुझे लगता है कि ये पूरा मामला लोकप्रिय और क्लासिक का है ही नहीं और न ही इसे ऐसे देखा जाना चाहिए। किसी भी लेखक से किसी और जैसा हो जाने का आग्रह करना या उम्मीद रखना ही गलत है। हर इंसान एक अलग पृष्ठभूमि से आता है। उस पृष्ठभूमि से वो अपने लिए अलग कच्चा माल लेकर आता है। उसके भाषायी संस्कार भी अलग होते हैं। अब इस इंसान के पास अगर एक्सप्रेशन है, वो चीज़ों को ऑब्सज़र्व करता है, तो उसे पूरा हक है कि वो अपने हिस्से का सच, अपनी देखी दुनिया, अपनी भाषा में दुनिया को बताए। और जब वो ऐसा करता है तो उन लाखों करोड़ों लोगों की भी बात करता है जो उसकी ही दुनिया के हैं। अब उसकी दुनिया के लोग उसकी भाषा से, उसके मुद्दों से, उसकी संवेदनाओं से रिलेट कर रहे हैं तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। इसलिए बजाए ये शिकायत करने के कि फलां बहुत हल्का लिख रहा है, वो तो जानबूझकर पॉपुलर राइटिंग करता है आपको तो इस बात की तसल्ली होनी चाहिए आज के ज़माने में वो शख्स किसी तरह से लोगों को किताबों से जोड़ तो पा रहा है। इन जुड़ने वालों में बहुत सारे फर्स्ट टाइम रीडर भी हैं। जिन्होंने इससे पहले

कोई साहित्यिक किताब पढ़ी भी नहीं। यही फर्स्ट टाइम रीडर कल को ग्रो भी करेगा। वो जैसी चीज़ों से आकर्षित होकर किताबों की तरफ आया है कल को वो उससे भी बेहतर पढ़ना चाहेगा। वक्त के साथ उसकी भी बौद्धिक प्यास बढ़ेगी। इसमें तो कोई शिकायत होनी ही नहीं चाहिए। मगर शिकायत तो हर दिन सुनने को मिलती है। इसलिए शिकायत करने वालों को ये खुद से पूछना है कि उनकी शिकायत लोकप्रिय लेखकों के औसत लिखने से है या इस औसत लिखने से मिली उनकी शोहरत से। दूसरा कड़वा सच ये है कि आप जीवन में बौद्धिकता के किसी भी पायदान पर क्यों न खड़े हों। खुद को कितना भी Intellectual क्यों न मानते हों मगर आपके ऊपर भी ऐसी विधा, ऐसे लोग होंगे जिनकी नज़र में आप औसत हैं। वो भी आपको क्लासी नहीं मानते होंगे। रफी को पंसद करने वालों की नज़र में अरिजीत सिंह हल्के हैं। गुलाम अली को पसंद करने वालों के लिए रफी में वो बात नहीं। क्लासिक संगीत के चाहने वालों को हो सकता है गुलाम अली भी बाज़ारू लगते हों। साहित्य में भी कुछ लोग व्यंग्य को विधा मानने को तैयार नहीं। कहानीकार व्यंग्यकार को भाव नहीं देता। उपन्यासकार कहानीकार को और कवि को तो लगता ही है कि सबसे ज़्यादा रचनात्मक काम कविता करना ही है। हर दूसरा कलाकार किसी दूसरे की कलात्मक हैसियत तय कर रहा है। मूल बात ये है कि एक समाज संवेदनाओं के, बौद्धिकता के कई स्तरों पर एक साथ जी रहा होता है। इन्हीं अलग-अलग स्तरों से अभिव्यक्ति करने के लिए लोग भी आते हैं जिन्हें समाज कलाकार कहता है। अगर हम ये ज़िद्द पाल लें कि नहीं, हम जो बता रहे हैं वही आदर्श है, वही पवित्र है, तो न तो ये रचनाकारों के साथ न्याय होगा और न ही कला की अलग-अलग समझ रखने वाले लोगों के साथ। मगर दिक्कत ये होती है कि जब बतौर चिंतक, बतौर क्रिएटर हम खुद को कहीं प्लेस करने लगते हैं। खुद की एक हवाई छवि बना लेते हैं। फिर हमारी वो छवि अच्छे-बुरे के पैमाने तैयार करती है और जब किसी का काम उन पैमानों पर खरा नहीं उतरता, तो हम उसे सिरे से ही खारिज कर देते हैं। खासतौर पर उन लोगों का काम जो हमारे तय पैमानों से हल्का है लेकिन ज़्यादा लोकप्रिय हो गया है। लोगों को बुरे काम की परवाह कहां होती हैं। अंग्रेज़ी में भी दसियों लोग हर रोज़ बुरी किताबें लिख रहे हैं मगर चेतन भगत से लोगों की तकलीफ ये है कि वो इतना औसत लिखकर भी इतने लोकप्रिय कैसे हो गए। इतना पैसा कैसे कमा रहे हैं। मगर ये तकलीफ भी व्यर्थ है। क्योंकि मुझे लगता है कि एक कलाकार के लिए आज का वक्त जितना लोकतांत्रिक है उतना शायद ही पहले कभी रहा हो। आज एक औसत चीज़ के लिए मंच और बाज़ार मौजूद है तो एक क्लासिक के लिए भी है। अगर यूट्यूब पर एक फूहड़ कॉमेडी का वीडियो लाखों व्यूज़ पाता है तो विकास दिव्यकीर्ति सर के 'दर्शन क्या है' विषय पर बने दो घंटे के वीडियो को भी लाखों लोग देखते हैं। अगर चेतन भगत की किताबों को लाखों लोग पढ़ते हैं तो 'क्लासी' अमीश त्रिपाठी भी अंग्रेज़ी के सबसे ज़्यादा बिकने वाले लोगों में एक हैं। अगर इंस्टा और यूट्यूब पर double मीनिंग कंटेट खूब देखा जाता है तो इसी दौर में पंचायत प्राइम वीडियो पर साल की सबसे ज़्यादा देखी जानी वाली सीरीज़ भी बनती है। इसलिए शिकायत की कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं है। न शिकायत मंच की है और न ही ऑडियंस की। असल सवाल ये ही कि आप जिस भी ऑडियंस के लिए, पाठक के लिए कंटेंट तैयार कर रहे हैं क्या आप वाकई उससे जुड़ रहे हैं? आप ऊबाऊ, घिसी पिटी, ज़बरदस्ती की बौधिकता से लदी बात को क्लासिक बताकर पेश करें और कोई न पढ़े तो ये नहीं कह सकते कि जनता का तो टेस्ट ही खराब है। ऐसा करके आप अपनी हीनता पर तो विजय पा जाएंगे, मगर उसका रचनात्मक हासिल कुछ नहीं होगा। इसलिए बिना किसी बात की परवाह किए अपना काम कीजिए। आपके काम में दम है, उसमें Conviction है तो वो अपना पाठक/दर्शक ढूंढ ही लेगा। इस बात की चर्चा एक पैसा भी कोई मायने नहीं रखती कि फलां बाज़ारू है। फलां हल्का है। हकीकत तो ये है कि गुणवत्ता के नाम पर जब हम बार-बार दूसरों की आलोचना कर रहे होते हैं तो इसके साथ ही हम ये भी स्थापित कर रहे होते हैं कि मैं जो कर रहा हूं वही शास्त्रीय है। अगर दूसरों की आलोचना के बहाने खुद को महान बताने का भाव है, तो ये भाव तो बुरा लिखने से भी ज़्यादा बुरा है।

देश दुनीया से

यहां झाड़ियां बचाती हैं जान

जिस दिन हम लोग काजीरंगा पहुंचे, पता चला कि उसके ठीक एक दिन पहले एक गैंडे ने पास के ही चाय बागान में खूब उधम मचाया था। काजीरंगा के आसपास गैंडे ठीक वैसे ही उधम मचाते हैं, जैसे उत्तर प्रदेश के बिजनौर और साहनपुर रेंज से सटे इलाकों में हाथी। बस फर्क यह है कि हाथी यहां गन्ने के लालच में भागे चले आते हैं तो गैंडों का अभी तक ठीक-ठीक पता नहीं चल पाया कि उन्हें किस चीज का लालच है। आखिर चाय की पत्तियां तो वे भी नहीं चरते। चाय बागान में लगे वृक्षों पर कालीमिर्च की जो बेलें चढ़ाई रहती हैं, वे भी उन्हें रास नहीं आतीं। हमारे पहुंचने से पहले गैंडे ने जिस इलाके में उधम मचाया था, वहां रहने वाले अधिकतर लोग खासी जनजाति के थे। खासी जनजाति भारत की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। बेहद परिश्रमी यह जनजाति असम, मेघालय और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में रहती है। समुदाय के अधिकतर लोग मेघालय के पूर्वी हिस्से में खासी और जयंतिया पहाड़ियों में रहते हैं। ये लोग सदियों से गैंडों के साथ रहते आए हैं और इन्हें अच्छे से पता होता है कि गैंडों का इलाज कैसे किया जाता है। जिस गांव में गैंडा जंगल से भटककर आया था, वक्त निकालकर मैंने उसका एक चक्कर लगाया। पूरे गांव में कुछेक पक्के घर छोड़ दें तो ऐसी कोई भी चीज नहीं दिखी- जिससे गैंडों को रोका जा सके। यह दोपहर का समय था और लगभग सभी लोगचाय बागान में बनी झोपड़ियों में भोजन कर रहे थे। ऐसी ही एक झोपड़ी के सामने मैं रुका। पहले तो यह पता किया कि उनमें किसी को हिंदी आती है या नहीं। टूटी-फूटी हिंदी में बात समझने और समझाने वाले दो-तीन लोग थे। ऐसे ही एक गांव वाले से मैंने पूछा कि आप लोग अपनी सुरक्षा का समुचित इंतजाम क्यों नहीं रखते? मुझे ऊपर से नीचे तक देखते हुए उसने रूखे स्वर में पूछा, 'बाहर से आए हो?' मैंने कहा, 'हां, क्या मेरी शक्ल से नहीं दिखता?' खासी लोग बेहद गुस्सैल माने जाते हैं। मेरे साथ चल रहे लोगों ने भी उनसे उलटी बात करने से मना किया था। मगर मेरे सवाल पर वह बेतरह हंस पड़ा। बोला, तभी ऐसा सवाल पूछ रहे हो। यहां रहते होते, तो गैंडों के साथ रहने की आदत पड़ जाती। तब पता लगता कि हम लोगों ने शहरों की तरह बड़ी-बड़ी दीवारें क्यों नहीं बनाई हैं। तब तक कुछ और गांव वाले इकट्ठा हो चुके थे। उनमें से कुछ ने चाय बागान दिखाने की पेशकश की तो मैंने पूछा कि गैंडा किसके बागान में आया था? पता चला कि जिसके बागान में आया था, वह कम से कम तीन पहाड़ी पार है और पैदल ही पहुंचा जा सकता है, जिसमें कम से कम घंटे भर का समय लगेगा। यह सुनकर मैंने उस बागान में जाने का विचार छोड़ दिया और पूछा, भगाया कैसे था? आमतौर पर जब गैंडे आपके बागानों में आते हैं तो आपलोग क्या करते हैं? पता चला कि पहली बात यह कि गैंडे के कभी सामने नहीं आना चाहिए। जिसने भगाया, वह भी उसे पीछे से किसी बैल की तरह ही लाठी लेकर हांकता रहा। क्या गैंडा पीछे नहीं मुड़ा? या क्या गैंडे पीछे मुड़कर हमला नहीं करते? खासियों ने बताया कि आमतौर पर तो वे पीछे नहीं मुड़ते। और अगर मुड़ते भी हैं तो हम झट से चाय की झाड़ियों में छुप जाते हैं। यानी चाय की ये झाड़ियां ही आपकी सेफ्टी वॉल हैं? मैंने पूछा। सारे गांव वाले एक स्वर में बोले- हां।

> आखिर चाय की पत्तियां तो वे भी नहीं चरते। चाय बागान में लगे वृक्षों पर कालीमिर्च की जो बेलें चढ़ाई रहती हैं, वे भी उन्हें रास नहीं आतीं। हमारे पहुंचने से पहले गैंडे ने जिस इलाके में उधम मचाया था, वहां रहने वाले अधिकतर लोग खासी जनजाति के थे। खासी जनजाति भारत की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। बेहद परिश्रमी यह जनजाति असम, मेघालय और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में रहती है। समुदाय के अधिकतर लोग मेघालय के पूर्वी हिस्से में खासी और जयंतिया पहाड़ियों में रहते हैं। ये लोग सदियों से गैंडों के साथ रहते आए हैं और इन्हें अच्छे से पता होता है कि गैंडों का इलाज कैसे किया जाता है। जिस गांव में गैंडा जंगल से भटककर आया था, वक्त निकालकर मैंने उसका एक चक्कर लगाया। पूरे गांव में कुछेक पक्के घर छोड़ दें तो ऐसी कोई भी चीज नहीं दिखी- जिससे गैंडों को रोका जा सके। यह दोपहर का समय था और लगभग सभी लोगचाय बागान में बनी झोपड़ियों में भोजन कर रहे थे। ऐसी ही एक झोपड़ी के सामने मैं रुका। पहले तो यह पता किया कि उनमें किसी को हिंदी आती है या नहीं। टूटी-फूटी हिंदी में बात समझने और समझाने वाले दो-तीन लोग थे।

नागरिक बोध

हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही पिछले कई दिनों से अनियमित

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने लंदन में देश पर बयानबाजी करने के बाद दोनों पार्टियों के बीच विवाद का अंत अभी तक नही हो पाया है। सदन चरम पर है। मोदी के साथ अडाणी के तस्वीर दिखाकर राहुल ने विवाद को जन्म दिया। उसके पूर्व नारे बाजी कर कांग्रेस ने अडाणी के नाम का इस्तेमाल कर मोदी को घेरते जा रहे है। लोकसभा और राज सभा मे कई दिनों से कोई स्थाई कार्रवाई नही हुई है। जब भी सभा लगती है। कांग्रेस जेपीसी की जांच की मांग कराकर हंगामा खड़ा कर देती है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सदन में अभिभाषण प्रस्ताव के बाद विरोध की राजनीति बढ़ती जा रहे है। बजट सत्र के बाद सदन में लोकसभा सदस्यों की बैठक में विपक्ष हर बात पर रोड़े अटका रहा है। लिहाजा, सदन में कोई चर्चा नही हो पाई है। राहुल की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद कांग्रेस के तेवर बढ़ गए है। देश का सदन हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद आज दिन तक सदन की कार्रवाई को ग्रहण लगा हुआ है। भाजपा घेरने की नीति से विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों पर नकेल कसने के लिए सुप्रीम का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन वहां भी निराशा हाथ लगी है। कांग्रेस के हर कदम पर अवरोध दिखाई दे रहा है। वंशवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति करने वालो को भाजपा को लड़ने की प्रेरणा भगवान से मिलने की बात भाजपा के 44वे स्थापना दिवस के मौके पर मोदी ने कही थी। लोकसभा को नही चलने देने के पीछे कांग्रेस की नीति भाजपा और मोदी को हमेशा टारगेट करने की है। कांग्रेस ने राहुल को अडाणी मसले पर जोर नही देने और कर्नाटक चुनाव के प्रचार के दौरान कोलार मे होने वाली प्रस्तावित रैली में भाजपा पर मौन रहने की नसियत राहुल कोदी है। कांग्रेस हंगामा खड़ा करने में माहिर है। कांग्रेस पार्टी के पास कोई मुद्दे नही होने के कारण भाजपा को अडाणी के मुद्दे पर घेरने का मंसूबा पाल रखा है।

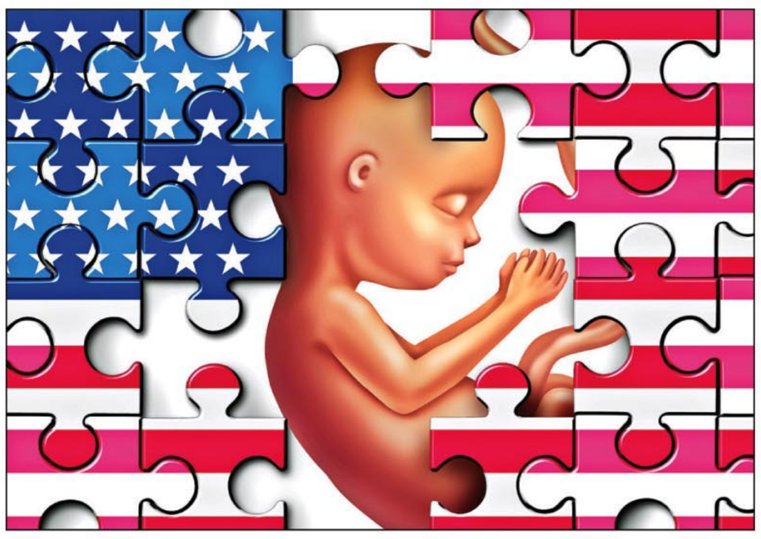

अमेरिका में अबॉर्शन पर फिर हंगामा : ट्रम्प के नियुक्त किए जज ने गर्भनिरोधक दवा पर रोक लगाई, दूसरे जज ने हटाई, आगे क्या होगा

वॉशिंगटन।

अमेरिका के टेक्सास राज्य के एक जज ने गर्भ निरोधक दवा माइफप्रिस्टोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने का फैसला सुनाया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक जिस जज मैथ्यू कासमारिक ने ये फैसला सुनाया है उसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नियुक्त किया था। इस फैसले से अमेरिका में एक बार फिर गर्भपात के अधिकार पर विवाद शुरू हो गया है।

जज ने गर्भनिरोधक दवाओं पर अपनी राय 67 पेजों में लिखकर दी है। इस फैसले से अमेरिका के जिन राज्यों में गर्भपात पर पाबंदी नहीं लगी थी, वहां की महिलाओं के लिए भी अबॉर्शन मुश्किल हो जाएगा। जज ने अमेरिका के फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट को इस फैसले के खिलाफ दूसरी कोर्ट में जाने के लिए 7 दिन का समय दिया है।

ओबामा के नियुक्त किए जज ने फैसला पलटा – एक तरफ जहां ट्रम्प के नियुक्त किए टेक्सास के फेडरेल जज ने गर्भपात के खिलाफ फैसला सुनाया है। वहीं, इसी फैसले को वॉशिंगटन में ओबामा के नियुक्त किए जज ने एक घंटे में पलट दिया। इन्होंने कहा कि अमेरिका के 17 राज्यों में पहले की तरह ही माइफप्रिस्टोन नाम की गर्भनिरोधक दवा का इस्तेमाल किया जा सकता है। दरअसल, अमेरिका में गर्भपात के लिए इस दवा का इस्तेमाल 20 सालों से जारी है। बीबीसी के मुताबिक दोनों जजों के फैसले परस्पर विरोधी होने के चलते मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना तय है।

गर्भपात विरोधियों ने दायर की थी याचिका – दरअसल, गर्भपात विरोधी समूह ने टेक्सास में दायर याचिका में गर्भपात की दवा को हानिकारक बताया था। जिसके बाद जज कासमारिक ने कहा था कि अमेरिका के फूड और ड्रग विभाग ने सही जांच किए बिना इसके इस्तेमाल की मंजूरी दे दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि एफडीए ने महिलाओं की मानसिक स्थिति पर होने वाले असर का भी ठीक से आंकलन नहीं किया। जबकि, एफडीए ने 2020 में इस दवा को मंजूरी देने से पहले इस पर 4 साल लगा दिए।

जज का फैसला राजनीति से प्रेरित – अमेरिका की मेनस्ट्रीम मेडिकल संस्थाएं इस दवा के पूरी तरह से सेफ होने का दावा करती आ रही हैं। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर एलीसन व्हेलन ने कहा कि जज ने फैसले में बार-बार फीटस (भ्रूण) शब्द की जगह पैदा नहीं हुआ इंसान शब्द का इस्तेमाल किया। ये भड़काने वाली बात है। इससे साफ होता है कि उनका फैसला राजनीति से प्रभावित है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति अल्वी पर भड़के पाकिस्तान के पीएम : शहबाज ने कहा- पीटीआई कार्यकर्ता की तरह कर रहे काम, ये आरोप भी लगाए

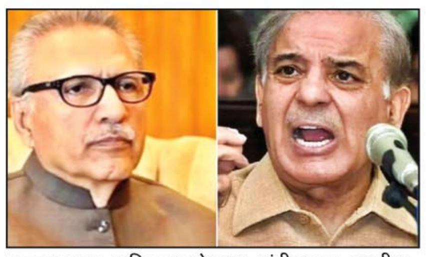

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर) बिल, 2023 को बिना पास किए वापस लौटाने के डॉ. अल्वी के फैसले की शहबाज ने आलोचना की। गुस्से में शहबाज ने राष्ट्रपति अल्वी को इमरान खान की पार्टी पीटीआई का कार्यकर्ता तक कह डाला। बिल का उद्देश्य मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों को कम करना है। जिसमें स्वप्रेरणा और पीठों का गठन शामिल है। उधर, पीटीआई ने कानून पारित करने के कदम की कड़ी निंदा की है और कहा है कि यह न्यायपालिका पर हमला है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर) बिल, 2023 को अहस्ताक्षरित लौटाने के लिए राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी की आलोचना की और उन्हें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का कार्यकर्ता बताया। शहबाज ने एक ट्वीट में कहा, राष्ट्रपति अल्वी ने संसद द्वारा विधिवत पारित सर्वोच्च न्यायालय के विधेयक को लौटाना सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने कार्यों के माध्यम से अपने कार्यालय को छोटा कर दिया है क्योंकि वह संविधान और अपने कार्यालय की मांगों से अधिक इमरान नियाजी के प्रति समर्पित हैं। शहबाज ने आगे कहा कि राष्ट्रपति ने अपने कार्यों से अपने कार्यालय का अपमान किया है क्योंकि वह अपने संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के बजाय पीटीआई प्रमुख के आदेशों का पालन करते हैं।

बलूचिस्तान में अपहरण, हत्या से नागरिकों में डर का माहौल, पाक मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में खुलासा

लाहौर। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना द्वारा किए जा रहे अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। बलूचिस्तान से आए दिन लोगो के अपहरण और हत्या की खबरें आती रहती हैं। वहीं अब पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) की रिपोर्ट ने साफ कर दिया है वहां के नागरिक डर के माहौल में जी रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान प्रांत में लोगों के जबरन गायब होने, आर्थिक बहिष्कार, प्रेस की आजादी पर पाबंदियों से जनता में हताशा बढ़ी है। एचआरसीपी टीम ने मानवाधिकार रक्षकों, वकीलों, पत्रकारों, और मछुआरा समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ ग्वादर, तुरबत, पंजगुर और क्वेटा में राजनीतिक नेताओं और प्रशासन के सदस्यों सहित नागरिक समाज के सदस्यों से बात की। एचआरसीपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां के नागरिक असंतोष को दबाने के लिए राज्य द्वारा जबरन लोगों को गायब करने पर चिंतित है। बलूचिस्तान प्रांत में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति ने पाक सरकार के लिए समस्याओं को और जटिल कर दिया है। शहबाज सरकार पाकिस्तान में चरमराती अर्थव्यवस्था को ठीक करने की कोशिश कर रही है। वहीं पाकिस्तान आतंकवाद की चपेट में है, आतंकवाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सबसे ज्यादा है लेकिन बलूचिस्तान, पंजाब और सिंध प्रांत भी आतंकियों के गढ़ हैं।

सीरिया से इस्राइल की ओर फिर दागे गए तीन रॉकेट, इस्राइली सेना ने हमले को किया नाकाम

तेल अवीव। इस्राइली सेना ने कहा, सीरिया से उसके सीमा क्षेत्र की ओर तीन और रॉकेट दागे गए, जिसे सीमा में घुसने से पहले ही इंटरसेप्ट कर मार गिराया गया। इससे पहले भी सीरिया की ओर से तीन रॉकेट दागे गए थे। इस तरह 24 घंटे के भीतर इस्राइल की ओर कुल छह रॉकेट दागी गईं। इस्राइल की सेना ने कहा कि उसने सीरिया से किए गए हमले का जवाब दिया है। यरुशलम में तनाव को लेकर कई मोर्चों पर बढ़ती हिंसा और इस्राइली शहर के सबसे संवेदनशील पवित्र स्थल पर पुलिस के छापे के बाद रॉकेट दागे गए। सेना ने कहा कि दूसरे बैराज में, दो रॉकेट इस्राइल की सीमा पार कर गए।

रूस से रेस्क्यू किए गए 31 बच्चे यूक्रेन लौटे

मां-बाप से लिपटकर रोने लगे, बोले- हमें जानवरों की तरह रखा जाता था

कीव।

जंग के दौरान यूक्रेन से अपहरण या डिपोर्ट कर रूस ले जाए गए कई बच्चे अपने परिवार के पास लौट गए। एक लंबे ऑपरेशन के बाद यूक्रेन में 31 बच्चे अपने मां-बाप के पास पहुंचे। इन बच्चों को जंग के बीच रूस या रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में डिपोर्ट कर दिया गया था। कीव पहुंचते से ही मांओं ने अपने बच्चों को गले से लगा लिया।

चार देशों की यात्रा करके यूक्रेन पहुंचे इन बच्चों को बचाने के पीछे एनजीओ ग्रुप सेव यूक्रेन का हाथ है। पिछले एक साल में वो ऐसे 95 बच्चों को रेस्क्यू कर चुका है। महीनों बाद अपने घर लौटे बच्चे अपने माता-पिता से मिलते ही रोने लगे। इस दौरान परिवार वालों की आंखों में भी आंसू थे।

समर कैंप के नाम पर भेजा गया था क्रीमिया

रेस्क्यू किए गए 31 बच्चों में शामिल 13 साल की एक लड़की दशा रक्क ने बताया- पिछले साल जंग शुरू होने के बाद मैं और मेरी बहन रूसी कब्जे वाले खेरसॉन को छोड़कर कुछ हफ्तों के लिए क्रीमिया में एक हॉली-डे कैंप चले गए। कुछ दिन तक वहां रहने के बीद एक दिन रूसी अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को ज्यादा समय के लिए रोका जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमें कुछ परिवार गोद लेंगे। हमें जैसे ही इसका पता चला तो हम सब रोने लगे और घर वापस भेजे जाने की गुहार लगाने लगे।

पिछले महीने 18 बच्चों को बचाया गया था

दशा की मां ने बताया कि अपने बच्चों को वापस लाने के लिए वो यूक्रेन से पोलैंड, बेलारूस और मॉस्को होते हुए क्रीमिया पहुंची थीं। इस दौरान वो कई रातों तक सो नहीं पाई थीं। क्रीमिया में फेंसिंग के पीछे रोते हुए मासूमों को छोड़ना उनके लिए दुखद था। रूस ले जाए गए बच्चों को बचाने के लिए पांचवां ऑपरेशन चला रहे सेव यूक्रेन एनजीओ ने पिछले महीने भी 18 बच्चों को रेस्क्यू किया था।

कॉकरोच-चूहों के बीच रहते थे बच्चे

कीव पहुंचने के बाद बच्चों ने बताया कि उन्हें कॉकरोच और चूहों के बीच में रखा जाता था। इस दौरान 4-6 महीने तक एक कैंप में रहने के बाद उन्हें दूसरी जगह पर शिफ्ट भी किया जाता था। खेरसॉन से रेस्क्यू की गई एक बच्ची विताली ने कहा- हमें एक अलग बिल्डिंग में बंद कर दिया गया था। वहां हमें जानवरों की तरह रखा जाता था। हमसे कहा गया था कि हमारे परिवार वाले हमें वापस नहीं लेना चाहते हैं।

रूस खारिज करता है किडनैपिंग के आरोप

एनजीओ ग्रुप की हेड मायकोला कुलेबा ने बताया- खारकीव और खेरसॉन से समर कैंप के नाम पर यूक्रेनी बच्चों को क्रीमिया भेज दिया गया था। इनके मां-बाप से जबरदस्ती इन्हें 2-3 हफ्तों के लिए भेजने को कहा गया था। लेकिन समय पूरा होने के बाद भी बच्चों को वापस नहीं भेजा गया। वहीं रूस लगातार बच्चों को किडनैप या डिपोर्ट करने के आरोपों को खारिज करता आया है। उसके मुताबिक इन बच्चों को सुरक्षा के लिहाज से ही परिवार से दूर भेजा गया है।

पुतिन के खिलाफ जारी हुआ था अरेस्ट वारंट

इससे पहले, 17 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वारंट जारी किया था। उन पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोप लगे हैं। घटना के बाद से रूस भड़का हुआ है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा था- कानूनी तौर पर रूस के लिए इस गिरफ्तारी वारंट का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि रूस इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की रोम स्टैट्यूट का हिस्सा नहीं है।

19 हजार यूक्रेनी बच्चों को डिपोर्ट किया गया

अरेस्ट वारंट जारी करते हुए आईसीसी ने कहा था कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि पुतिन ने न सिर्फ इन अपराधों को अंजाम दिया, बल्कि इसमें दूसरों की भी मदद की। कोर्ट ने कहा था- पुतिन ने बच्चों के अपहरण को रोकने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बच्चों को डिपोर्ट करने वाले अन्य लोगों को रोका नहीं, कार्रवाई नहीं की। यूक्रेन के नेशनल डेटाबेस के मुताबिक, 14 महीने से चल रही इस जंग में अब तक करीब 19 हजार बच्चों को डिपोर्ट किया जा चुका है।

सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगा रही ईरान सरकार, हिजाब न पहनने वाली महिलाओं की ऐसे होगी निगरानी

तेहरान।

ईरान सरकार सख्त हिजाब कानून के खिलाफ प्रतिरोध की आवाज को दबाने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रही है। वह सार्वजनिक स्थानों पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगा रही है, ताकि महिलाओं की निगरानी की जा सके। बीते कुछ महीनों पहले नैतिक पुलिस की हिरासत में एक युवती की मौत हो गई थी। इसके बाद देशभर में जगह-जगह प्रदर्शन हुए थे। दुनियाभर के मीडिया में इसको लेकर खूब चर्चा हुई थी। महिलाओं ने अपने बाल काटकर विरोध जताया था।

इस देश में महिलाओं को लेकर सख्ती बरती जाती है। यहां महिलाओं को हिजाब पहनने के सख्त आदेश हैं। हिजाब को अनिवार्य ड्रेस कोड लागू किया गया है। हालांकि, ड्रेस कोड की सख्ती के खिलाफ महिलाएं सड़कों पर आने लगी हैं। इससे घबराकर ईरान सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने का फैसला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी के जरिए महिलाओं को चिह्नित किया जाएगा और फिर उन्हें अनिवार्य ड्रेस कोड की अवहेलना करने पर सजा दी जाएगी। सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर कैमरे लग रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि उनकी पहचान होने के बाद नियम का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी दी जाएगी।

दरअसल, यह पूरा विवाद 22 वर्षीय ईरानी युवती महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुआ। ईरान की पुलिस ने महसा को इसलिए हिरासत में ले लिया था, क्योंकि उसने सिर को हिजाब से ठीक से नहीं ढका हुआ था। महसा की पुलिस हिरासत में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई थी। इसके बाद देशभर में हिंसक प्रदर्शन भी हुए। हिंसक झड़पों के दौरान कई लोगों की मौत भी हुई।

इस घटना के बाद से अनिवार्य ड्रेस का विरोध करने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकार ने जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं।

ईरान का ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें महिलाओं बिना हिजाब के किसी दुकान के अंदर खड़ी हैं। इसी दौरान उन पर इसलिए हमला हुआ, क्योंकि उन्होंने हिजाब नहीं पहना हुआ था।

सऊदी प्रतिनिधिमंडल पहुंचा ईरान, दूतावासों को फिर से खोलने पर होगी चर्चा

रियाद।

ईरान और सऊदी अरब के बीच फिर से एक नई शुरुआत हो सकती है। सऊदी विदेश मंत्रालय के अनुसार सऊदी अरब का एक राजनयिक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है यहां सऊदी अधिकारी तेहरान में रियाद के दूतावास फिर से खोलने पर चर्चा करेंगे। सात साल के बाद कोई सऊदी प्रतिनिधिमंडल ईरान की यात्रा पर पहुंचा है। दोनों देशों के अधिकारी आधिकारिक संबंधों की बहाली, दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को फिर से खोलने और आपसी हितों को मजबूत करने पर चर्चा कर सकते हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी के हवाले से कहा कि यह यात्रा 2016 में टूटे हुए संबंधों को बहाल करने के लिए चीन की मध्यस्थता से दो क्षेत्रीय शक्तियों के बीच 10 मार्च को हुए त्रिपक्षीय समझौते को लागू करने का हिस्सा है। 10 मार्च को ईरान और सऊदी अरब के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक में, ईरान के होसैन अमीर-अब्दोल्लाहियान और सऊदी अरब के राजकुमार फैसल बिन फरहान अल सऊद ने अपने संबंधित देशों में दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को फिर से खोलने के लिए

एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

एसपीए ने कहा कि एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल ने तेहरान में विदेश मंत्रालय में ईरान के प्रोटोकॉल प्रमुख से मुलाकात की। गुरुवार को, सऊदी अरब और ईरान ने दो महीने की अवधि के भीतर दोनों देशों में राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने पर सहमति व्यक्त की थी, जैसा कि मार्च में सहमति हुई थी। एक संयुक्त बयान के अनुसार, बीजिंग में विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और उनके ईरानी समकक्ष होसैन अमीर अब्दुल्लाहियान के बीच ऐतिहासिक बैठक हुई थी।

इमरान खान की याचिका पर 12 अप्रैल को सुनवाई, अयोग्य करार देने के फैसले को दी है चुनौती

लाहौर।

लाहौर हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ तोशखाना भ्रष्टाचार मामले की बहुप्रतीक्षित सुनवाई के लिए 12 अप्रैल की तारीख तय की। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, न्यायमूर्ति शाहिद बिलाल हसन की अध्यक्षता वाली लाहौर हाईकोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट दोनों पक्षों को अपनी दलीलें पेश करने की अनुमति देगी। पाकिस्तान में तोशाखाना एक सरकारी विभाग है, जहां अन्य सरकारों के प्रमुखों, विदेशी हस्तियों द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए उपहारों को रखा जाता है। इमरान खान पर तोशाखाने में रखे गए तोहफों (जिसमें उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री होने के नाते मिली एक महंगी घड़ी भी शामिल है) को कम दाम पर खरीदने और फिर उन्हें बेचकर लाभ कमाने का आरोप है। इमरान खान को बिक्री का विवरण साझा नहीं करने के कारण उन्हें पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा अयोग्य घोषित

कर दिया गया था। चुनाव निकाय ने बाद में देश के प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त उपहारों को बेचने के लिए आपराधिक कानूनों के तहत उन्हें दंडित करने के लिए जिला अदालत में शिकायत दर्ज की। 18 मार्च को इस्लामाबाद में न्यायिक परिसर के बाहर तीव्र झड़पें हुईं, जब खान लाहौर से तोशखाना मामले में बहुप्रतीक्षित सुनवाई में भाग लेने पहुंचे। क्रिकेटर से राजनेता बने खान को पिछले साल अप्रैल में अविश्वास मत हारने के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, वह नेशनल असेंबली द्वारा मतदान के बाद बाहर होने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बने। इमरान अपने निष्कासन के बाद से ही वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के लिए देश में मध्यावधि चुनाव की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है। ये उपहार या तो तोशाखाना में जमा रहते हैं या नीलाम किए जा सकते हैं और इसके माध्यम से अर्जित धन को राष्ट्रीय खजाने में जमा किया जाता है। कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे।

पाकिस्तान में पोलियो पिलाने वाली महिलाओं से छेड़छाड़

शर्टलेस होकर अश्लील इशारे-किसी को घर में किया बंद, 7 महीने से बिना सैलरी कर रहीं काम

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में महिला स्वास्थ्यकर्मियों को अपशब्दों, छेड़छाड़, यौन हमले का सामना करने से लेकर बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। कंगाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में महिला स्वास्थ्य कर्मियों को पिछले सात महीने से सैलरी नहीं मिली है। पूरे देश की स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों ने हड़ताल फिर से शुरू कर दी है। यहां के खैबर पखतूनख्वा में इन हेल्थ वर्कर की हालत सबसे खराब है।

घर में अंदर बुलाकर पुरुष करते हैं छेड़खानी – जान जोखिम में डालकर लेडी हेल्थ वर्कर घर-घर पहुंच बच्चों की जानकारी लेती हैं और उन्हें टीका लगाती हैं। हालांकि, यह काम उनके लिए इतना जोखिम भरा हो गया है कि महिला स्वास्थ्य कर्मियों के लिए खुद को बचाना तक मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान के हैदराबाद में लडी हेल्थ वर्कर का काम कर रही फरहत सुल्ताना के मुताबिक, जब हम घरों में टीकाकरण के लिए जाते हैं तो मकान का

दरवाजा खटखटाकर पूछते हैं कि आपके यहां 5 साल या उससे छोटी उम्र का कोई बच्चा तो नहीं है जिसका टीकाकरण होना है। तब हमें हर घर में अलग-अलग स्थितियों का सामना करना पड़ता है। वह कहती हैं एक बार जब मैंने घर का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से किसी पुरुष की आवाज आई और वह बोला कि बच्चा सोया हुआ है। आप अंदर आकर उसे जगाएं और टीका लगा दें। मैं जब अंदर गई तो वहां कोई बच्चा और कोई महिला तक नहीं थी। इसी दौरान उस आदमी ने मुझे छूने की कोशिश की। ऐसी ही स्थितियों से गुजरने वाली दूसरी स्वास्थ्यकर्मी फराह ने बताया कि एक बार एक घर के पुरुष ने दरवाजा खोला जिसने शर्ट नहीं पहन रखी थी और वह अश्लील इशारे करने लगा जिससे मुझे इतना डर लगा कि कई दिन तक मैं कराची के दूर-दराज वाले इलाकों में काम करने के लिए नहीं निकली।

पोलियो टीकाकरण के लिए काम कर रहीं लेडी हेल्थ वर्कर को काम के दौरान शोषण और सैलरी दोनों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। महिला स्वास्थ्य कर्मी जब रोजमर्रा के काम को लेकर फील्ड में जाती हैं तो उनको टार्गेट करके हमले किए जाते हैं। उनके खुद के परिवार वाले ऐसी बंदिशें लगाते हैं कि खुलकर बात करने से भी वे हिचकती हैं। ऐसी स्थितियों से बचने के लिए लेडी हेल्थ वर्कर एक-दूसरे के साथ फोन के जरिए बात करती रहती हैं। अपनी लोकेशन और सेफ्टी की जानकारी अपने ग्रुप में साझा करती रहती हैं। पाकिस्तान के कई इलाकों में लोग पोलियो रोधी टीकाकरण के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि पोलियो की बूंदें लोगों में बांझपन का कारण बनती हैं। हालांकि महिला स्वास्थ्य कर्मी लोगों को समझा रही हैं कि यह अभियान आपकी सुरक्षा के लिए है। फिर भी इन पर हमले रुक नहीं रहे हैं। पिछले साल जून, जुलाई और अगस्त में कई बार हेल्थ वर्कर पर हमले हुए जिनमें करीब 100 हेल्थ कर्मियों की जान गई थी। ऐसा नहीं है कि महिला स्वास्थ्य कर्मियों के साथ पाकिस्तान में ही छेड़खानी हो रही है। भारत में भी हाल में ऐसा हुआ जिसका वीडियो वायरल हो गया था। 12 मार्च को बिहार के जमुई जिले के सदर अस्पताल में कुछ ऐसा घटित हुआ कि जिसे भी मालूम हुआ वह सन्न रह गया। अस्पताल परिसर में एक स्वास्थ्य कर्मी महिला अपने फ़ोन पर बात कर रही थी। इस दौरान एक युवक अस्पताल की परिसर की बाउंड्री फांदकर आया और महिला स्वास्थ्य कर्मी को जबरदस्ती किस करने लगा। इस दौरान जब तक कोई कुछ कर पाता वह युवक वहां से फरार हो गया। हालांकि यह घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ एक दिन के अनशन पर बैठने का किया एलान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलीभगत के आरोपों के मद्देनजर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठने का एलान किया है। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। पायलट ने यह घोषणा रविवार को अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में की। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ सालभर पहले शिकायत की थी, लेकिन गहलोत ने कोई एक्शन नहीं लिया। पायलट इसके विरोध में 11 अप्रैल को जयपुर में शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे। पायलट ने कहा कि वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं की गई। जबकि विपक्ष में रहते हुए हमने यह वादा किया था कि जांच कराई जाएगी। चुनाव को 6-7 महीने बचे हैं, विरोधी भ्रम फैला सकते हैं कि कहीं कोई मिलीभगत तो नहीं है, यह साबित करने के लिए जल्दी कार्रवाई करनी होगी ताकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगे कि हमारी कथनी-करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि वसुंधरा सरकार के वक्त विपक्ष में रहते हुए हमने 45 हजार करोड़ के घोटालों को लेकर आवाज उठाई थी और यह वादा किया था कि सरकार आएगी तो इन घोटालों पर निष्पक्ष तरीके से जांच करवाएंगे और दोषियों को सजा देंगे। खासतौर पर हमने भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाया, जिसका परिणाम हुआ कि उनकी सरकार चली गई। मैंने कभी द्वेषपूर्ण कार्रवाई के लिए नहीं कहा, लेकिन विपक्ष के रूप में बनी हमारी विश्वसनीयता को बरकरार रखना होगा। मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से आग्रह किया था। 28 मार्च 2022 को पहली चिट्ठी लिखी थी। उस पर कोई जवाब नहीं मिला। दो नवम्बर 2022 को फिर दूसरी चिट्ठी लिखी। उसका भी जवाब नहीं आया। पायलट ने कहा कि क्या कारण है कि बार-बार सत्ता में आने के बावजूद हम विपक्ष में रहते जो आरोप लगाते हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं करते। हम दोबारा जब चुनाव में जाएंगे तो हमारी बात पर कोई यकीन करे इसलिए जरूरी है कि हम कोई एक्शन लें। गहलोत और मैंने मिलकर आरोप लगाए थे, जब तक निष्पक्ष जांच नहीं हो तब तक कैसे पता लगेगा। जांच में अगर निकल कर आता है कि कोई दोषी नहीं था तो मान लेंगे कि गहलोत जी और मैं झूठे थे। जब तक कोई केस रजिस्टर्ड नहीं होगा, तब तक लोग कैसे मान लेंगे कि हमने जो वसुंधरा सरकार के खिलाफ आरोप लगाए थे, वह सही हैं या गलत। पायलट ने कहा कि मैंने राजस्थान को लेकर पार्टी हाईकमान को जो सुझाव दिए थे, उनमें से एक सुझाव यह भी था कि हमने विपक्ष में रहते हुए जो भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप लगाए थे, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। पायलट ने कहा कि मैंने 28 मार्च 2022 और 2 नवंबर 2022 को गहलोत को चिट्ठी लिखी थी। अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ। 11 अप्रैल को प्रसिद्ध समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की जयंती है, उसी दिन मैं शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करूंगा। मैंने जिला प्रशासन को इस बारे में सूचना दे दी है।

हमारी सरकार किसानों के साथ, हर संभव मदद दी जाएगी : जेपी दलाल

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रदेश के किसानों पर जो प्रकृति की मार पड़ी है। उससे किसान संकट में है। सकंट की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए हर संभव मदद दी जाएगी। कृषि मंत्री पटौदी स्थित आश्रम हरि मंदिर संस्कृत महाविद्यालय के तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फसलों के नुकसान के आंकलन के लिए व्यापक स्तर पर गिरदावरी का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित वे स्वयं भी विभिन्न जिलों में जाकर नुकसान का जायजा ले रहे हैं। जेपी दलाल ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में निरन्तर जनसेवा के कार्य किए जा रहे हैं। अंत्योदय के भाव के साथ बनाई जा रही सरकारी नीतियों में पूरी पारदर्शिता के साथ समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा एक हरियाणवी एक की भावना के साथ प्रदेश के सभी जिलों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारी नि:स्वार्थ सेवा का ही परिणाम है कि प्रदेश की जनता ने वर्ष 2019 में हमें फिर से जनसेवा का आशीर्वाद दिया है। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी नागरिक सुखी रहें। इसी उद्देश्य से पुरानी परंपराओं को तोड़ते हुए हरियाणा में निरंतर व्यवस्था परिवर्तन का दौर जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास, जनकल्याण और सुराज के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों का पूरा लाभ उसके वास्तविक रूप से पात्र हितग्राही तक समय-सीमा में पहुंचे, सुशासन के इसी मूलमंत्र के साथ हम निरन्तर धरातल पर सेवा कार्य कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि यह हमारी सेवा का ही परिणाम है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी बनी है। जिसके प्रत्येक सदस्य में समाज सेवा का भाव सदैव अग्रणी रहता है। कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में आश्रम हरि मंदिर को 21 लाख रुपए की राशि देने घोषणा भी की।

खेल व खिलाड़ियों को खत्म करने की साजिश : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार प्रदेश से खेल व खिलाड़ियों को जड़ से खत्म करने की साजिश रच रही है। सरकारी नौकरियों में खिलाड़ियों को मिलने वाले कोटे को खत्म करने का षड्यंत्र रचने वाले अब हिसार के साई सेंटर व भिवानी के बॉक्सिंग सेंटर के बंद होने का चुपचाप तमाशा देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों व खिलाड़ियों की बदौलत हरियाणा के नाम का डंका देश-विदेश में बज रहा है, लेकिन यह गठबंधन सरकार को हजम नहीं हो रहा है। सेंटर बंद होने को लेकर कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। रविवार को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि हिसार स्थित एचएयू में चल रहा साई का हॉकी सेंटर व भिवानी में चल रहा बॉक्सिंग सेंटर बंद करने का फरमान जारी हो चुका है। ये सेंटर देश की नेशनल टीमों के लिए अभी तक 100 से अधिक खिलाड़ी तैयार कर दे चुके हैं। देश की हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया हिसार की ही निवासी हैं। इसके बावजूद यहां का सेंटर बंद करने का फैसला हैरान करने वाला है। पूर्व मंत्री ने कहा कि बॉक्सिंग में भिवानी से तैयार होने वाले खिलाड़ियों के कारण ही इस शहर को मिनी क्यूबा की संज्ञा दी जाती है। कोई भी ऐसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं होती, जब भिवानी के बॉक्सर मेडल जीतकर देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन न करते हों।

बठिंडा जेल में भिड़े कैदी व हवालाती, एक घायल

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के बठिंडा की जेल में शनिवार की रात कैदियों और हवालातियों के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। जिससे एक कैदी गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल को बठिंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार शनिवार की रात को बैरक में बंद इन कैदियों व हवालातियों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में मारपीट में एक हवालाती (अंडर ट्रायल कैदी) को चोटें लगी हैं। उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी झगड़े का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। डॉक्टर के अनुसार पुलिस ने एक अंडर ट्रायल कैदी को अस्पताल लाया गया है। उसकी पीठ पर किसी नुकीली वस्तु से हमला किया गया है। इस संबंध में संबंधित पुलिस को सूचना दे दी गई है।

दोबारा 2.30 लाख परिवारों के राशन कार्ड बनाए गए : मनोहर लाल

गरीब व जरूरतमंदों का सरकार पर पहला हक

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार गरीब व जरूरतमंदों की सरकार है। हम उनके कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इनका सरकार पर पहला हक है और प्रदेश सरकार कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि परिवार पहचान पत्र में आय से संबंधित त्रुटियों के कारण जिन परिवारों के राशन कार्ड कट गए थे, उनमें से 2.30 लाख परिवारों के राशन कार्ड दोबारा बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री गुरुग्राम से ऑडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ऐसे परिवारों से सीधा संवाद कर रहे थे। संवाद कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार की पारदर्शी नीति से पात्र नागरिक को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। लाभार्थियों ने कहा कि राशन कार्ड कटने पर शिकायत दर्ज करवाने पर जिस प्रकार त्वरित कार्रवाई कर उनके राशन कार्ड दोबारा बनाए गए, उससे सरकार की नागरिकों के प्रति जवाबदेही और संवेदनशीलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि जिन परिवारों की आर्थिक रूप से संपन्न हो जाए, ऐसे परिवार स्वेच्छा से सरकारी लाभ को छोड़ दें ताकि जरूरतमंद परिवार को इसका लाभ मिल सके। इस आह्वान का असर उस समय देखने को मिला जब पेशे से मैकेनिक अंबाला निवासी अजय कुमार ने कहा कि जिस दिन उसकी आय 1 लाख 80 हजार रुपए से अधिक हो जाएगी, उसी दिन वह स्वयं ही सरकार से मिलने वाले सारे लाभ छोड़ देगा। वहीं एक अन्य लाभार्थी गांव पिचौपा खुर्द जिला चरखी दादरी निवासी दलीप सिंह ने बताया कि उनका बीपीएल कार्ड तो बन गया, लेकिन आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत चरखी दादरी के उपायुक्त को संबंधित का आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार प्रेम नगर हिसार निवासी भीम सिंह ने भी अपने बीपीएल कार्ड दोबारा बनने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारे पास शिकायतें आती थी कि पात्र लोगों के राशन कार्ड नहीं बने हैं और अपात्र लोग कई प्रकार के लाभ लेते हैं। इसके लिए वर्तमान राज्य सरकार ने एक नया प्रयोग शुरू किया और प्रदेश के लगभग 72 लाख परिवारों का परिवार पहचान पत्र बनाया।

पुंछ में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर, दो जंगल की ओर भाग निकले

पुंछ (हिंस)। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सेना के जवानों ने घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को भी मार गिराया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि शाहपुर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि को सेना के जवानों ने तीन घुसपैठियों को भारतीय सीमा में प्रवेश करते हुए देखा। इसके बाद जवानों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इसके बाद जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया है। दो अन्य घुसपैठिए जंगल की ओर भागे निकले। जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद कटारिया से मिलने असम पहुंचे सीपी जोशी

उदयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी पहली बार असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलने गुवाहाटी पहुंचे हैं। उनकी इस यात्रा ने मेवाड़ में भी सियासी सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। सीपी जोशी रविवार को गुवाहाटी पहुंचते ही कटारिया से मिलने असम राजभवन पहुंचे। जोशी भी मेवाड़ से आते हैं और उनका संगठन के महत्वपूर्ण पद पर ये मनोनयन भी कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद मेवाड़ में आई रिक्तता को भरने के प्रमुख उद्देश्य से ही किया जाना माना जा रहा हैं। जोशी चाहते हैं कि प्रदेश के साथ मेवाड़ पर भी उनकी मजबूत पकड़ हो ताकि कटारिया की विरासत को वे अच्छे से संभाल सकें। चूंकि वागड़ भी मेवाड़ का अभिन्न हिस्सा है और कटारिया का इन दोनों अंचलों को मोटर साइकिल से नापा हुआ हैं। जोशी की नियुक्ति में कटारिया की भी मौन सहमति मानी जा रही है, लिहाजा जोशी कटारिया की विरासत को सलीके से संभालने के लिए आशीर्वाद लेने वे गुवाहाटी पहुंचे हैं। लगातार दूसरी बार चितौड़ से सांसद सीपी जोशी राजनीति के शुरुआती दिनों में कटारिया के ही शिष्य थे। युवा मोर्चा की राजनीति से सांसदी तथा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे सीपी जोशी के इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा भी जोरों पर हैं।

सशक्त संसदीय लोकतंत्र देश की सबसे बड़ी ताकत : जोशी

धौलपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा है कि सशक्त संसदीय लोकतंत्र देश की सबसे बड़ी ताकत है। आजादी के बाद में संसदीय लोकतंत्र को अपनाकर तत्कालीन नेताओं ने जाति, धर्म, सप्रदाय तथा भौगौलिक विविधताओं वाले भारत देश को मजबूत बनाया। आज लोकतंत्र के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन इसके बावजूद हमें लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए समर्पित भाव से काम करना होगा। रविवार को धौलपुर पहुंचे जोशी राजाखेड़ा विधायक रोहित बौहरा की ओर से आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। जोशी ने कहा कि मैंने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के रूप में विधायक रोहित बोहरा को विधानसभा में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए देखा है। अपने क्षेत्र के हितों के लिए आवाज उठाने के साथ साथ नीतियों के निर्माण में बौहरा का योगदान सराहनीय है। धौलपुर के रीको क्षेत्र स्थित प्रताप कोल्ड स्टोरेज परिसर में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम के आरंभ में राजाखेड़ा विधायक रोहित बौहरा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राजाखेड़ा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बौहरा ने राजाखेड़ा कालेज में विज्ञान विषय खोलने तथा विधायक कोटे से बस के लिए 21 लाख रुपए देने की जानकारी भी दी। प्रदेश के सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने कहा कि गहलोत सरकार ने प्रदेश की सत्ता संभालने के दो दिन में ही किसानों का कर्जा माफ किया था। प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव ने प्रदेश में पुलिस तंत्र को और मजबूत करने तथा नए थाने और चौकियां खोलने की जानकारी दी।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त बाल-बाल बचे

हिसार(हिंस)। जिले के मतलोढ़ा गांव के पास पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। काफिले के आगे अचानक नीलगाय आने से यह हादसा हुआ। हादसे में उनकी गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वे बाल-बाल बच गए। बाद में उन्हें दूसरी गाड़ी से भेजा गया। विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के रविवार को हिसार जिले में कई कार्यक्रम हैं। वे जिले के गांव घिराय में वर्ल्ड महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप की विजेता स्वीटी बूरा के स्वागत समारोह में जा रहे थे कि यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि उनका काफिला गंतव्य को जा रहा था कि अचानक नीलगाय आ गई। नीलगाय सामने आते ही गाड़ी चालक ने अचानक ब्रेक लगाए लेकिन इस दौरान नीलगाय उनकी गाड़ी से टकरा गई। गाड़ी के एयरबैग खुल गए, जिस कारण वे बाल-बाल बच गए लेकिन गाड़ी का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बाद में वे दूसरी गाड़ी से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, और कार्यक्रम में हिस्सा लिया। स्वीटी ने हाल ही में दिल्ली में आयोजित बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 81 किलोभार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था। स्वीटी मैडल जीतने के बाद पहली बार हिसार आ रही है जिनका उसके पैतृक गांव घिराय में ग्रामीण स्वागत करेंगे। इसके अलावा कई हरियाणवी सिंगर भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। स्वीटी को हांसी फोरलेन से लेकर गांव घिराय तक स्वागत करते हुए लेकर आया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में बूरा खाप व आसपास की पंचायत के साथ सरपंच व अन्य लोग पहुंचेंगे।

सेवानिवृत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने की बैठक, सरकार को कोसा

हिसार (हिंस)। सेवानिवृत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 21 अप्रैल के धरना-प्रदर्शन की तैयारी तेज कर दी है। इसके चलते रविवार को ऋषि नगर क्षेत्र के सेवानिवृत कर्मचारियों से बैठक की। बैठक की अध्यक्षता वेदप्रकाश शर्मा ने की जबकि संचालन राजबीर सिंधु ने किया। बैठक में रोडवेज, पब्लिक हेल्थ, वन विभाग, बिजली बोर्ड, उपायुक्त कार्यालय, पशुपालन विभाग, पुलिस विभाग, सिंचाई विभाग, आबकारी एवं कराधान, नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग आदि के सेवानिवृत कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के जिला कंवीनर राजपाल नैन, एमएल सहगल व उदयवीर दुहन ने कहा कि सरकार लगातार सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी कर रही है, जिससे सेवानिवृत कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को सेवानिवचृत कर्मचारियों के रोष को हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अब तक की सबसे निक्कमी व संवेदनहीन सरकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह भूलना नहीं चाहिए कि सरकार बनाने व सत्ता से बाहर करने में सेवानिवृत कर्मचारियों व उनके परिवारों की अहम भूमिका रहती है। जिला कंवीनर राजपाल नैन ने बताया कि मीटिंग में 15 सदस्यीय कमेटी का गठन किया जो बलवंत मुदगिल के नेतृत्व में ऋषि नगर एरिया में डोर टू डोर जाकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संपर्क साधेगी और उनको समिति की मांगों से अवगत करवाकर उनको 21 अप्रैल के मंडल स्तरीय धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।

मुंहबोली बेटी से मांगी 50 लाख की फिरौती, लारेंस बिश्नोई का गुर्गा गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की मुंहबोली बेटी हनीप्रीत से वॉट्सऐप के जरिए 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। खुद को लारेंस बिश्नोई का गुर्गा बताने वाले आरोपी प्रदीप को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार करके दो दिन की रिमांड पर लिया है। एएसपी दीप्ति गर्ग ने बताया कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की मुंहबोली बेटी हनीप्रीत से पांच अप्रैल को व्हाट्सएप के माध्यम से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। एएसपी ने बताया कि हनीप्रीत ने थाने में आकर शिकायत दी थी। हनीप्रीत ने बताया कि 5 अप्रैल को व्हाट्सएप के माध्यम से मेरे मोबाइल नंबर पर मैसेज आया कि वह लॉरेंस बिशनोई ग्रुप ने चार लोगों को टारगेट किया है, जिसमें आपका भी नाम है। आप मुझे 50 लाख रुपए दे दो, न देने की सूरत में जान से मारने की धमकी दी गई थी। उन्होंने बताया कि जब यह मामला एसपी उदय सिंह मीणा के संज्ञान में आया, तो उन्होंने थाना सदर सिरसा में केस दर्ज कर सीआईए सिरसा व सदर सिरसा की पुलिस टीमों का गठन करके जांच के आदेश दिए। संयुक्त पुलिस टीमों ने फिरौती मांगने वाले प्रदीप को मंडी डबवाली से गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया प्रदीप कुमार जिला सिरसा के बराड़ो वाली गली वार्ड नंबर 21 मंडी डबवाली का निवासी है। उन्होंने बताया कि प्रदीप को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

रीट का परिणाम आते ही 45 दिन में 48 हजार पदों पर देंगे नौकरी : कल्ला

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा जिस दिन हमारे पास रीट मैंस (शिक्षक भर्ती) के परिणाम आ जाएंगे। उसके ठीक 45 दिन के अंदर-अंदर हम 48 हजार पदों पर नौकरी देने की पूरी कोशिश करेंगे। परिणाम के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में कुछ वक्त लगता है। लेकिन, जैसे ही रिजल्ट आएगा। हम जिलेवार प्रक्रिया शुरू कर जल्द से जल्द पोस्टिंग देने का काम करेंगे। शिक्षा मंत्री कल्ला ने यह बात एक निजी चैनल से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शिक्षा विभाग में 80 हजार से ज्यादा पदों पर अब तक नौकरी दे दी है। 48 हजार पदों पर जैसे ही रीट का रिजल्ट आएगा। उन्हें भी पोस्टिंग दे देंगे। वरिष्ठ अध्यापकों को नौकरी दे रहे हैं। बल्कि, इस वित्तीय वर्ष में राजस्थान का शिक्षा विभाग एक लाख लोगों को नौकरी दे देगा। विपक्ष बातें करता रहेगा और हम काम करते रहेंगे। करीब दस हजार कंप्यूटर अनुदेशक के पदों पर भर्तियां जारी है। इसके अलावा 6000 शारीरिक शिक्षकों के पदों पर भर्तियां होंगी। वरिष्ठ अध्यापकों के साथ ही 8000 पदों पर भर्तियां होंगी। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में भी 10 हजार टीचर्स की भर्तियां की जाएंगी। इसके साथ ही स्कूल व्याख्याता की भर्ती भी की जाएंगी। ऐसे में राजस्थान के शिक्षा विभाग में एक लाख पदों पर शिक्षकों की कुल भर्ती का काम चल रहा है। कल्ला ने कहा कि ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर होने की पूरी-पूरी संभावना है। हमने ट्रांसफर पॉलिसी बनाकर कार्मिक विभाग को भेज दी है। कार्मिक विभाग ने उस पर कुछ क्वेरी की थी। उसका भी जवाब भेज दिया गया है। अभी सभी विभागों में ट्रांसफर बंद है। ऐसे में कार्मिक विभाग से हमारी पॉलिसी को स्वीकृति मिलने के बाद जैसे ही ट्रांसफर खुलेंगे। उसके बाद जैसे हमने ग्रेड सेकेंड और ग्रेड फर्स्ट के ट्रांसफर किए हैं। उसी तर्ज पर ग्रेड थर्ड के ट्रांसफर भी कर दिए जाएंगे। क्योंकि इस बार हमने जो पॉलिसी बनाई है। वह बहुत ठोस और अच्छी है। हमारी सरकार संवेदनशील है। इसलिए हम चाहते हैं कि जो शिक्षक बरसों से ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें हम राहत दे सकें। सरकार जल्द ही निजी शिक्षण संस्थाओं के लिए प्राधिकरण बनाने की प्लानिंग कर रही है। इसमें शिक्षा विभाग से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई होगी। प्राधिकरण में अभिभावकों को भी सुना जाएगा। जो संस्थाएं होंगी, उन्हें भी सुना जाएगा। इसके बाद जो प्राधिकरण फाइनल फैसला करेगा। उसे सबको मानना पड़ेगा। ऐसे में हम जल्द से जल्द प्राधिकरण बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ईंट-पत्थर उठाने वाले हाथ अब करेंगे रोगियों की सेवा

जयपुर (हिंस)। जीवनयापन की मजबूरी ने 10वीं की सुनीता को ईंट-पत्थर उठाने पर विवश कर दिया था, लेकिन तभी एक मार्गदर्शक ने सुनीता का हाथ पकड़ा और सेवा भारती के हाथों में थमा दिया। अब सुनीता दो माह में अस्पताल में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) का काम सम्भाल लेंगी और नर्सिंग स्टाफ के अंतर्गत रोगियों की सेवा-सुश्रुषा करेंगी। सेवा भारती के स्वावलम्बी अभियान की सफल कहानियों में से एक सुनीता की कहानी भी है जो स्वयं जयपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा संगम में आई हैं और आत्मविश्वास भरे शब्दों में दूसरों को भी प्रेरित कर रही हैं। अपनी पांच बहनों और एक भाई में सबसे छोटी सुनीता तेलंगाना के नरायनपेट जिले के एक गांव की रहने वाली है। पारिवारिक परिस्थितियों के कारण 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़कर छोटा मोटा काम करने की नौबत आ गई थी। उस दौरान उसे एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम मिला। उसकी इंचार्ज गीता पद्मा ने अचानक एक दिन कहा कि यह आयु पढ़ने की है, तुम्हें पढ़ना चाहिए, और उन्होंने उसका हाथ सेवा भारती तेलंगाना की विद्या दीदी को थमा दिया। इसके बाद हैदराबाद के हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर में सुनीता की ट्रेनिंग शुरू हो गई। तीन माह की ट्रेनिंग के दो माह हो चुके हैं, इसके बाद एक माह की हॉस्पिटल ट्रेनिंग होगी और तुरंत जॉब हाथ में होगा। सुनीता के साथ आई सहपाठी सौजन्या की भी कुछ कुछ ऐसी ही कहानी है। वह कहती है कि सेवा भारती के इस कोर्स के बाद सभी को जॉब मिल जाता है। हॉस्पिटल में 10 से 12 हजार तो होम केयर में लगभग 18 हजार प्रतिमाह पारिश्रमिक मिल जाता है। दोनों कहती हैं कि जॉब के साथ वे आगे की पढ़ाई भी जारी रखेंगी ताकि और अच्छे अवसर मिल सकें। सेवा भारती से आश्रय पाने के बाद अब दोनों के ध्यान में ऐसी बहनें आती हैं तो वे उन्हें भी जीवन की व्यवहारिकता को समझते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में सेवा भारती का यह इस तरह का पहला प्रशिक्षण केंद्र है।

पीपीएफ और रिकरिंग डिपॉजिट : इनके जरिए आप भी तैयार कर सकते हैं बड़ा फंड, कौन–सी बेहतर स्कीम्स

नई दिल्ली।

अगर आप इन दिनों पैसा निवेश करने के लिए कोई ऐसी स्कीम की तलाश में हैं जहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और आपको बेहतर ब्याज भी मिले तो पब्लिक प्रॉविडेंट फंड और रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम में पैसा लगा सकते हैं। इन स्कीम्स में हर महीने निवेश करके आप आसानी से बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। हम आपको इन स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं ताकि आप अपनी जरूरत के हिसाब से इनमें निवेश कर सकें।

पीपीएफ पर मिल रहा 7.1प्रतिशत ब्याज – इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। पीपीएफ अकाउंट को केवल 500 रुपए में खोला जा सकता है। इस अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपए ही जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में नहीं निकला जा सकता है। लेकिन इसे 15 साल के बाद 5–5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इसे 15 साल के पहले बंद नहीं किया जा सकता है, लेकिन 3 साल बाद से इस अकाउंट के बदले लोन लिया जा सकता है। अगर कोई चाहे तो इस अकाउंट से 7वें साल से नियमों के तहत पैसा निकाल सकता है। ब्याज दरों की समीक्षा हर तीन माह में सरकार करती है। यह ब्याज दरें कम या ज्यादा हो सकती है। फिलहाल इस अकाउंट पर 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। इस योजना में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ लिया जा सकता है।

15 साल के लिए निवेश करने पर मिलेगा कितना रिटर्न – इस योजना के तहत अगर आप हर महीने 1 हजार रुपए 15 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 15 साल बाद करीब 3.20 लाख रुपए मिलेंगे। यानी आपको 1.40 लाख रुपए से ज्यादा ब्याज मिलेगा।

आरडी पर मिल रहा 6.2प्रतिशत ब्याज – पोस्ट ऑफिस आरडी पर फिलहाल 6.2प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग स्कीम है। कोई भी व्यक्ति इसका खाता आप पोस्ट ऑफिस के अलावा बैंकों में भी खुलवा सकते हैं। आरडी स्कीम में आप मिनिमम 100 रुपए हर महीने निवेश कर सकते हैं। इससे ज्यादा 10 के मल्टीपल में आप कोई भी रकम जमा करा सकते हैं। मैक्सिमम जमा राशि की कोई लिमिट नहीं है। एक या एक से ज्यादा आरडी अकाउंट भी खोल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय सेलेब्रिटीज का बिजनेस हब बन रहा दुबई: शाहरुख जैसे सेलेब्स रियल एस्टेट और स्टार्टअप में आजमा रहे हाथ, होटल और एक्टिंग स्कूल चला रहे

नई दिल्ली । टूरिस्ट डेस्टिनेशन दुबई अब भारतीय सेलेब्रिटीज का बिजनेस हब भी बन रहा है। पिछले तीन साल के दौरान शाहरुख खान, विवेक ओबेरॉय और सानिया मिर्जा ने अपने बिजनेस के लिए दुबई का रुख किया है। भारतीय सेलेब्रिटीज रियल एस्टेट से लेकर ज्वेलरी, होटल, स्पोर्ट्स अकादमी और एक्टिंग स्कूल चला रहे हैं। दुबई में 2023 के दौरान भारतीयों का निवेश लगभग 7 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। जबकि 2022 में यह 4.67 लाख करोड़ रुपए और 2021 में 3.69 लाख करोड़ रुपए ही था। बिजनेस के प्रति बड़ा आकर्षण यहां मिलने वाली टैक्स छूट और दुबई की कुल 93 लाख की आबादी में यहां रहने लगभग 38 लाख भारतीय हैं। अभिनेत्री प्रीति झंगियानी दुबई में आर्म्स रेसलिंग की प्रो पंजा लीग की शुरुआत कर रही हैं। राखी सावंत ने दुबई में एक्टिंग स्कूल खोला है। संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने भी अपना बिजनेस दुबई शिफ्ट कर लिया है। प्लेबैक सिंगर आशा भोंसले का यहां रेस्तरां चेन है। सुष्मिता सेन का दुबई मॉल व वाफी सिटी मॉल में ज्वेलरी शोरूम है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान पत्नी गौरी खान के संग दुबई में हाउसिंग और रियल एस्टेट का बिजनेस चला रहे हैं। लगभग 66 अरब रुपए निवेश वाले उनके एक प्रोजेक्ट रॉयल एस्टेट में अभी निर्माण कार्य चल रहा है। दुबई इन्वेस्टमेंट पार्क में 23 लाख वर्ग फुट में इस एस्टेट को डेवलप किया जा रहा है। विवेक ओबेराय ने दुबई में ब्रिक्स एंड वुड नाम की कंपनी के साथ पार्टनरशिप में 8 रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। एज्युकेशन स्टार्ट-अप आईस्कॉलर को भी लॉन्च किया है। इससे यूएई के भारतीय स्टूडेंट्स को भी लाभ मिलेगा। वे यहां लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी के 5 शोरूम खोलेंगे। हाल में खेल से संन्यास लेने वालीं सानिया मिर्जा ने दुबई में अपनी टेनिस अकादमी की शुरुआत की है। दुबई के अल मनखूल और जुमेराह लेक टावर्स में उन्होंने दो टेनिस केंद्र शुरू किए हैं।

वॉट्सऐप नए फीचर पर कर रहा काम: वॉट्सऐप स्टेटस को जल्द ही फेसबुक स्टोरीज पर कर सकेंगे शेयर

नई दिल्ली। इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप के स्टेटस को आप जल्द ही बिना ऐप को क्लोज किए फेसबुक

स्टोरीज पर शेयर कर पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वॉट्सऐप के लेटेस्ट बीटा अपडेट में इस फीचर को टेस्ट कर रहा है। जल्दी ही वॉट्सऐप अपडेट के जरिए ये फीचर सभी के लिए रोल आउट किया जाएगा। मानें तो इस अपडेट के बाद वॉट्सऐप यूजर्स एक साथ दोनों ऐप में वीडियो, फोटोज और टेक्स्ट शेयर कर पाएंगे, जो वॉट्सऐप के स्टेट्स और फेसबुक के स्टोरीज में दिखाई देगा। अपडेट के जरिए मिलने वाला ये फीचर ऑप्शनल रहेगा, जो डिफॉल्ट रूप से क्लोज रहेगा। कोई भी वॉट्सऐप यूजर इस फीचर को प्राइवेसी सेटिंग में जाकर एनेबल या डिसेबल कर सकेगा। इसका मतलब यह है कि जिसे भी एक साथ दोनों ऐप में स्टेटस अपडेट करना होगा उसे ये ऑप्शन इनेबल रखना होगा।

पिछले वित्त वर्ष के 11 महीनों में म्युचुअल फंडों ने बाजार में लिवाली की

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के 12 में से 11 महीनों में म्युचुअल फंडों ने शेयर बाजार में शुद्ध लिवाली की। पिछले वित्त वर्ष में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 35,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वित्त वर्ष 2022 में एफआईआई शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने बाजार से 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बेचे थे। एक स्वतंत्र बाजार विश्लेषक ने कहा कि जब एफआईआई तेजी से निवेश निकाल रहे थे तब म्युचुअल फंडों द्वारा किए गए निवेश की बदौलत बाजार वित्त वर्ष 2022–23 में मजबूती से डटा रहा। म्युचुअल फंडों में ज्यादातर रकम खुदरा निवेशकों से आती है। इसलिए तत्काल रकम निकलने की आशंका कम रहती है, जिससे बाजार को स्थिरता एवं मजबूती मिलती है। कुल मिलाकर देसी संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने वित्त वर्ष 2023 में 2.56 लाख करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

नैचुरल गैस का भाव तय करने के लिए सरकार नया फॉर्मूला लाई, आपको क्या फायदा होने वाला है

नई दिल्ली ।

सरकार ने हाल ही में स्वीकृत नए मूल्य निर्धारण फार्मूले के अनुसार अप्रैल की शेष अवधि के लिए प्राकृतिक गैस की कीमत 7.92 डॉलर प्रति यूनिट करने की घोषणा की है। हालांकि, इस दौरान उपभोक्ताओं के लिए दरें 6.5 डॉलर प्रति यूनिट तक सीमित कर दी गई हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के एक आदेश के अनुसार आठ अप्रैल से 30 अप्रैल की अवधि के लिये प्राकृतिक गैस की कीमत 7.92 डॉलर प्रति (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) रहेगी।

नैचुरल गैस पर दो साल के लिए 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू का कैप लगा – हालांकि, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नैचरल गैस के मूल्य निर्धारण फार्मूले में बदलाव करते हुए 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए यानी दो साल के लिए दरों को 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रखने के लिए कैप लगा दिया है। आदेश में कहा गया है, ओएनजीसी/ओआईएल के लिए नामांकित क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए कीमतें 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की अधिकतम सीमा (कैप) के अधीन होगी। मौजूदा कीमतों पर लगभग एक चौथाई का कैप लगाने के फैसले के बाद सीएनजी और पाइप के जरिए पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में 10 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। सरकार के इस इस फैसले के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत 79.56 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 73.59 रुपये प्रति किलोग्राम और पीएनजी की कीमत 53.59 रुपये प्रति हजार घन मीटर से घटकर 47.59 रुपये प्रति किलोग्राम रह सकती है। मुंबई में सीएनजी की कीमत 87 रुपये की जगह 79 रुपये प्रति किलो और पीएनजी की कीमत 54 रुपये की जगह 54 रुपये प्रति एससीएम पर पहुंच सकती है।

सरकार ने किरीट पारिख समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया – इसके साथ ही सरकार ने एपीएम क्षेत्रों (जो विरासत वाले क्षेत्र हैं और बड़े पैमाने पर ओएनजीसी जैसे पीएसयू की ओर से संचालित हैं) से उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य निर्धारण के संबंध में किरीट पारिख समिति की ओर से की गई कई प्रमुख सिफारिशों को गुरुवार को स्वीकार कर लिया। नए मूल्य निर्धारण तंत्र के तहत गैस का मूल्य भारत के औसत मासिक क्रूड इंपोर्ट का 10 प्रतिशत होगा। साथ ही गैस का न्यूनतम मूल्य 4 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू और अधिकतम मूल्य 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू होगा।

नेचुरल गैस की कीमतें अब आधार मूल्य और कैप के अधीन तय होगी – पेट्रोलियम गैस के दर निर्धारिण का सरकार यह फॉर्मूला उस फॉर्मूला पुराने की जगह ले रहा है जहां चार अंतरराष्ट्रीय गैस बेंचमार्क का उपयोग करके दरें तय की जाती थीं। इस फार्मूले के अनुसार गैस की कीमत 31 मार्च को समाप्त तारीख से पहले छह महीने 59.53 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी। पीपीएसी के आदेश में कहा गया है कि 1 अप्रैल से 7 अप्रैल के लिए एपीएम गैस की कीमत सकल कैलोरिफिक मूल्य (जीसीवी) के आधार पर 9.16 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रही। ओएनजीसी और ओआईएल की ओर से अपने नामांकित क्षेत्रों के उत्पादित गैस के लिए एपीएम मूल्य एक आधार कीमत और कैप यानी सीलिंग के अधीन होगी।

अब हर महीने बदलेगा सीएनजी–पीएनजी का भाव – गैस की कीमतों में निर्धारण से संबंधित नए फॉर्मूले से संबंधित सरकार के एक अलग गजट नोटिफिकेशन के अनुसार प्राकृतिक गैस की न्यूनतम कीमत 4 डॉलर प्रति कैप के साथ अधिकतम कीमत 6.5 डॉलर होगी। सीलिंग अगले दो वर्षों यानी वित्तीय वर्ष 2023–24 और 2024–25 तक जारी रहेगी उसके बाद प्रति वर्ष कीमतों में 0.25 डॉलर का इजाफा किया जाएगा। कीमतों में अब साल में दो बार संशोधन के बजाय, हर महीने संशोधित किया जाएगा।

उपभोक्ताओं को गैस की घटी कीमत का लाभ मिले इसकी निगरानी करेगी सरकार – अधिसूचना में कहा गया है, एपीएम के तहत कीमतें महीने के अंतिम दिन पीपीएसी की मासिक समीक्षा के आधार पर तय की जाएगी। इसके साथ ही सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि रसोई के लिए सीएनजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के कीमतों की निगरानी की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इनपुट गैस की कीमत में कमी का लाभ उपभोक्ताओं को मिले। इसके साथ ही पीपीएसी को गतिशील आधार पर सीएनजी/पीएनजी कीमतों की निगरानी के लिए एक पोर्टल तैयार करने और संचालित करने के लिए कहा गया है। पीपीएसी सीजीडी संस्थाओं से नियमित रूप से अद्यतन डेटा प्राप्त करने के लिए एक उपयुक्त तंत्र विकसित करेगा। संबंधित पोर्टल पर बिना किसी देरी के बदलती कीमतों को दर्शाया जाएगा।

सीएनजी की कीमतों में 8 रुपये प्रति यूनिट तो पीएनजी 5 रुपये सस्ता हुआ – सरकार के इस फैसले के बाद महानगर गैस लि. ने अपने वितरण क्षेत्रों में सीएनजी के दाम आठ रुपये प्रति किलो घटा दिए हैं। पीएनजी की कीमत में भी पांच रुपये प्रति एससीएम की कटौती की है। अदाणी टोटल गैस ने भी शुक्रवार आधी रात से सीएनजी के दाम 8.13 रुपये और पीएनजी के दाम 5.06 प्रति यूनिट तक घटा दिए।

एक हफ्ते के दौरे पर अमेरिका रवाना हुई वित्त मंत्री

वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ की स्प्रिंग मीटिंग में शामिल होंगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आधिकारिक दौरे पर अमेरिका रवाना हो गई हैं। वो वर्ल्ड बैंक ग्रुप और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की स्प्रिंग मीटिंग में शामिल होंगी। इसके अलावा वो जी20 फाइनेंस मिनिस्टर्स और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की मीटिंग में शामिल होंगी। वो कई देशों के साथ इन्वेस्टर और बाइलेटरल मीटिंग भी करेंगी। ये सभी मीटिंग्स 10 अप्रैल से 16 अप्रैल के बीच होगी। फाइनेंस मिनिस्ट्री के कुछ ऑफिशियल्स भी सीतारमण के साथ दौरे पर गए हैं। 10 अप्रैल को वित्तमंत्री सीतारमण पीटरसन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में बातचीत में भाग लेंगी। इसमें इकोनॉमिक ग्रोथ को बूस्ट देने और इंडियन इकोनॉमी की चुनौतियों का समाधान करने के भारत सरकार के प्रयासों पर चर्चा की जाएगी। 11 अप्रैल को, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण अमेरिका के ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन के साथ मुलाकात करेंगी। मीटिंग में दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और ट्रेड और इन्वेस्टमेंट से जुड़े मुद्दों को हल करने के तरीकों पर चर्चा की उम्मीद है। 12–13 अप्रैल को आरबीआई गवर्नर और सीतारमण जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की मीटिंग को–चेयर करेंगे। जी20 देशों के वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक के गवर्नर ग्लोबल इकोनॉमी की वर्तमान स्थिति और सतत और समावेशी विकास के उपायों पर चर्चा करेंगे। 14 अप्रैल को, क्रिप्टो एसेट के मैक्रो–फाइनेंशियल इम्प्लीकेशन पर एक हाई लेवल सेमिनार होगा। मीटिंग में क्रिप्टो एसेट के मैक्रो–फाइनेंशियल इम्प्लीकेशन को रिव्यू किया जाएगा। क्रिप्टो एसेट के रेगुलेटरी लैंडस्केप पर भी चर्चा की जाएगी। 14 अप्रैल को आईएमएफ की ओर से आयोजित डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हाई लेवल सेमिनार में हिस्सा लेंगी।

इनकम टैक्स चुकाने में हमारे देश के बुजुर्ग सबसे आगे: 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक आयकर किया जमा

नई दिल्ली।

वरिष्ठ नागरिकों ने वित्त वर्ष 2022–23 में एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक आयकर भरा है। यह पिछली बार से 35.5प्रतिशत ज्यादा है। 2021–22 में वरिष्ठ नागरिकों के टैक्स कलेक्शन में 5प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई थी। 2019–20 यानी कोरोना के पहले के साल से तुलना करें तो इस बार वरिष्ठ नागरिकों का इनकम टैक्स कलेक्शन में योगदान 61प्रतिशत से ज्यादा है। 2022–23 में इनकम टैक्स कलेक्शन अनुमान से 17प्रतिशत ज्यादा रहा। 16.61 लाख करोड़ के इनकम टैक्स कलेक्शन में 24प्रतिशत हिस्सा व्यक्तिगत करदाताओं का रहा। नांजिया एंडरसन के अरविंद श्रीनिवासन कहते हैं कि डिविडेंड टैक्स में 2020 के बाद बदलाव से भी कई निवेशकों को इस साल टैक्स देने पड़े। पिछले सालों में एफडी पर रिटर्न बेहद कम रहा। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों ने बैंकों से पैसा निकालकर उसे शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में लगाया। यह पैसा तब लगाया गया, जब कोविड–19 के कारण शेयरों का मूल्य बहुत कम था। बाद में शेयर बाजार में भारी तेजी आई। ऊंचे दामों पर मुनाफा वसूली करने

वाले निवेशकों ने कैपिटल गैन टैक्स जमा कराया। इसका असर भी टैक्स कलेक्शन में देखने को मिला। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान टैक्सपेयर सीनियर सिटीजन की संख्या भी 18.6प्रतिशत बढ़कर 73.1 लाख से 86.71 लाख हो गई। वन रैंक–वन पेंशन के तहत सेवानिवृत्त सैनिकों को करीब 57 हजार करोड़ रुपए एरियर मिला। कैपिटल गेन व डिविडेंड टैक्स में बढ़ोतरी और शेयर बाजार में तेजी भी बड़े कारण रहे।

कोहिनूर के साथ कई बेशकीमती चीजें ले गए थे अंग्रेज: इनमें पन्ना जड़ा कमरबंद, 222 मोतियों का हार शामिल; प्रिंस चार्ल्स की ताजपोशी से पहले खुलासा

लंदन।

प्रिंस चार्ल्स की ताजपोशी से पहले गार्डियन ने 'कॉस्ट ऑफ क्राउन' सीरीज के तहत खुलासा किया गया है कि कोहिनूर के अलावा भी कई बेशकीमती चीजें भारत से लूटी गई थीं। इनमें मूर्तियों, पेंटिंग्स के साथ 19 पन्नों से जड़ा एक सोने का कमरबंद भी था। तत्कालीन पंजाब रियासत के महाराजा रणजीत सिंह के अस्तबल में घोड़ों को सजाने के लिए इसका इस्तेमाल होता था।

1987 में रॉयल ज्वेलरी की स्टडी में लेस्ली फील्ड ने मोतियों की दो कतारों वाले हार का जिक्र किया था। इसमें 222 मोती व हीरों से घिरे माणिक भी थे। दावा है कि ये भी रणजीत सिंह का ही था। वहीं, रणजीत सिंह के सबसे छोटे बेटे दुलीप पर दबाव डालकर पंजाब को हथियाने की बात तो जगजाहिर है ही।

सबसे बड़ा स्पाइनल माणिक लगा हार भी लूट ले गए – सीरीज में एक पड़ताल का जिक्र है, जिसमें महारानी मैरी (एलिजाबेथ द्वितीय की दादी) के हवाले से उनके शाही गहनों के सोर्स का जिक्र किया गया है। दस्तावेजों के मुताबिक चार

बड़े माणिकों से जड़ा एक हार भी खजाने में है। इसमें 325.5 कैरेट का सबसे बड़ा स्पाइनल माणिक (लचीला और कम वजन वाला) लगा है। इसे 'तैमूर रूबी' भी कहा जाता है। 1969 में बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री रॉयल फैमिली में महारानी एलिजाबेथ इसे संभालती दिखीं। यह बहुत से मुगल शासकों के पास रहा, जब तक कि इसे रानी विक्टोरिया को नहीं भेज दिया गया।

जीत के प्रतीक के तौर पर ले गए अंग्रेज – 1912 की रिपोर्ट बताती है कि कैसे चार्ल्स के शाही संग्रह में शामिल अनमोल रत्न जीत के प्रतीक के तौर पर भारत से लाए गए और बाद में महारानी विक्टोरिया को दिए गए। जीत के हिस्से के तौर पर कंपनी ने अनगिनत रत्न, कमरबंद और बेशकीमती कोहिनूर लूटा था। ये चीजें अब शाही घराने की संपत्ति है। वहीं, कोहिनूर क्वीन मदर के ताज में लगा है और अपने शाही इतिहास के साथ ब्रिटेन के अत्याचारपूर्ण संबंधों का प्रतीक बन गया है।

5 साल पहले प्रदर्शनी में रखी गई थीं सारी चीजें – करीब 5 साल पहले बकिंघम पैलेस को गर्मियों में खोले जाने पर आयोजित प्रदर्शनी में ये सभी चीजें रखी गई थीं। रॉयल कलेक्शन में मौजूद प्रिंस चार्ल्स के पसंदीदा रत्न भी रखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश शासन के दौरान जिम्मेदार सरकारी विभाग इंडिया ऑफिस के अभिलेखागार की 46 पेज की फाइल के आधार पर ये खुलासा किया गया है। ब्रिटिश शाही परिवार दुनिया के प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है। 74 साल के चार्ल्स को निजी फंड डची ऑफ कॉर्नवाल से सेवाओं के लिए 6,221 करोड़ रुपए मिले हैं। उनके कुल एंगेजमेंट 10,934 रहे। किंग बनने के बाद उन्हें खर्चे के लिए 200 करोड़ रुपए सालाना मिलेंगे।

सिम कार्ड का केवायसी वेरिफिकेशन होगा पूरी तरह से डिजिटल

एक आईडी पर जारी होंगे 9 की जगह 5 सिम, 6 महीने में लागू हो सकते हैं नए नियम

नई दिल्ली।

नकली सिम कार्ड की धोखाधड़ी को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग नो योर कस्टमर प्रोसेस को बदलने की योजना बना रहा है। साथ ही एक आईडी पर जारी किए जाने वाले सिम कार्ड की संख्या 5 की जा सकती है। अभी नियम के मुताबिक, एक आईडी पर 9 सिम एक्टिवेट किए जा सकते हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर, असम सहित उत्तर-पूर्व राज्य की आईडी पर 6 सिम एक्टिवेट हो सकते हैं।

केवायसी वेरिफिकेशन प्रोसेस को पूरी तरह डिजिटलाइज्ड किया जा सकता है। इसके लिए डिजिटली वेरिफाइड डॉक्युमेंट्स का इस्तेमाल किया जाएगा। यही नहीं, फ्रॉड करने वाले व्यक्ति के पकड़े जाने पर कार्रवाई भी की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि, फर्जी आईडी के मुद्दे से निपटने के लिए डिजिटल डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन को अनिवार्य बनाकर मजबूत केवायसी मेकेनिज्म बनाने पर चर्चा चल रही है।

6 महीने में जारी हो सकते हैं नए नियम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट विंग सिम कार्ड वेरिफिकेशन के मुद्दे पर काम कर रही है। ये विंग नेशनल वर्किंग ग्रुप की सलाह से 6 महीने के अंदर केवायसी के नए नियम जारी कर सकती है।

नेशनल वर्किंग ग्रुप में आरबीआई और मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं। केवायसी नॉर्म्स

में दो महीने के अंदर टेलीकॉम एनालिटिक्स फॉर फ्रॉड मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन पोर्टल पैन–इंडिया लॉन्च करने की भी योजना बना रहा है। फिलहाल यह पोर्टल आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, तेलंगाना और जम्मू और कश्मीर जैसे राज्यों में सक्रिय है।

फर्जी सिम कार्ड ब्लॉक करने के लिए एआई का उपयोग करेगी सरकार

रिपोर्ट के मुताबिक फर्जी सिम कार्डों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एआई का प्रयोग किया जा रहा है और टेलीकॉम सिम सब्सक्राइबर वेरिफिकेशन के लिए फेशियल रिकॉग्निशन भी सरकार द्वारा पूरे भारत में लागू किया जा रहा है। हरियाणा के मेवात में एक पायलट प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया था। उपयोग करते हुए सरकार जाली दस्तावेजों का उपयोग कर सिम कार्ड का इस्तेमाल करने वाले लोगों की पहचान आसानी से हो सकती है।

दिसंबर 2021 में जारी किए थे नोटिफिकेशन

सितंबर 2021 को सरकार ने सिम कार्ड जारी करने के लिए आधार बेस्ड ई–केवायसी प्रक्रिया का प्रावधान पेश किया था। इसे लेकर 7 दिसंबर 2021 को नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। केवायसी के नॉर्म्स में होने वाले बदलाव उसी बदलाव का अगला हिस्सा होगा। वर्तमान में 97प्रतिशत सिम कार्ड डिजिटली वेरिफाइड दस्तावेजों के माध्यम से जारी किए गए हैं।

आपकी आईडी पर कितने सिम एक्टिवेट, 30 सेकेंड में पता करें

आपकी आईडी पर कितने सिम एक्टिवेट हैं, इस बात का पता लगाने के लिए दूरसंचार विभाग ने टेलिकॉम एनालिटिक्स फॉर फ्रॉड मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन तैयार किया है। इसके लिए उन्होंने एक पोर्टल भी लॉन्च किया है। इस पोर्टल में देशभर में चालू सभी मोबाइल नंबर का डेटाबेस अपलोड है। पोर्टल के जरिए स्पैम और फ्रॉड पर लगाम लगाने की कोशिश की गई है। यहां से आप इस बात का पता लगा सकते हैं कि आपकी आईडी पर कितने सिम चालू हैं। यदि कोई आपकी आईडी पर सिम चला रहा है तब उसकी शिकायत भी कर सकते हैं। इस प्रोसेस में महज 30 सेकेंड का वक्त लगता है।

केआरके ने उड़ाया अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का मजाक

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अपकमिंग फिल्म "पुष्पा 2" को लेकर सुर्खियों में हैं। पुष्पा के बाद दर्शकों में इस फिल्म के सीक्वल को लेकर उत्सुकता है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है। टीजर के बाद 'पुष्पा 2' से अल्लू अर्जुन का लुक भी सामने आया है। हाल ही में 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन के लुक का पहला पोस्टर भी जारी किया गया। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन साड़ी में नजर आ रहे हैं। कानों में झुमके, नाक और गले में आभूषण भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन के गले में नींबू की माला भी है। अल्लू अर्जुन के इस पोस्टर को देखकर बॉलीवुड एक्टर कमाल आर खान ने ट्वीट किया है। फिल्म समीक्षक केआरके ने ट्विटर पर 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन के लुक का मजाक उड़ाया। केआरके ने कहा है कि इस पोस्टर को देखकर वो कन्फ्यूज हो गए। केआरके ने ट्विटर पर अल्लू अर्जुन के लुक का पोस्टर शेयर किया और लिखा, "यह पुष्पा 2 का पोस्टर है और मैं कन्फ्यूज हूं। मुझे नहीं पता कि यह 'लक्ष्मी 2' है या कंचना। पोस्टर पुष्पा की अगली कड़ी जैसा नहीं लगता है।" वर्ष 2021 में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' ने फैन को अपना दीवाना बना लिया था। इस सुपरहिट फिल्म में अल्लू अर्जुन के रोल को फैंस ने काफी पसंद किया था। वहीं इस फिल्म के डायलॉग्स भी वायरल हुए थे। पुष्पा के बाद अब दर्शकों को 'पुष्पा 2' का इंतजार है।

स्टार पवन सिंह और अनंजय रघुराज की नई फिल्म "जियो मेरी जान" की शूटिंग शुरू

भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद से इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक और खबर ये है कि उनकी नई फिल्म "जियो मेरी जान" की शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म के निर्देशक अनंजय रघुराज हैं, जो पहले ही कई हिट फिल्में दे चुके हैं। वे अब पवन सिंह को लेकर एक खूबसूरत फिल्म बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म के निमार्ता आयुष गुप्ता हैं, जबकि निर्देशक अनंजय रघुराज हैं। फिल्म को लेकर पवन सिंह ने कहा कि फिल्म "जियो मेरी जान" मेरी प्राथमिकता होगी। इस फिल्म की कहानी मुझे बेहद पसंद आई। एक कलाकार के नाते मेरे लिए यह फिल्म शानदार होगी। फिल्म की टीम बेहतरीन है, जिसके साथ मिलकर हम एक अच्छी और पारिवारिक फिल्म लेकर आने वाले हैं। पवन सिंह ने कहा कि मुझे पब्लिक ने अपने प्यार और आशीर्वाद से यहां तक पहुंचाया है। उनके मनोरंजन के लिए ऐसे प्रोजेक्ट्स बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह फिल्म इतनी खास होगी कि दर्शक से परिवार के साथ बेहद सहजता के साथ एंजॉय कर पाएंगे। फिल्म में गाने से लेकर एक्शन तक लाजवाब होने वाले हैं। अनंजय रघुराज एक मंझे हुए निर्देशक हैं और आयुष गुप्ता एक विजनरी निमार्ता हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद करूंगा कि जब हमारी फिल्म "जियो मेरी जान" बड़े पर्दे पर आए, तो आप सभी पूरे परिवार के साथ इस फिल्म को देखें। अनंजय रघुराज ने बताया कि फिल्म "जियो मेरी जान" का निर्माण जेपी स्टार पिक्चर्स के बैनर से हो रहा है। इस फिल्म का मुहूर्त शानदार तरीके से हुआ और अब शूटिंग जारी है। उम्मीद है कि हमारी फिल्म सभी को पसंद आएगी। इस फिल्म में पावर स्टार पवन सिंह का जादू चलने वाला है। फिल्म में वे एक अतिमहत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। हम लोग फिल्म को भव्य स्तर पर बना रहे हैं। यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा के ग्राफ को आगे बढ़ाने वाली होगी। फिल्म 'जियो मेरी जान' की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है। राकेश इससे पहले कई सुपर हिट फिल्मों को पटकथा लिख चुके हैं और इंडस्ट्री में बेहद डिमांडिंग लेखक हैं। फिल्म के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं, जो अभी हाल ही में दुबई में हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट पीआरओ का अवार्ड लेकर लौटे हैं। म्यूजिक रजनीश मिश्रा का होगा, जिनके सुरमई संगीत धुन पर लोग थिरकने लगते हैं। इसके अलावा फिल्म में संगीत प्रियांशु सिंह और छोटू रावत का होगा। फिल्म 'जियो मेरी जान' में पावन सिंह के साथ लीड रोल में रूपाली जाधव नजर आने वाली हैं। फिल्म में सपना चौहान, विनीत विशाल, बृजेश त्रिपाठी, धामा वर्मा, जफर खान और साहिल शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सोने की चेन से गाड़ी और कुर्सी तक मिले भारती के बेटे को

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में अपने बेटे लक्ष का पहला जन्मदिन कॉमेडियन भारती सिंह और राइटर-होस्ट हर्ष लिंबाचिया ने अपने दोस्तों और उनके बच्चों के साथ मनाया। कॉमेडियन भारती ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें उसने अपने बेटे के साथ सभी गिफ्ट खोले । भारती अपना कैमरा इधर-उधर घुमाती हैं और गिफ्ट के डिब्बे दिखाती हैं जो गोला उर्फ लक्ष को उनके जन्मदिन पर मिला था। इसके अलावा, भारती सिंह कैमरे के सामने एक-एक करके सभी गिफ्ट बॉक्स खोलती हैं और बताती हैं कि उन्हें गिफ्ट कितना पसंद आया। भारती पहला गिफ्ट दिखाती हैं जो एक लाल रंग की कार है, एक डोरेमोन सॉफ्ट टॉय। गिफ्ट खोलते समय भारती मजाक में कहती हैं- क्या पता कोई बॉक्स मैं खोलूं बड़ा सा और उसमें कैश ही हो। भारती दूसरे बॉक्स खोलती हैं जिसमें खिलौने और कपड़े होते हैं। वह सबका शुक्रिया अदा करती हैं और कहती हैं- गोला को कपड़े देने वालों का शुक्रिया क्योंकि गोला के कपड़े कम पड़ जाते हैं। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि काफी समझदार लोग आए थे और मैं उन्हें हर बार बुलाऊंगी क्योंकि उन्होंने मुझे अच्छे तोहफे दिए हैं और इससे मेरा मतलब कपड़े से है। वीडियो में लक्ष के साथ भारती काफी एक्साइटेड और खुश नजर आ रही हैं क्योंकि वे सभी गिफ्ट खोलती हैं।भारती एक और गिफ्ट खोलती हैं और कहती हैं- हम हमेशा लक्ष के लिए बैठने की कुर्सी खरीदना चाहते थे और हमें यह गिफ्ट में मिली है, इसलिए यह सबसे अच्छी है। भारती ने बाद में खुलासा किया कि उन्हें उम्मीद है कि सभी को रिटर्न गिफ्ट पसंद आएंगे जो लक्ष के हिसाब से थे। भारती ने कहा, कल इवेंट में मैंने कहा था कि अब मैं उनका अगला जन्मदिन उनके 5 साल के होने पर मनाऊंगी। लेकिन गिफ्ट को देखने के बाद मैंने अपना इरादा बदल दिया है। हमें बहुत सारा कैश भी मिला और मुन्ना ने हमें एक बहुत ही प्यारी सोने की चेन गिफ्ट की और दूसरों ने इतने अच्छे गिफ्ट दिए कि हम खुद को धन्य महसूस करते हैं।सभी गिफ्ट्स को खोलने के बाद लक्ष एंजॉय करते हुए और सभी गिफ्ट के साथ खेलते हुए दिखाई देता है। बाद में, हर्ष वीडियो में आते हैं और भारती पर उनके बिना गिफ्ट खोलने का आरोप लगाते हैं।

विकलांग शख्स के बर्ताव से परेशान हैं प्रीति जिंटा, शेयर की पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा इस वक्त सुर्खियों में हैं। प्रीति पिछले काफी समय से मनोरंजन जगत से दूर हैं। प्रीति सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव दिखाई देती हैं। हाल ही में प्रीति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया और पिछले हफ्ते अपने दो बुरे अनुभवों पर अपनी बात कही है। प्रीति ने अपनी पोस्ट में कहा, "मैं दो घटनाओं से पूरी तरह से स्तब्ध हूं। पहली घटना मेरी छोटी बेटी जिया के साथ हुई। एक महिला मेरी बेटी के साथ तस्वीर लेना चाहती थी, लेकिन मेरे मना करने पर वे चले गए। कुछ देर बाद वो फिर आई और जिया को जबरन किस करने लगी। जिया के गाल पर किस करने के बाद वह "व्हाट अ ब्यूटीफुल गर्ल" कहकर चली गई। अगर मैं सेलेब्रिटी नहीं होती तो बहुत बुरा रिएक्ट करती, लेकिन मैं किसी तरह का ड्रामा नहीं चाहती थी"। दूसरी घटना पर कमेंट करते हुए प्रीति ने पैपराजी को आड़े हाथों लिया है। प्रीति कहती हैं, "दूसरी घटना का वीडियो आप देख सकते हैं। एक विकलांग मुझसे पैसे मांग रहा है। लेकिन, मुझे फ्लाइट पकड़ने में देर हो रही थी, इसलिए मैंने मना कर दिया। मैंने उससे यह भी कहा कि मेरे पास पैसे नहीं हैं, सिर्फ एक क्रेडिट कार्ड है। जो महिला मेरे साथ थी, उसने उसे कुछ पैसे दिए। इसके बावजूद वह उनकी कार के पीछे आ रहा था। मैंने उस व्यक्ति को पहले भी कई बार पैसे दिए हैं, लेकिन इस बार वह मेरी कार के पीछे आ रहा है, इसे वीडियो में देख सकते हैं। पैसे न देने पर वह अपना गुस्सा जाहिर करते हुए भी नजर आ रहा है।' प्रीति कहती हैं, "फोटोग्राफर के लिए पूरी बात मजेदार है। उन्होंने हमारी मदद करने के बजाय इस वीडियो को शूट किया और पूरी बात पर हंस रहे थे। किसी ने भी उसे कार का पीछा नहीं करने के लिए कहा। अगर उसे चोट लगती तो सब मुझे ही दोष देते। एक सेलिब्रिटी होने के नाते मुझसे सवाल पूछे जाते। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह स्वीकार करना चाहिए कि मैं पहले इंसान हूं, फिर मां और फिर सेलिब्रिटी हूं। हर चीज के दो पहलू होते हैं। प्रीति आगे कहती हैं, "फोटो और वीडियो की फरमाइश करने वाले फोटोग्राफर्स को भी इंसानियत दिखानी चाहिए। अगली बार हंसने के बजाय मदद करिये।" प्रीति जिंटा की पोस्ट पर फैंस समेत कई सेलेब्रिटीज ने कमेंट कर उनका सपोर्ट किया है।

अपनी बोल्ड ड्रेस की वजह से ट्रोल हुईं जाह्नवी कपूर, वीडियो वायरल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। कुछ दिनों पहले उनके कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का बर्थडे था। उनके जन्मदिन पर उनका एक पोस्ट वायरल हो गया था। इसी तरह इवेंट में भी जाह्नवी कपूर अपनी अजीबोगरीब ड्रेस की वजह से ट्रोल हो जाती हैं। जाह्नवी कपूर को हाल ही में एक अवॉर्ड शो में देखा गया। अभिनेत्री जाह्नवी ने बॉडीकॉन स्कर्ट के साथ पीले रंग की ड्रेस में अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक का जलवा बिखेरा। हालांकि, जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह यह थी कि रेड कार्पेट पर चलने के दौरान वह गिरने से बचीं। इवेंट से जाह्नवी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नेटिजंस ने उन्हें खूब ट्रोल किया। एक ने कहा, "क्यों पहनते हैं जब संभालने नहीं आता" तो दूसरे ने लिखा, "सर्जरी की दुकान।" कुछ ने उन्हें उर्फी जावेद भी कहा, कुछ यूजर्स ने तो यहां तक कहा, "शर्म नहीं आती?" तो बहुतों ने भारतीय संस्कृति की याद दिलाई है।

साजिश है ये स्कैंडल, वो चाहते हैं मैं आकांक्षा दुबे बन जाऊं

-भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों अचानक इंटरनेट पर एक एमएमएस क्लिप वायरल हुआ और इसे देखकर लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि ये भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह हैं। एमएमएस को लेकर अक्षरा ने पहली बात बातचीत की है और पूरा सच भी सबके सामने खोलकर रख दिया है। अक्षय सिंह इस वक्त यूपी, बस्ती में हैं, जहां वो अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। बाकियों की तरह एमएमएस वाली खबर अक्षरा तक भी पहुंची, जिसके बाद वह परेशान हो गई हैं। अक्षरा ने इस बारे में आज तक से बातचीत की और इन खबरों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि उनकी इंडस्ट्री में 2018 से ही एक खास गुट उन्हें लगातार बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।अक्षरा ने कहा, मेरे लिए ऐसे स्ट्रगल काम के शुरूआती दिनों से ही शुरू है। पहले जब ऐसा कुछ होता था तो लगता था जाने दो कौन कानूनी पचड़े में पड़े, लेकिन अब ऐसा लगता है कि लोगों ने चुप्पी का गलत फायदा उठाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा- अब इन चीजों को सहा नहीं जा सकता। अक्षरा ने इस मामले पर लीगल एक्शन लेने की धमकी दी है और कहा, अगर कोई यूट्यूब व्लॉगर ये सब करता तो समझ आता क्योंकि वो पैसे कमाने के लिए किसी हद तक चले जाते हैं। मुझे दिक्कत बड़े चैनल्स व मीडिया वालों से है, वो बिना सच जाने इन चीजों को छापते हैं तो बहुत दुख होता है। एक लड़की के बारे में इस तरह की बातें आपने कैसे लिखी, किसने आपको ये हक दिया आपको? अक्षरा ने मीडिया हाउसेस के खिलाफ लीगल एक्शन लेने की भी धमकी दी और कहा - इनके खिलाफ अब मैं लीगल एक्शन लूंगी, पानी सिर के ऊपर जा चुका है।वहीं इस बातचीत में अकांक्षा सिंह ने आकांक्षा दुबे की भी चर्चा की, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने सुसाइड करके अपनी जान दे दी। अक्षरा ने कहा, एक गैंग साल 2018 से मेरे पीछे पड़ा है और ये लोग मुझे काम करने नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग यही चाहते है कि मैं दूसरी आकांक्षा दुबे बन जाऊं और मैं भी उनकी तरह इन सब चीजों से तंग आकर फांसी लगा लूं।

दसरा ने किया ओपनिंग डे से ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल, कमाए 100 करोड़

अजय देवगन की भोला का कलेक्शन उम्मीद से कुछ कम

मुंबई (ईएमएस)। अजय देवगन और तब्बू स्टारर भोला को रिलीज हुए एक हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है। फिल्म को ऑडियंस का मिला-जुला रिस्पांस मिला है। मूवी का कलेक्शन उम्मीद से कुछ कम ही रहा है। वहीं भोला के साथ ही साउथ रीजन से आई दसरा ने भी थिएटर्स में एंट्री मारी, जिसने ओपनिंग डे से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार पकड़ बनाए हुई है। अजय देवगन के निर्देशन में बनी फिल्म भोला को देखने के लिए बहुत ज्यादा मात्रा में दर्शक थिएटर्स में नहीं जा रहे हैं। हालांकि, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका अब तक का कलेक्शन ठीक-ठाक रहा है। अजय की यह एक्शन पैक्ड फिल्म धीमी गति से आगे बढ़ रही है। इस बीच फिल्म को गुड फ्राइडे का फायदा मिला और कमाई में थोड़ा इजाफा हुआ। जहां मूवी का पिछला कलेक्शन 59 करोड़ के आसपास आकर सिमटा, वहीं इस बार कमाई 60 करोड़ से ज्यादा हो गई है। शुरूआती आंकड़ों के अनुसार भोला फिल्म का अब तक का कलेक्शन 62.68 करोड़ हो गया है। साउथ के सुपरस्टार नवीन बाबू घन्टा उर्फ नानी की फिल्म दसरा ओपनिंग डे से ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन कर रही है। यही वजह है कि मात्र 9 दिनों में ही फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। पहले दिन मूवी ने 23.02 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, दसरा ने दूसरे दिन 9.75 करोड़ और तीसरे दिन 13 करोड़ का अच्छा बिजनेस किया। इसी तरह 8 दिनों में फिल्म ने 69.05 करोड़ कमा लिए।फिल्म के लीड एक्टर नानी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि फिल्म दसरा ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

देसी दुल्हन के अवतार में दिखीं एक्ट्रेस जॉर्जिया

-बेहद खूबसूरत लग रही थी एक्ट्रेस

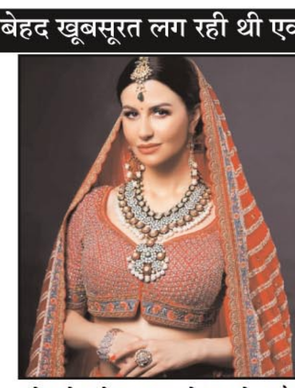

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में, एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी को पूरी तरह से देसी दुल्हन के अवतार में देखा गया जिसने सभी को हैरान कर दिया। जब ट्रेंडी लुक्स की बात आती है, तो जॉर्जिया एंड्रियानी हर बार अपना जादू चलाने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार नेटिजन्स की नजर जिस चीज पर पड़ी, वह है जॉर्जिया का नया लुक। फोटो में, एक्ट्रेस ने एक लाल रंग के दुल्हन का जोड़ा पहना है जिसपर एकदम बारिके से काम किया गया है और यह लहंगे में एक्ट्रेस की टोन्ड मिड्रिफ को फ्लॉन्ट कर रहा है, जॉर्जिया वाकई में बेहद खूबसूरत लग रही है, और ऑउटफिट से भी ज्यादा जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया वे एक्ट्रेस ने पहनी हुए ज्वेलरी थी जो जौहर बाय हाउस ऑफ डायमंड्स के लेटेस्ट कलेक्शन में से थी। एक्ट्रेस ने एक भारी हीरे, मोती और कीमती डायमंड के स्टोन्स का हार पहना था जिसमें प्रेसियस स्टोन से बने डायमंड के झुमके और मांगटीका भी पहना है। जॉर्जिया ने अपने लुक को डायमंड ब्रेसलेट और डायमंड की रिंग के सात पहना जो वाकई में एक बेहद खूबसूरत कॉम्बिनेशन लग रहा था, हर एक पीस को एकदम बारीकी से डिजाइन किया गया यह जो काफी निखर के दिख रहा है और जॉर्जिया पर यह पूरा लुक बेहद दा सुन्दर लग रहा है। जॉर्जिया ने अपने बालों को एक स्लीक बन में स्टाइल किया और अपनी आंखों को बोल्ड रखा साथ में ब्लश्डऔर न्यूड लिपस्टिक के साथ ग्लैमरस मेकअप लुक को पूरा किया। हर कोई जॉर्जिया की खूबसूरती का कायल हैं। और अगर आप एक्ट्रेस के लुक को दोहराना चाहते हैं, तो जौहर बाय हाउस ऑफ डायमंड्स आउटलेट पर जाएं, जिसका हाल ही में अंधेरी में स्टोर का उद्घाटन किया गया था। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी एक ऐसी एक्ट्रेस है जिसने अपनी मेहनत और लगन से सभी के दिलो में अपनी एक अलग जगह बना ली है। जॉर्जिया अपने सभी फैंस को अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से अपडेट रखने में कभी पीछे नहीं रहती। ग्लैमरस अपीयरेंस से लेकर कैजुअल आउटिंग तक, एक्ट्रेस कभी भी अपने फैंस को अपने सार्टोरियल पिक्स और सो-ग्लैमरस लुक से दिवाना करने में पीछे नहीं रहती है और अपने सभी चाहने वालो की धड़कन बढ़ा देती है।

सूडोकु नवताल- 6396

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6395 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7143

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	र

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान.

शब्दजाल - 7142 का हल

बं	नि	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	नि
ब	जे	य	लि	दो	व	का	मो	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	द्वा	ब	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	व	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	स	म
न	वं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	व
व	र	न	ग	मा	य	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	रि	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	व

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6096

6			7	4	1	
1	28	3	40		31	7
2			6		5	
	34	6	31	2	30	3
3			4			5
5	30		28	6	35	
4		1		7	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6095 का हल

1	5	3	7	4	2	6
2	28	4	35	6	28	1
7	4	2	6	3	1	5
3	32	6	32	7	31	2
6	3	1	5	2	7	4
4	33	5	30	5	35	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

आईपीएल में गुजरात बोर्ड की कमाई सबसे ज्यादा : शुरुआती 70 मैचों के लिए राज्य संघों को मिलेंगे 45 करोड़ 36 लाख रुपए

नई दिल्ली ।
आईपीएल के जरिए स्टेट एसोसिएशन बड़ी कमाई करते हैं। उन्हें बीसीसीआई की ओर से कमाई का हिस्सा मिलता है। बीसीसीआई हर एक मैच के लिए स्टेट बोर्ड को 64 लाख 80 हजार रुपए देता है। बीसीसीआई की ओर से 70 मैचों (प्लेऑफ छोड़कर) के लिए स्टेट बोर्ड को कुल 45 करोड़ 36 लाख रुपए दिए जाएंगे।

इस 16वें सीजन से गुजरात स्टेट एसोसिएशन सबसे ज्यादा मालामाल होने वाला है। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 8 मैच की मेजबानी करेगा, जिससे उसे सबसे ज्यादा 5.18 करोड़ रुपए मिलेंगे। मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरू, लखनऊ जैसे सात स्टेडियम 7-7 मैच की मेजबानी करेंगे। इन सभी के एसोसिएशन को 4.53-4.53 करोड़ रुपए मिलेंगे। गुवाहाटी और धर्मशाला स्टेडियम को सबसे कम राशि मिलेगी। इन दोनों को 1.29-1.29 करोड़ रुपए मिलेंगे।

इकाना स्टेडियम ने आईपीएल में डेब्यू किया

उप्र एसोसिएशन का लखनऊ में इकाना स्टेडियम है। यह पहली बार आईपीएल के मैचों की मेजबानी कर रहा है। इस स्टेडियम में 7 मैच खेले जाएंगे, जिससे इस स्टेडियम को 4 करोड़ 53 लाख 60 हजार रुपए मिलेंगे। बीसीसीआई ने असम एसोसिएशन के गुवाहाटी और हिमाचल एसोसिएशन के धर्मशाला को पहली बार आईपीएल मैच की मेजबानी का मौका दिया।

गुवाहाटी का बरसपारा स्टेडियम इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स का दूसरा होम ग्राउंड है जबकि धर्मशाला पंजाब किंग्स का दूसरा होम ग्राउंड है। इन दोनों पर दो-दो मैच होंगे। इन दोनों स्टेडियम को 1 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपए मिलने वाले हैं।

मोहाली-जयपुर में 2019 के बाद पहली बार मैच

पंजाब एसोसिएशन के मोहाली और राजस्थान एसोसिएशन के सवाई मानसिंह स्टेडियम (जयपुर) को 2019 के बाद पहली बार मौका दिया है। सीजन के 5-5 मैच इन दोनों स्टेडियम में होने हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टेस्ट से चर्चा में आए इंदौर में 2018 से आईपीएल मैच नहीं हुए हैं। पुणे में भी 2018 के बाद से आईपीएल मैच नहीं खेले गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

पुजारा ने शतक के बाद कहा- ससेक्स ने मौका दिया, मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा

नई दिल्ली । भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने अपने काउंटी क्रिकेट खेलने के समय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ससेक्स के लिए खेलने से उन्हें अपने भारतीय करियर को फिर से जीवंत करने में मदद मिली है। पुजारा ने काउंटी चैम्पियनशिप के दूसरे डिवीजन में डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए कप्तानी में पदार्पण करते हुए शानदार शतक बनाया। पुजारा ने 163 गेंदों पर 115 रन बनाए जिससे दूसरे दिन की समाप्ति पर ससेक्स डरहम से 44 रन पीछे है। पुजारा ने कहा, इसने मेरे करियर को फिर से जीवंत कर दिया है। अगर हम पिछले सीजन को देखें, तो मैं भारतीय टीम से बाहर था और टीम में वापस आने के लिए कुछ रनों की जरूरत थी। मुझे यहां सही मंच मिला, कुछ रन बनाए और टीम में वापसी की। उन्होंने कहा, भारतीय टीम के लिए खेलने जैसा कुछ नहीं है लेकिन ससेक्स ने मुझे वह मौका दिया है और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। पुजारा ने कहा कि उन्हें युवा खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने में मजा आता है जो खुद को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यहां मौसम बहुत अच्छा है। सूरज ज्यादातर समय बाहर रहता है। वातावरण वास्तव में अच्छा है। अगर आप भीड़ को देखें तो वे जब भी आते हैं, हमारा साथ देते हैं। मुझे लगता है कि जब भी कोई युवा टीम होती है, तो वे हमेशा अपने खेल पर काम करते रहने, सीखते रहने और खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होते हैं और हां, मुझे इस माहौल में रहने में मजा आता है।

कसात्किना को हराकर जाबौर चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में

चार्ल्सटन । विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी ओंस जाबौर ने लम्बे बारिश विलम्ब के बावजूद आठवीं सीड डारिया कसात्किना को सेमीफाइनल में 7-5, 7-5 से हराकर लगातार दूसरी बार चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। 2022 में उपविजेता रहीं ट्यूनीशिया की जाबौर का खिताब के लिए टॉप सीड जेसिका पेगुला या गत चैंपियन बेलिंडा बेनसिच से मुकाबला होगा। पेगुला और बेनसिच के बीच सेमीफाइनल बारिश के कारण अधूरा रह गया था जिसमें स्विस खिलाड़ी 7-5, 6-6 से आगे थीं लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने टाई ब्रेक में 4-2 की बढ़त बना ली थी। जाबौर ने इस जीत से कसात्किना के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 5-2 पहुंचा दिया है। उन्होंने कसात्किना के खिलाफ अपने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। सर्जरी के कारण फरवरी में एक्शन से बाहर रहने के बाद जाबौर का सत्र का यह पहला फाइनल होगा।

दिल्ली को आत्ममंथन करने की जरूरत : रिकी पोंटिंग

गुवाहाटी । दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग ने स्वीकार किया है कि आईपीएल 2023 में लगातार तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली की टीम को आत्ममंथन करने की जरूरत है। दिल्ली को यहां अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों शनिवार को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में राजस्थान ने चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि दिल्ली 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें अभी लम्बा सफर तय करना है। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि मैंने इन लड़कों को ट्रेनिंग और तैयारी करते देखा था।

मेसी के गोल से जीता पीएसजी, टॉटनहेम के ह्युंग मिन 100 प्रीमियर लीग गोल करने वाले पहले एशियाई फुटबॉलर

नई दिल्ली ।
फुटबॉल में दुनियाभर की अलग-अलग लीगों में कुछ बेहतरीन मुकाबले देखने को मिले। फ्रेंच लीग लीग-वन में पेरिस सेंट जर्मेन ने नीस को 2-0 से हरा दिया। पीएसजी के लिए लियोनल मेसी और सर्जियो रामोस ने गोल दागे। वहीं, प्रीमियर लीग में भी टॉटनहेम हॉट्स्पर के सोन ह्युंग मिन ने इतिहास रच दिया। वह प्रीमियर लीग में 100 गोल दागने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बन गए।

लीग-वन में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पीएसजी

पीएसजी ने नीस पर जीत से लीग-वन के शीर्ष पर रहते हुए दूसरे स्थान की टीम लेंस पर छह पॉइंट की बढ़त बना ली है। मेसी ने 26वें मिनट में नूनो मेंडिस के क्रॉस पर बेहतरीन गोल दागा। इसके बाद 76वें मिनट में सर्जियो रामोस ने मेसी के कॉर्नर पर हेडर से गोल दागा। पीएसजी की टीम को होम ग्राउंड पर दो मैच हारने के बाद जीत मिली है।

टॉटनहेम की जीत, ह्युंग मिन का रिकॉर्ड

वहीं, प्रीमियर लीग में सोन ह्युंग मिन के बेहतरीन गोल की बदौलत टॉटनहेम ने ब्राइटन को 2-1 से हरा दिया। ह्युंग मिन ने अपना गोल अपने दिवंगत दादाजी को समर्पित किया। दक्षिण कोरिया के इस स्टार ने एक गोल करने के साथ ही प्रीमियर लीग में 100 गोल भी पूरे कर लिए। वह इस मुकाम को छूने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं। सोन ह्युंग मिन ने मैच के 10वें मिनट में बेहतरीन गोल दागा। इसके बाद 34वें मिनट में ब्राइटन के लुईस डंक ने गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 79वें मिनट में टॉटनहेम के कप्तान हैरी केन ने गोल दाग अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

चेल्सी को फिर मिली हार

प्रीमियर लीग के अन्य मैचों में बतौर मैनेजर फ्रैंक लैम्पार्ड की वापसी वाले मुकाबले में चेल्सी को वुल्व्स के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। चेल्स के मैनेजमेंट द्वारा ग्राहम पॉटर को बर्खास्त करने के बाद लैम्पार्ड की स्टैमफॉर्ड ब्रिज में वापसी हुई है। वह इस सीजन के अंत तक चेल्सी के मैनेजर रहेंगे। चेल्सी के ही पूर्व दिग्गज फुटबॉलर लैम्पार्ड इससे पहले भी इस क्लब के मैनेजर रह चुके हैं। जनवरी 2021 में उन्होंने क्लब के पूर्व मालिक रोमन अब्रामोविच ने निकाल दिया था। ग्राहम पॉटर इस सीजन चेल्सी के दूसरे मैनेजर हैं जिन्हें निकाला गया है। पिछले साल सितंबर में थॉमस ट्युकल को भी निकाला गया था। चेल्सी की टीम फिलहाल प्रीमियर पॉइंट्स टेबल पर 11वें स्थान पर है। टीम लगातार चार मैचों से जीत नहीं पाई है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और न्यूकासल की जीत

इसके अलावा मैनचेस्टर यूनाइटेड ने होम ग्राउंड ओल्ड ट्रैफर्ड में एवरटन को 2-0 से हरा दिया। मैन-यू के लिए स्कॉट मैकटॉमिने और एंथनी मार्शल ने गोल दागे। वहीं न्यूकासल यूनाइटेड ने भी ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हरा दिया। यह न्यूकासल की लगातार पांचवीं जीत है। प्रीमियर लीग पॉइंट्स टेबल में फिलहाल आर्सनल की टीम पहले स्थान पर है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी दूसरे, न्यूकासल यूनाइटेड तीसरे, मैनचेस्टर यूनाइटेड चौथे और टॉटनहेम पांचवें स्थान पर है।

फाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत, सेमीफाइनल में आयरलैंड के नहात को सीधे गेमों में हराया

ओरलिआंस ।
भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने यहां आयरलैंड के नहात एनगुएन को सीधे गेमों में शिकस्त देकर ओरलिआंस मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में जगह बनाई। 21 वर्षीय प्रियांशु ने पुरुष एकल के सेमीफाइनल मुकाबले में आक्रामक रणनीति अपनाते हुए विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी नहात को 21-12, 21-9 से शिकस्त दी।

विश्व के 58वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु ने किसी सुपर-300 विश्व टूर स्पर्धा के फाइनल में पहली बार जगह पक्की की है। अब उनका खिताबी मुकाबले में सामना डेनमार्क के मैग्नस जोहानेसेन और चीन के लेई लैंक्सी के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

राजावत मैच के दौरान काफी तेजी से खेल रहे थे और आयरलैंड के खिलाड़ी को वापसी करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। नहात ने मैच में कई गलतियां की। पहले गेम में राजावत ने 11-9 की बढ़त हासिल की और इसे 17-11 तक ले गए। इसके बाद भी आयरलैंड के खिलाड़ी के लिए राजावत को रोकना मुश्किल था और भारतीय खिलाड़ी ने 21-12 से यह गेम जीत लिया।

दूसरे हाफ में राजावत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और कई तेजतर्रार स्मैश लगाकर अंक जुटाए। वह एक समय 11-3 की अच्छी बढ़त से आगे थे। उन्होंने इसके बाद भी काफी जल्दी से अंक जुटाए। भारतीय खिलाड़ी ने अपने मजबूत बैकहैंड से अंक अर्जित किए। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी के पास 18-3 की बढ़त थी। इस दौरान नहात ने तीन मैच प्वाइंट भी बचाए, लेकिन वह भारतीय खिलाड़ी को जीतने से नहीं रोक सके।

आईपीएल 2023 : मैं पंजाब का भाग्य बदल सकता हूं: सैम करेन

नई दिल्ली।
पंजाब किंग्स के आलराउंडर सैम करेन का मानना है कि वह टीम का भाग्य बदल सकते हैं ताकि टीम अपना पहला आईपीएल खिताब जीत सके। करेन ने कहा कि पंजाब किंग्स ने उन्हें भारी भरकम कीमत पर खरीदा है लेकिन वह खुद पर ज्यादा दबाव डालना नहीं चाहते। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे साथ ही उम्मीद है कि मैं टीम का भाग्य बदल सकता हूं ताकि वह अपना पहला आईपीएल खिताब जीत सके।

इंग्लैंड के आलराउंडर आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे जब दिसंबर में हुई नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें 18.5 करोड़ रुपये की भारी भरकम कीमत पर खरीदा था।

करेन ने इस वर्ष इंग्लैंड के सफल टी20 अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में 12 रन पर तीन विकेट सहित कुल 13 विकेट झटके थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। मुझे लगता है कि वे आपको किसी कारण से खरीदते हैं। उन्होंने मुझ पर काफी भरोसा दिखाया है मैं खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहता हूं और बल्ले तथा गेंद पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। पंजाब ने अब तक यह खिताब नहीं जीता है। मैं उनका भाग्य बदल सकता हूं। आलराउंडर ने कोलकाता नाईट राइडर्स के खिलाफ जीत में 26 रन बनाने के अलावा आंद्रे रसेल का महत्वपूर्ण विकेट लिया था। वह दूसरे मैच में विकेटरहित रहे थे लेकिन फाइनल ओवर में शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पांच रन से जीत दिलाई थी।

अभियान के बारे में करेन ने कहा कि यह लम्बा टूर्नामेंट है और वे मैच-दर- मैच आगे बढ़ेंगे।

पंजाब आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के बाद दूसरी अपराजित टीम है।

पाकिस्तान ने ग्रांट ब्रैडबर्न हेड कोच नियुक्त: न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए संभालेंगे जिम्मेदारी; पैटिक बैटिंग कोच

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सिमित ओवर सीरीज के लिए अपने कोचिंग स्टाफ की घोषणा की है। ग्रांट ब्रैडबर्न को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए मेंस टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। वहीं साउथ अफ्रीका के एंड्रयू पैटिक को पाकिस्तान टीम का बैटिंग कोच बनाया गया है। ये दोनों 11 अप्रैल को लाहौर पहुंचेंगे। पाकिस्तान टीम की कप्तानी बाबर आजम करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान पांच मैचों की टी-20 और पांच मैचों की सीरीज खेलेगा। इस सीरीज से पाकिस्तान के कई अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी होगी। जिसमें स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान का कोचिंग स्टाफ - बोर्ड ने हेड कोच के रूप में ग्रांट ब्रैडबर्न की नियुक्ति की भी पुष्टि की है। अब्दुल रहमान को सहायक हेड कोच के रूप में नामित किया गया है, जबकि एंड्रयू पैटिक बल्लेबाजी और उमर गुल को गेंदबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए 7 टेस्ट खेले हैं

ब्रैडबर्न - 56 साल के ब्रैडबर्न ने न्यूजीलैंड के लिए 7 टेस्ट और 11 वनडे खेले थे। इससे पहले ब्रैडबर्न स्कॉटलैंड के हेड कोच थे। वहीं, 2018 से 2020 तक वो पाकिस्तान के फील्डिंग कोच की भूमिका निभा चुके हैं।

दोंनो टीमें-

पाकिस्तान टी-20 टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), जमान खान, हारिस रऊफ, फहीम अशरफ, इहसानुल्लाह, इमाद वसीम, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, फखर जमान, शाहीन शाह अफरीदी , शान मसूद, मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार अहमद।

पाकिस्तान वनडे टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), इहसानुल्लाह, इमाम-उल-हक, मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, फखर जमां, शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ, हारिस सोहेल, उसामा मीर, मोहम्मद नवाज , नसीम शाह, सलमान अली आगा, शान मसूद और मोहम्मद वसीम जूनियर।

न्यूजीलैंड टी-20 टीम: न्यूजीलैंड: टॉम लैथम (कप्तान), मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, कोल मैककोनी, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी, विल यंग, चाड बोवेस, डेन क्लीवर, बेन लिस्टर, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, हेनरी शिपले, ब्लेयर टिकनर।

न्यूजीलैंड वनडे टीम: टॉम लैथम (कप्तान), हेनरी निकोल्स, टॉम ब्लंडेल, कोल मैककोनी, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी, विल यंग, चाड बोवेस, बेन लिस्टर, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, हेनरी शिपली, ब्लेयर टिकनर।

आईपीएल 2023: चोटिल चाहर लम्बे समय तक बाहर रहेंगे, स्टोक्स एक सप्ताह तक

नई दिल्ली ।
चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर, जिन्हे मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी, के लम्बे समय तक टूर्नामेंट से बाहर रहने की उम्मीद है। शनिवार रात 30 वर्षीय चाहर ने अपने पहले ओवर में पांच गेंदें डालीं जिसके बाद उन्हें पैरों में परेशानी शुरू हुई। टीम फिजियो से बातचीत करने के बाद चाहर ने ओवर की आखिरी गेंद डाली और फिर मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने फिर मैच में हिस्सा नहीं लिया। एक रिपोर्ट में कहा गया है, चेन्नई सुपर किंग्स के स्विंग गेंदबाज को हैमस्ट्रिंग चोट के कारण लम्बे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा। इस बीच एम एस धोनी के नेतृत्व वाली फ्रेंचाइजी ने चाहर की चोट पर एक बयान जारी करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज को स्कैन से गुजरना पड़ेगा। सीएसके ने एक बयान में कहा, चाहर का स्कैन होगा जिससे पता चल सके कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। टीम का सपोर्ट स्टाफ दोनों खिलाड़ियों पर नजदीकी निगरानी रख रहा है और उनकी रिकवरी के लिए उन्हें हर जरूरी मदद देगा। उल्लेखनीय है कि चाहर को चार बार के चैंपियन चेन्नई ने 14 करोड़ रुपये में अनुबंधित किया था। वह चोट के कारण 2022 सत्र पूरा ही नहीं खेल पाए थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चेन्नई अपने स्टार खिलाड़ी बेन स्टोक्स की सेवाओं के बिना एक सप्ताह रहेगी। स्टोक्स के अंगूठे में हल्की चोट है। इस चोट के कारण वह मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। उनके राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू मैच (12 अप्रैल) में भी नहीं खेलने की उम्मीद है। स्टोक्स के 17 अप्रैल को बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले बाहरी मैच में वापसी करने की उम्मीद है। स्टोक्स चेन्नई के पहले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे और तीसरे मैच से पहले ट्रेनिंग में अपना अंगूठा चोटिल कर बैठे। इस मैच को चेन्नई ने सात विकेट से जीता। दूसरी तरफ अस्वस्थ होने के कारण शनिवार का मैच चूकने वाले मोईन अली के टीम के अगले मैच में फिट हो जाने की उम्मीद है।

रैना ने रहाणे की तूफानी पारी पर कहा..यह पीली जर्सी की ताकत है

मुम्बई। अजिंक्य रहाणे (61 रन) और रवींद्र जडेजा (3/20) के शानदार प्रयासों से चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार रात सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 158 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई ने 11 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। अनुभवी रहाणे, जिन्होंने कई आईपीएल टीमों का प्रतिनिधित्व किया है, ने अपना अर्धशतक मात्र 19 गेंदों में पूरा कर इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक बना डाला। इन फॉर्म बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड ने 36 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाये। चेन्नई की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि लगातार हार का सामना करने वाली मुम्बई को अभी अपना खाता खोलना है। आईपीएल के डिजिटल आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा से रहाणे ने कहा, यह सब कुछ इस बात पर आता है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं और आप खेलने के लिए कितने भूखे हैं। मैं हमेशा खेलने का लक्ष्य रखता हूं और टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। जब मुझे पता चला कि चेन्नई ने मेरे लिए बोली लगाई है तो मैं खुश हुआ। मैंने चेन्नई के ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में काफी कुछ सुना था। लेकिन जब मैं यहां आया तो मैंने इसे महसूस किया। यह वाकई एक शानदार माहौल है। इससे खिलाड़ी को सहज होने में मदद मिलती है। माही भाई (एमएस धोनी) हर खिलाड़ी को खेलने की आजादी देते हैं। रहाणे की बल्लेबाजी के बारे में जियोसिनेमा के आईपीएल विषेशज्ञ सुरेश रैना ने कहा, यह पीली जर्सी की ताकत है। जैसा हम पारी के दौरान बात कर रहे थे कि रहाणे और ऋतुराज दोनों मुम्बई और महाराष्ट से हैं और इन पिचों को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने इस मौके का बढ़िया इस्तेमाल किया। यह माही भाई के लिए दिलचस्प सिरदर्द बनने वाला है जब मोईन अली टीम में लौटेंगे। इस बीच पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा कि किसी को भी रहाणे से इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक बनाने की उम्मीद नहीं थी। पटेल ने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में रहाणे के संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, पारी के दौरान यह कभी नहीं लगा कि रहाणे जोखिम ले रहे हैं।

कुछ खास हैं ये कारें...

कुछ नामी कार कंपनियां कुछ ऐसी कारें बाजार में ला चुकी हैं या लाने वाली हैं जो कुछ खास हैं। इन कार कंपनियों में एस्टन मार्टिन, लेम्बोर्गिनी, टाटा और निसान के नाम सबसे आगे हैं। एस्टम मार्टिन ने अपनी नई सुपर कार डीबी11 को पेश किया है, वहीं लग्जरी स्पोर्ट्स कार बनाने वाली कंपनी लेम्बोर्गिनी की हाईपर कार सैन्टेनरियो भी कुछ खास है। उधर, टाटा मोटर्स 28 मार्च को नई हैचबैक टाटा टियागो को लॉन्च करने वाली है। इस साल कंपनी टाटा नेक्सॉन को भी लॉन्च कर सकती है। इस बीच जापानी कार कंपनी निसान की निसान नोट दुनिया को सेल्फ क्लीनिंग कार माना जाता है।

एस्टम मार्टिन की डीबी11

एस्टन मार्टिन कंपनी ने साल 2003 में डीबी9 को पेश किया था और अब कंपनी ने जिनेवा मोटर शो में डीबी11 को पेश किया है। बुगाटी, लैम्बोर्गिनी और कोनिगसेग के लेटैस्ट मॉडल देखने के बाद शायद किसी और कार पर लोगों की नजर न पड़े लेकिन एस्टम मार्टिन की डीबी11 एक ऐसी कार है जिसने जिनेवा ऑटो शो में सबके मन में उत्साह पैदा कर दिया। वैसे तो इस कार में 4 लोगों के बैठने के लिए सीटें लगी हैं लेकिन पीछे वाले पैसेंजर के लिए बेहद कम जगह ही बचती है। वहीं एस्टन मार्टिन डीबी11 की डिक्की में इतनी जगह है कि 2 गोल्फ बैग आराम से आ जाएंगे। कार के अंदर आरामदायक इंटीरियर और बैंग तथा ऑल्फसेन सिस्टम दिया है और यह एक स्टनिंग लुकिंग कार है। पिछले साल केवल जेम्स बांड मूवी 'स्पैक्टर' के लिए डीबी10 को पेश करने के बाद अब कंपनी इस शानदार डिजाइन वाली डीबी के साथ बिजनैस पर ध्यान देगी। एस्टन मार्टिन की इस फ्लैगशिप कार में स्पोर्ट और लग्जरी का यूनिक पैकेज पेश किया गया है। इसके अलावा डीबी11 इसलिए भी खास है क्योंकि यह पहली डीबी है जिसमें टर्बोचार्जड इंजन लगा है। एस्टन मार्टिन डीबी11 में लगा नया ट्विन टर्बोचार्जड 5.2 लीटर वी12 (12 सिलैंडर वाला) इंजन पीछे की तरफ लगे 8 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ काम करता है जो रियर व्हील को गति प्रदान करता है। डीबी11 में लगा इंजन 600 हार्सपावर जनरेट करता है और यह कार 0 से 62 मील (100 किलोमीटर) प्रति घंटा की रफ्तार 3.9 सैकेंड से कम समय में पकड़ लेती है और इसकी टॉप स्पीड 200 मील (321 कि.मी.) प्रति घंटा है। डीबी11 सिर्फ तेज ही नहीं है बल्कि वातावरण का भी ख्याल रखती है। इसके इंजन में स्टार्ट-स्टॉप और सिलैंडर बैंक डिएक्टीवेशन सिस्टम दिया गया है। सिलैंडर बैंक डिएक्टीवेशन की मदद से जरूरत न होने पर डीबी11 के कुछ सिलैंडर काम करना बंद कर देंगे और जरूरत के समय अपने आप काम करने के लिए तैयार हो जाएंगे, जिससे अच्छी माइलेज मिलेगी और वातावरण को भी कम नुकसान पहुंचेगा। एस्टन मार्टिन ने डीबी11 की कीमत 212,000 डॉलर लगभग 1,42,01,657 रुपए रखी है और डीबी11 को खरीदने के लिए 1,000 आर्डर बुक हो चुके हैं।

टाटा टियागो

टाटा मोटर्स ने नई हैचबैक टाटा टियागो की बुकिंग शुरू कर दी है। इस कार को कंपनी की किसी भी डीलरशिप से 10,000 रुपए में बुक किया जा सकता है। कंपनी ने इसी के साथ एक कॉन्टेस्ट की भी शुरुआत की है जिसमें कार बुक कराने वाले ग्राहकों को कंपनी के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर लियोनेल मेसी से मिलने का मौका मिल सकता है। हैचबैक कार सेगमेंट में ये कार टाटा के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रोडक्ट है। कंपनी द्वारा शुरू किए गए कॉन्टेस्ट में टाटा टियागो बुक कराने वाले ग्राहकों को एक सवाल का जवाब देना होगा। ये सवाल है कि टाटा टियागो को मैं पसंद करता हूं क्योंकि...। जिन चुनिंदा लोगों के जवाब क्रिएटिव होंगे उन्हें स्पेन जाकर मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी और कंपनी के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर लियोनेल मेसी से मिलने का मौका मिलेगा। टाटा टियागो के लॉन्च होने के बाद छोटी कारों के बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी तेज होने की उम्मीद है। इस कार को दिल्ली ऑटो एक्सपो 2016 के दौरान पहली बार शोकेस किया गया था। इस कार में 1.2-लीटर रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन और 1.05-लीटर रेवोटॉर्क कॉमन रेल डीजल इंजन शामिल है। कार का पेट्रोल इंजन 85 बीएचपी का पावर और 114एनएम का टॉर्क देगा वहीं, इसका डीजल इंजन 70 बीएचपी का पावर और 140एनएम का टॉर्क देगा। टाटा टियागो के दोनों ही इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस किया गया है। बताया जा रहा है कि कंपनी आगे चलकर इस कार को ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन से भी लैस कर सकती है। इस कार का सीधा मुकाबला मारुति सुजुकी सेलेरियो और ह्युंडई आई10 से होगा। कार की अनुमानित कीमत 3.5 लाख रुपए से लेकर 5.5 लाख रुपए के बीच रखी जा सकती है।

निसान नोट

अगर आपके पास अपनी कार है तो यकीनन उसकी सफाई का आप विशेष ध्यान रखते होंगे। कई बार समय की व्यस्तता के चलते चाहकर भी आप उसकी सफाई नहीं कर पाते होंगे। लेकिन हम आपको ऐसी कार के बारे में बताने जा रहे हैं जो खुद ही साफ होती है। इसे दुनिया की पहली सेल्फ क्लीनिंग कार माना जाता है। जापानी कार कंपनी निसान ने इस अनूठी कार निसान नोट को बनाया है। कंपनी का दावा है कि इसके मालिक को कार की सफाई की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं रह जाती है। निसान की यह कार न केवल अपनी सफाई खुद करती है बल्कि नैनो-पेंट टेक्नोलॉजी के जरिए धूल-मिट्टी और गंदगी को कार पर जमने नहीं देती है। कंपनी का कहना है कि निसान की कार नोट पेंट तकनीक का इस्तेमाल करने वाली पहली कार है। इस कार में इस्तेमाल किया गया सुपर-हाइड्रोफोबिक और ओलिओफोबिक पेंट पानी और तेल की गंदगी की भी साफ कर सकता है। अल्ट्रा इवर ड्राई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 45,000 रुपए अतिरिक्त चुकाने होंगे।

टाटा नेक्सॉन

टाटा मोटर्स इसी साल सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सॉन को भी बाजार में उतारने की तैयारी भी कर रही है। इसी बीच टाटा नेक्सॉन को पुणे-मुंबई हाइवे पर टेस्टिंग के दौरान कैमरे में कैद किया गया। कंपनी ने टाटा नेक्सॉन के कॉन्सेप्ट मॉडल को 2016 दिल्ली ऑटो एक्सपो के दौरान शोकेस किया था। इसके बाद से कई बार इस कार की स्पाई इमेज इंटरनेट पर नजर आती रही है। ये टाटा की पहली सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी होगी। कैमरे में कैद हुई टाटा नेक्सॉन का फ्रंट काफी आक्रामक और मस्क्यूलर नजर आ रहा है। इसके अलावा कार का साइड प्रोफाइल भी इसे एक सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी वाला फील दे रहा है। कार के ओआरवीएम पर साइड इंडिकेटर भी नजर आ रहा है। हालांकि, गाड़ी की ग्राउंड क्लियरेंस थोड़ी कम लग रही है लेकिन, इस बारे में अभी कुछ साफ नहीं हो पाया है। कार का पिछला हिस्सा काफी हद तक टाटा इंडिका की तरह ही नजर आ रहा है। गाड़ी की केबिन टाटा जेस्ट से मेल खाती है। कार में नया डैशबोर्ड, थ्री-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, नया एसी वेंट और नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर लगाया गया है। टाटा नेक्सॉन में 1.2-लीटर, 3-सिलिंडर, टर्बोचार्जड पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन लगा होगा। हालांकि, पहले खबर आई थी कि इस सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी में 1.3-लीटर मल्टीजेट डीजल इंजन लगा होगा। इन दोनों ही इंजन को 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और एफ-ट्रॉनिक एएमटी गियरबॉक्स से लैस किया गया है।

लेम्बोर्गिनी की सैन्टेनरियो

लग्जरी स्पोर्ट्स कार बनाने वाली कंपनी लेम्बोर्गिनी के फाऊंडर इस साल 28 अप्रैल को 100 साल के हो जाएंगे। इस साल को और भी खास बनाने के लिए कंपनी ने बेहद ही लिमिटेड एडिशन हाईपर कार को संभाल कर रखा था, जिसे स्विट्जरलैंड में शुरू हुए जिनेवा मोटर शो में पेश किया गया। लेम्बोर्गिनी की यह हाईपर कार 'सैन्टेनरियो' हाल ही में पेश की गई सुपर स्पोर्ट्स कार कंपनी बुगाटी की चिरॉन से भी खास है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चिरॉन के 500 यूनिट ही बनाए जाएंगे जिनमें से एक-तिहाई यूनिट पहले ही बुक हो गए हैं लेकिन लेम्बोर्गिनी सैन्टेनरियो के केवल 40 यूनिट का प्रोडक्शन ही होगा। अब आपको बताते हैं कि यह खास क्यों है? इसका कारण है कि यदि आपके पास इसे खरीदने के लिए पैसे भी हैं तो भी इसे खरीद नहीं सकते क्योंकि इसके सारे यूनिट पहले से ही बिक चुके हैं। लेम्बोर्गिनी सेन्टेनरियो में कार्बन फाइबर मोनोकॉक दिया गया है और इसमें लेम्बोर्गिनी द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे पावरफुल इंजन लगा है। यह इंजन 770 हार्सपावर की ताकत पैदा करता है जो बुगाटी की चिरॉन और कोनिगसेग की रेगेरा की 1500 एच.पी. से तो बेहद कम है लेकिन यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार महज 2.8 सैकेंड में पकड़ लेती है। सैन्टेनरियो का डिजाइन भी बेहद आक्रामक है। सैन्टेनरियो के डिजाइन को देखकर कोई भी जरूर कह सकता है कि यह एक लेम्बोर्गिनी है क्योंकि नए डिजाइन के बाद भी इसमें कम्पनी के परम्परागत डिजाइन की झलक देखने को मिलती है। सैन्टेनरियो में लगा नैचुरली अस्पिरटेड वी12 इंजन इस कार को लाइट वेट बनाता है और इसका वजन महज 1.5 टन है तथा इसकी पावर रेशो 1.97 के.जी./एच.पी. है। यह सिर्फ तेज रफ्तार ही नहीं पकड़ती बल्कि इसकी टॉप स्पीड भी कम नहीं है जो 350 किलोमीटर प्रति घंटा है और इतनी तेज रफ्तार से सड़क पर गाड़ी चलाना खतरे से खाली नहीं है और इसे ड्राइव करने वाला इसके लिए रेस ट्रैक का इस्तेमाल करना ही बेहतर समझेगा।

कार की हवा साफ करने वाला यंत्र

अब ऐसा यंत्र भी आ चुका है जो कार की हवा को साफ कर प्रदूषण मुक्त बनाता है। बढ़ते प्रदूषण पर रोकथाम लगाने के लिए जापान की कंपनी फिलीप्स एक ऐसा यंत्र लेकर आई जो हवा को साफ रख सकता है। भारत में हवा स्वच्छ रखने के उपकरणों की बढती मांग को देखते हुए फिलिप्स ऑटोमोटिव विंग ल्यूमिलेड्स इंडिया ने कार में हवा साफ सुथरी रखने वाला यह यंत्र पेश किया है। इसे फिलिप्स गोप्योर काम्पैक्ट 110 नाम से पेश किया गया है। फिलहाल इस यंत्र को ऑनलाइन ही बिक्री के लिए जारी किया गया है।

सेंसर ऑपरेटेड ब्रेक लाइट्स

कार और बाइक की बात की जाए तो इन ऑटोमोबाइल्स को इस तरीके से बनाया जाता है कि जब आप इनकी ब्रेक लगाएं तब पिछली लाल रंग की लाइट अपने आप जग जाए, लेकिन यह लाइट सिर्फ ब्रेक लगाने पर ही जगती है, इस बात को ध्यान में रखता हुए एक ऐसी लाइट बनाई गई है जो रफ्तार के कम होने से जग जाती है और स्पीड कम होने की इंडिकेशन देती है। इलेक्ट्रॉनिक सर्किट की मदद से इन एलईडी लाइट्स में अपना इनबिल्ट पावर सोर्स फिट किया गया है। इस बल्ब के साथ स्टैण्डर्ड सॉकेट्स शामिल है जिससे आप इन्हें हर बाइक और कार में आसानी से अटैच कर सकते हैं। खास बात यह है कि इन्हें वेदरप्रूफ तरीके से बनाया गया है जो पांच साल तकरीबन 500,000 वर्किंग साइकल्स तक चल सकती है।

इलेक्ट्रिक बाइक से बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

केटीएम ऑस्ट्रिया की मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी है जो अपनी तेज तरार मोटरसाइकिल्स को लेकर दुनिया भर में काफी मशहूर है। इस कंपनी के रैली राइडर फ्रांसिस्को लोपेज ने दुनिया के सबसे ऊंचे सक्रिय ज्वालामुखी पर केटीएम फ्री राइड ई-एक्ससी इलेक्ट्रिक बाइक से चढ़ाई की जिसकी उंचाई समुद्र तल से 6,080 मीटर ऊपर थी। ऐसा करने पर वह दुनिया के पहले राइडर बन गए हैं जिन्होंने इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल्स के साथ ऐसा किया जिससे इनका नाम गीनेस वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया। लोपेज का कहना है कि ऐसा करने पर उन्होंने कम ऑक्सीजन की स्थिति और -13 डिग्री फेरनहाइट से भी नीचे के तापमान को सहा है और साथ ही ज्वालामुखी पर काफी समय भी बिताया है जिससे उन्होंने इस रिकार्ड को प्राप्त किया, साथ ही कहा गया कि ऐसा करने के लिए उन्होंने फ्री राइड ई-एक्ससी बाइक की स्टॉक को लेकर थोड़े बदलाव जरूर किए थे लेकिन उन्होंने कहा कि बाइक की बैटरी और सर्किट फ्रीज न हो ऐसा इसलिए किया गया था।

अब आएगा नया ब्रेकिंग सिस्टम...

कार के कुछ पार्ट्स ऐसे हैं जिनमें सुधार करना बेहद मुश्किल है जैसे थ्री-प्वाइंट सीट बैल्ट जो दशकों से एक जैसी ही है। कुछ चीजों में सुधार भी हुआ है लेकिन टैक्नोलॉजी को बेहतरीन तरीके से समझने के बाद। अब चौपहिया वाहनों में प्रयोग होने वाले ब्रेकिंग सिस्टम को ही ले लीजिए। जेडएफ टीआरडब्ल्यू ने आईबीसी यानी इंटीग्रेटेड ब्रेक कंट्रोल को विकसित किया है। आईबीसी में सिंगल पीस सिस्टम दिया गया है जिससे कई सारे कम्पोनैंट्स ब्रेक्स से हट गए हैं, जो स्टैंडर्ड ब्रेकिंग सिस्टम में होते हैं। इसमें ब्रेक मास्टर सिलैंडर और वैक्यूम पम्प शामिल हैं। परम्परागत रूप से ब्रेक्स पर पैर रखने पर वैक्यूम के जरिए ये हरकत में आती हैं और कार को स्लो करने का काम करती हैं। विकसित किया गया नया सिस्टम परंपरागत सिस्टम से हल्का है और यह अधिक से अधिक ब्रेक में सुधार का काम करता है। इस सदी के अंत तक यानी 2020 तक जनरल मोटर्स इस सिस्टम को एसयूवी कारों में लगाएगा जबकि अन्य कार निर्माता इस सिस्टम का प्रयोग बाद में शुरू करेंगे।

ज्यूपिटर के आएंगे और वर्जन...

दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी टीवीएस अपने चर्चित स्कूटर ज्यूपिटर के नए वेरिएंट्स लाने की योजना बना रही है। फिलहाल भारतीय बाजार में टीवीएस के ज्यूपिटर स्कूटर के दो वजर्न चल रहे हैं। बाजार में स्कूटर की मांग को देखते हुए कंपनी अगामी समय में इस स्कूटर के कुछ और वर्जन लॉन्च करेगी। टीवीएस ज्यूपिटर के मोर अपीलिंग वर्जन्स को उतारेगी, जिनमें कॉस्मेटिक चेंजेज व नए फीचर्स रहेंगे। ज्ञातव्य है कि ज्यूपिटर ने ही स्कूटर बाजार में टीवीएस के शेयर बढ़ाकर 15 फीसदी तक पहुंचाए हैं। टीवीएस ने चालू वित्त वर्ष में 2.4 मिलियन यूनिट्स सेल करी है और कंपनी का लक्ष्य है कि वर्ष 2019 तक 4.2 मिलियन यूनिट्स प्रोड्यूस करें।

गर्मी में बाइक चलाते वक्त रखें ध्यान...

खुले आसमान के नीचे हवा से बातें करते हुए बाइक राइड करना हर किसी को पसंद होता है, लेकिन गर्मी के सीजन में तेज धूप और गर्मी के चलते इस शौक पर पानी फिर जाता है। गर्मी के सितम की वजह से धूप में बाइक पर सफर मजा नहीं बल्कि सजा बन जाती है। आपके साथ ऐसा न हो, इसलिए हम आपको इस बता रहे हैं गर्मी में सुरक्षित बाइक राइडिंग के जरूरी उपाय। गर्मी में बाइक चलाते वक्त के ये उपाय साबित होंगे सच्चे हमसफर।

हल्के रंग के कपड़े

गर्मी में बाइक ड्राइव करते समय कोशिश करें कि हल्के रंग के कपड़े पहन के घर से बाहर निकलें। क्योंकि डार्क कलर से उष्मा का उत्सर्जन ज्यादा होता है जिससे आपको गर्मी ज्यादा लगेगी। सफेद रंग की हेल्मेट का इस्तेमाल करें। ससे सिर कम से कम गर्म होगा। यदि आपके पास सफेद रंग की हेल्मेट न हो तो ऐसा हेल्मेट लें जिसमें वेंट जरूर हो ताकि हेल्मेट के भीतर ज्यादा गर्मी न हो।

कूलिंग वेस्ट

कूलिंग वेस्ट इस समय तेजी से चलन में आया है। यह एक प्रकार का जैकेट होता है जिसे आप अपने कपड़े के भीतर पहन सकते हैं। ये कपड़े और फैब्रिक दोनों में ही आता है। फैब्रिक मटैरियल में आपको बैट्री भी मिलती है जिसमें एक डिवाइस लगा होता है जिससे आपकी जैकेट ठंडी होती रहती है।

फुल हैंड ग्लव्स

जब भी आप धूप में निकलें अपने पूरे हाथों पर फुल हैंड ग्लव्स का प्रयोग जरूर करें। इससे न केवल आपका हाथ जलेगा बल्कि आपकी बाहें काली होने से भी बचेंगी। फुल स्लीव्स वाला समर आर्मर पहनें ताकि गर्मी का सीधा प्रभाव आपकी स्किन पर न पड़े।

बाइक को कवर करें

जब भी आप अपनी बाइक को खड़ी करें तो उसे कवर करना न भूलें। क्योंकि सीधी धूप आपके बाइक के रंग को खराब कर सकती है। बाइक के लिए थोड़ा सा इंजन ऑयल लेना न भूलें, क्योंकि बाइक के हीट होने पर, ये ऑयल उसके इंजन को कूल करेगा।

टायर्स की स्थिति

बाइक राइडिंग से पहले यह चेक कर लें कि टायर्स की स्थिति अच्छी है या नहीं। इस भयानक गर्मी में अपने साथ पानी की एक बॉटल अवश्य रखें, क्योंकि गर्मी में पानी से बढ़कर दूसरा जीवनदाता और कोई नहीं है। इसके अलावा ये आपको डीहाईड्रेशन से भी दूर रखेगा। बाइक राइडिंग के दौरान बीच में एक नियमित अंतराल पर ब्रेक लेते रहें। कुछ देर बार फिर से राइडिंग शुरू करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**